



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 45]
No. 45]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 10, 1990/कार्तिक 19, 1912
NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 10, 1990/KARTIKA 19, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India other than
the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय
(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1990

सूचना

क्र.आ. 2827:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री एकम सिंह एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे नवाम शहर जिला जालन्धर पंजाब व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर विहित रूप में गेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(59)/90-न्याय.]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 18th September, 1990

NOTICE

S.O. 2827.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri EKAM SINGH Advocate for appointment as a Notary to practise Nawan Shar Punjab.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5/59/90-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 16 अक्तूबर, 1990

स्टाम्प

का.आ. 2828:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त शूलक में छूट प्रदान करती है जो महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड द्वारा जारी किए जाने वाले (i) "250 करोड़ रु. के मूल्य के 13 प्रतिशत (कराधेय) ऋणपत्रों (चौथी शृंखला)" और (ii) "250 करोड़ रु. मात्र के मूल्य के 9 प्रतिशत (कर-मुक्त) (चौथी शृंखला) ऋणपत्रों के स्वक्षय वाले बंधपत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावी है।

[सं. 30/90-स्टा.फा.सं. 33/38/90-वि.क.]

ठाकुर दत्त, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 16th October, 1990

STAMPS

S.O. 2828.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures (i) "13 percent (taxable) of the value of Rs. 250 crores (4th Series)"; and (ii) "9 percent (tax-free) (4th Series)" of the value of Rs. 250 crores only to be issued by Mahanagar Telephone Nigam Ltd. are chargeable under the said Act.

[No. 30/90-Stamps-F. No. 33/38/90-ST]

THAKUR DATT, Dy. Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 11 अक्तूबर, 1990

का.आ. 2829:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 132 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निम्नलिखित उप-निर्देशकों तथा आयुक्तों को उक्त अधिनियम की धारा 132 की उपधारा (1) के अधीन कार्य-

वाही करने के निम्नलिखित प्राधिकृत करने के लिए शक्ति प्रदान करता है:—

- (i) आयकर सहायनिर्देशकों (जांच) के अधीन तैनात सभी आयकर उप-निर्देशक (जांच)।
- (ii) आयकर निदेशकों (जांच) के अधीन तैनात सभी आयकर उप-निर्देशक (जांच)।
- (iii) आयकर रेंजों, जिनमें विशेष रेंज भी शामिल हैं, के प्रत्येक सभी उप-आयकर आयुक्त।

[का.सं. 2829/343/89-आयकर (जांच-II)]

(दीया कृष्ण विशेष कार्य अधिकारी जांच-II)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 11th October, 1990

S.O. 2829.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 132 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby empowers the following Deputy Directors and Deputy Commissioners to authorise action under sub-section (1) of Section 132 of the Act:—

- (i) All Deputy Directors of Income-tax (Inv.) posted under Directors General of Income-tax (Inv.).
- (ii) All Deputy Directors of Income-tax (Inv.) posted under Directors of Income-tax (Inv.).
- (iii) All Deputy Commissioners of Income-tax incharge of income-tax ranges including Spl. ranges.

[F. No. 286/343/89-IT(Inv. II)]

DEEPA KRISHAN, Officer on Spl Duty.

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर, 1990

सं.का. 2830:—नियम 9 के उप नियम (2) नियम 12 के उप-नियम (2) की धारा (ख) तथा नियम 24 के उपनियम (1), जिन्हें केन्द्रीय प्रशासनिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अनुरोध) नियम 1965 के साथ पढ़ा जाए, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के दिनांक 28 फरवरी, 1957 के आदेश संख्या एस.आर.ओ. 627 में निम्नलिखित और संशोधन करने हैं, अर्थात्:—

उक्त आदेश की अन्तर्मुची में:—

(क) भाग II में:—

(i) कालम 2 में बैंक नोट प्रेस, देवगढ़ के अन्तर्गत क्रम संख्या (i), (ii) और (iii) में शब्द "प्रशासनिक अधिकारी" के स्थान पर शब्द "मुख्य प्रशासनिक अधिकारी" प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(ii) कालम 3 में क्रम संख्या (iii) में शब्द "प्रशासनिक अधिकारी" के स्थान पर शब्द "मुख्य प्रशासनिक अधिकारी" प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(7) भाग III में:—

(Banking Division)

New Delhi, the 22nd October, 1990

भारतीय बैंक नोट प्रेस, देवास के अन्तर्गत कॉलम 3 में क्रम संख्या (1) में शब्द "प्रशासनिक अधिकारी" के स्थान पर शब्द "मुख्य प्रशासनिक अधिकारी" प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[संख्या एक. 4(11)/90-सी.वाई (बी.एन. पी.)]

जी.एस. ग्रेवाल, विशेष अधिकारी (मुद्रा एवं सिक्का)

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 12th October, 1990

S.O. 2830.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24, read with rule 34 of the Central Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the order of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. SRO 627, dated 28th February, 1957, namely:—

In the schedule to the said order:—

(a) in part II—

- (i) against serial numbers (i), (ii) and (iii) under the heading Bank Note Press, Dewas in column 2 for the words "Administrative Officer", the words "Chief Administrative Officer" shall be substituted;
- (ii) against serial number (iii) in column 3, for the words "Administrative Officer" the words "Chief Administrative Officer" shall be substituted; and

(b) in part III—

against serial number (1) under the heading Bank Note Press, Dewas in column 3 for the words "Administrative Officer" the words "Chief Administrative Officer" shall be substituted.

[No. F. 4(11)/90-Cy. (BNP)]

G. S. GREWAL, Special Officer (C&C)

(वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1990

का.आ. 2831:—भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) की धारा 19 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) और धारा 20 की उप-धारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एतद् द्वारा श्री बी. महादेवन, उप प्रबन्ध निदेशक भारतीय स्टेट बैंक को उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रारम्भ होकर 18 जून, 1993 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्ध निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या एक. 8/5/90-बी. आ.-I]

श्रीमती अनिता कपूर, उप सचिव

S.O. 2831.—In pursuance of clause (b) of sub-section (1) of section 19 and sub-section (1) of section 20 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government, in consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri V. Mahadevan, Deputy Managing Director, State Bank of India as Managing Director of the State Bank of India for the period commencing with the date of his taking charge and ending with 18th June, 1993.

[No. F. 8/5/90-BO.I]

Mrs. ANITA KAPUR, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1990

का.आ. 2832:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा (1) के उपबन्ध जूनागढ़ डिस्ट्रिक्ट सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि., जूनागढ़ (गुजरात) पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 31 दिसम्बर, 1992 तक की अवधि के लिए लागू नहीं होंगे।

[एफ.सं. 17/1/90-विकास]

नीरज प्रसाद, उप सचिव

New Delhi, the 24th October, 1990

S.O. 2832.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Junagadh District Central Cooperative Bank Ltd. Junagadh (Gujarat) from the date of publication of this notification in the Official Gazette upto 31st December, 1992.

[F. No. 17(1)/90-Dev]

N. PRASAD, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1990

का.आ. 2833:—भारतीय स्टेट बैंक (अनुपंगी बैंक) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) की धारा 25 की उप-धारा (1) के खण्ड (इ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा वित्त मंत्रालय प्राधिकार्य विभाग (वैकिंग प्रभाग) के अवसर सचिव श्री एम.के. एम. कुट्टि को श्री के.पी. पाण्डेयन के स्थान पर स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[संख्या एक. 9/7/90-बी.ओ.-1]

New Delhi, the 25th October, 1990

Vice

S.O. 2833.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the Central Government hereby nominates Shri M. K. M. Kuty, Under Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi to be a Director of the State Bank of Saurashtra vice Shri K. P. Pandian.

[No. F. 9/7/90-B.O.I]

The Managing Director,
West Bengal State
Financial Corporation,
Calcutta.

[No. F. 7/5/90-BO.I]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1990

का. आ. 2834.—भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक अधिनियम 1984 (1984 का 62) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को, भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक के निदेशक के रूप में नामित करती है:—

1. डा. ए.सी. साह,
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक,
बैंक आफ बड़ौदा,
वम्बई।
2. श्री एन.डी. प्रभु,
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक,
केनरा बैंक,
बंगलौर।
3. प्रबन्ध निदेशक,
उत्तर प्रदेश राज्य वित्त निगम,
लखनऊ।

प्रबन्ध निदेशक,

पश्चिम बंगाल राज्य

के स्थान पर वित्तीय निगम, कलकत्ता

[संख्या एफ.-7/5/90-बी.ओ.-I]

एम.एस. सीतारामन, अवसर सचिव

S.O. 2834.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 (62 of 1984) the Central Government hereby nominates the following persons as directors of the Industrial Reconstruction Bank of India:—

- Dr. A. C. Shah,
Chairman and Managing Director,
Bank of Baroda,
Bombay.
- Shri N. D. Prabhu,
Chairman and Managing Director,
Canara Bank,
Bangalore.
- The Managing Director,
Uttar Pradesh State
Financial Corporation,
Lucknow.

का. आ. 2835.—केन्द्रीय सरकार ने नियमित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 3332 तारीख 20 जून 1985 में संशोधन करने के लिए कतिपय प्रस्ताव बनाए हैं और नियमित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम 1964 के नियम II के उप नियम (2) की अपेक्षातन्सार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 1272 तारीख 5 मई 1990 के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 5 मई 1990 में प्रकाशित किए गए।

और उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से वैधानिक दिनों के अंतर उनसे प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों से आक्षेप तथा सुझाव मांगे गए थे;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 8 जून 1990 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप पर जनता से प्राप्त आक्षेपों तथा सुझावों पर विचार कर लिया है;

अतः अथ केन्द्रीय सरकार नियमित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित परिपक्व से परमर्ण करने के पश्चात् भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 3332 तारीख 20 जून, 1985 के अधीन प्रकाशित आदेश का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है अर्थात्:—

उक्त आदेश में:—

(क) पैरा 3 के नीचे की प्रविष्टियों में शृङ्ख मछली की निम्नलिखित किस्मों से संबंधित क्रम सं. 17, 18, 19, 20, 23, 26, 31, 32, 33 और 34 का क्रमशः लोप किया जाएगा:—

किस्म	वैज्ञानिक नाम (जाति)
1	2
हुकूला	साईनिल्ला सम
रूड्या	साईनिल्ला रिबेसा
मोरोला	हमिरहस्कल
बैनमनवा	पिल्लीना
थोनवया शुष्क	दुसुमिरिया
बलाईकीण्डम	विरोसेट्स
नमक युक्त और शुष्क थोनवया	दुसुमिरिया विशेष
बोलान	डॉ.फैपटरम विशेष
कोली (नमक रहित)	एक्सोफाट्स
कोली (नमक युक्त)	एक्सोफाट्स

(ख) उक्त आदेश के उपाबंध में शुष्क मछली को निम्नलिखित किस्मों से संबंधित क्रम सं. 17, 18, 19, 20, 23, 29, 31, 32, 33, और 34 और उनसे संबंधित प्रविष्टियों को खोप किया जाएगा:—

किस्म
हुरल्ला
सूडया
मोरोला
बेंगलवा
थोन्दया शुष्क
बलाईकंडम
थोन्दया
बोलाव
कोली (नमक रहित)
कोली (नमक युक्त)

[फाइल सं. 6 (9)/89-ई आई एण्ड ई पी]

पाठ टिप्पण :

मूल आदेश सं. का. भा. 3332 तारीख 20 जून, 1985 के अनुसार भारत के राजपत्र भाग-II खंड -3 उपखंड-(ii) के पृष्ठ 3849-65 पर प्रकाशित किया गया था।

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 10th November, 1990.

S.O.2835.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government had formulated certain proposals for amending the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 3332, dated the 20th June, 1985 and published in the Gazette of India, dated the 5th May, 1990 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1272 dated 5th May, 1990 as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And whereas the objections and suggestions were invited within forty-five days of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on 8th June, 1990;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government after consulting the Export Inspection Council hereby makes the following Order further to amend the Order published under the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 3332, dated the 20th June, 1985, namely:—

In the said Order,—

(a) in the entries below paragraph 3, Sl. No. 17, 18, 19, 20, 23, 26, 31, 32, 33 and 34 relating to the following varieties of Dried Fish shall respectively be omitted:—

Varitey
Hurrulla
Soodaya
Morolla
Venganawa
Thondaya Dried
Valaikandam
Thondaya Salted and Dried
Bolan
Koli (unsalted)
Koli (salted)

Scientific Name (Species)

Sardinella sirm
Sardinella gibbosa
Hamirhamphus
Pellona
Dussumeria
Chirocentrus
Dussumeria spp.
Decapterus spp.
Exocoetus
Exocoetus

(b) in the Annexure to the said order, Sl. No. 17, 18, 19, 20, 23, 26, 31, 32 33 and 34 relating to the following varieties of Dried Fish and the entries relating thereto shall be omitted :
Variety

Hurrullu
Soodaya
Morolla
Venganawa
Thoundaya dried
Valaikandam
Thondaya
Bolan
Koli (unsalted)
Koli (salted)

[F. No. 6/9/89-EI&EP]

Foot Note :

The principal order was published vide No. S.O. 3332 dated the 20th June 1985 in the Gazette of India, Part-II, Section 3, sub-section (ii) pages 3849—65

का. भा. 2836 :—केन्द्रीय सरकार नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए शुष्क मछली का नियति निरीक्षण नियम 1985 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शुष्क मछली का नियति (निरीक्षण) (संशोधन) नियम 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. शुष्क मछली के नियति (निरीक्षण) नियम 1985 की धारा 3 में शुष्क मछली की निम्नलिखित किस्मों से संबंधित क्रम सं. 17, 18, 19, 20, 23, 26, 31, 32, 33 और 34 तथा उनसे संबंधित प्रविष्टियों को खोप किया जाएगा।

किस्म
हुरल्ला
सूडया
मोरोला
बेंगलवा
थोन्दया शुष्क
बलाईकंडम
थोन्दया नमक युक्त शुष्क
बोलाव
कोली (नमक रहित)
कोली (नमक युक्त)

[फाइल सं. 6 (9)/89-ई आई एण्ड ई पी]

ए. के. चौधरी, निदेशक

पाठ टिप्पण :—

मूल अधिसूचना सं. का. भा. 3332 (क) तारीख 20 जून 1985 द्वारा प्रकाशित की गई।

S.O. 2836.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Export of Dried Fish (Inspection) Rules, 1985, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of Dried Fish Inspection (Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Export of Dried Fish (Inspection) Rules, 1985, Sl. No. 17, 18, 19, 20, 23, 26, 31, 32, 33, and 34 relating to the following varieties of Dried Fish and the entries relating thereto shall be omitted.

Varicety
Hurulla
Soodaya
Morolla
Venganawa
Thondaya dried
Valaikandam
Thondaya salted and dried
Bolan
Koli (unsalted)
Koli (salted)

[F. No. 6/9/89-EI&EP]

A. K. CHAUDHURI, Director

FOOT NOTE

The principal notification was published vide No. S.O. 3332(A) dated the 20th June, 1985.

विदेश मंत्रालय

(हज सेल)

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1990

का.आ. 2837.—हज समिति अधिनियम 1959 (1959 का 51) की धारा 4 और 5 के साथ पठित धारा 3 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सभा अध्यक्ष ने स्वर्गीय श्री मोहम्मद अमीन अंसारी के स्थान पर श्री मोहम्मद अफजल, सदस्य, राज्य सभा को हज समिति, बम्बई का सदस्य नामित किया है।

[संख्या एम(हज) 118-1/2/89]

के.पी. फैबियन, संयुक्त सचिव (जोड़ी/हज)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

(Haj Cell)

New Delhi, the 16th October, 1990

S.O. 2837.—In exercise of the powers conferred under section 3, read with sections 4 and 5 of the Haj Committee Act, (51 of 1959) the Chairman, Rajya Sabha has nominated Shri Mohammed Afzal, Member Rajya Sabha to the Haj Committee, Bombay vice the late Shri Mohammed Amin Ansari.

[No. M(Haj)118-1/2/89]

K. P. FABIAN, Jt. Secy. (GD/Haj)

व्याप एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1990

का.आ. 2838 :—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 5 के उपविनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचन करता है कि जिस/जिन लाइसेंस(सों) का/के विवरण नीचे दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे उसके/उनके सामने दी गई तिथि में रद्द कर दिया गया है/दिए गए हैं।

अनुसूची

क्र.सं. लाइसेंस संख्या तथा दिनांक	लाइसेंसधारी का नाम व पता	रद्द लाइसेंस के अन्तर्गत वस्तु/प्रक्रम तथा सम्बन्ध भारतीय मानक	रद्द किए जाने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1. सीएम/एल-2055439	मै. अंजमनपेन्ट इंडस्ट्रीज, 1-65 सैक्टर-9 नोएडा जिला-गाजियाबाद (उ.प्र.)	आईएस: 5410-1969 बांछित रंग के सीमेंट रोगन की विशिष्टि	16-12-89
2. सीएम/एल-2065341	मै. अंजमनपेन्ट इंडस्ट्रीज, 1-65 सैक्टर-9 नोएडा जिला-गाजियाबाद (उ.प्र.)	आईएस: 133-1975 भवनों के अन्दर प्रयुक्त इनेमल क (अत्रले-पन ख) फिनिशिंग की विशिष्टि	01-01-90

[क. प्र. नि. 2055439/2065341]

एम. मुहम्मदयून, अपर महानिदेशक

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 9th October, 1990

S.O. 2838.—In pursuance of sub-regulation (6) of regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulation, 1988, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the licence(s) particulars of which is/are given below has/have been cancelled with effect from the date indicated :

SCHEDULE

Reference No. (CM/L-)	Name and Address of the licensee	Article/Process with relevant Indian Standard covered by the licence cancelled	Date of Cancelled
(1)	(2)	(3)	(4)
CM/L-2055439	M/s. Anjman Paint Industries, I-65, Sector-9, Noida, Distt Dist Ghaziabad (U.P.)	IS : 5410-1969 Specification for cement paint, colour as required	16-12-89
CM/L-2065341	M/s. Anjman Paint Industries, I-65, Sector-9, Noida, Dist Ghaziabad (U.P.)	IS : 133-1975 Specification for enamel, interior, (a) Undercoating (b) finishing (second revision)	01-01-90

[No. CMD/55 : 2055439/2065341]

S. SUBRAHAMANYAN, Addl. Dir. Gen.

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1990

का.आ. 2839.— केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित कार्यालयों को जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारिवृद्ध ने हिन्दी का कार्यमाध्यक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :-

1. विपणन एवं सेवा विस्तार केन्द्र, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, फारेस्ट पथपुर धालपुर कूलू-हिमाचल प्रदेश ।

2. विपणन एवं सेवा विस्तार केन्द्र, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, बेनजोर काठेज मल्ला, जोशी खोला, अल्मोड़ा (उ.प्र.) ।

3. कलात्मक धातु शिल्प प्रशिक्षण केन्द्र, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, कचहरी बाजार, अल्मोड़ा (उ.प्र.)

4. विपणन एवं सेवा विस्तार केन्द्र, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, ईदगाह रोड, सहारनपुर (उ.प्र.)

5. विपणन एवं सेवा विस्तार केन्द्र, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, 32, रानी पार्क, कच्छी छावनी, जम्मू ।

6. विपणन एवं सेवा विस्तार केन्द्र, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, डोमेल चैकपोस्ट के नजदीक, उधमपुर, 192101

7. विपणन एवं सेवा विस्तार केन्द्र विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, सिविल लाईन्स, लखनऊ, रोड, बाराबंकी-255001

[सं. ई-11011(18)/89-हिन्दी]

कीर्ति कुमार, उप सचिव

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 16th October, 1990

S.O. 2839.—In pursuance of Sub-Rule 10(4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union), Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following Offices under the Ministry of Textiles whereof more than 80 per cent staff have acquired working knowledge of Hindi :—

1. Marketing and Service Extension Centre, Office of the Development Commission (Handicrafts), Forest Pathur, Dhalpur, Kulu (H.P.).

2. Marketing and Service Extension Centre, Office of the Development Commissioner (Handicrafts), Benjir Cottage Malla, Joshi Khola Almora (U.P.).
3. Art Metal Handicrafts Training Centre, Office of the Development Commissioner (Handicrafts); Kutchery Bazar, Almora (U.P.).
4. Marketing and Service Extension Centre, Office of the Development Commissioner (Handicrafts), Idgarh Road, Saharanpur, (U.P.).
5. Marketing and Service Extension Centre, Office of the Development Commissioner (Handicrafts), 32, Rani Park, Kutchy Chhawni, Jammu.
6. Marketing and Service Extension Centre, Office of the Development Commissioner (Handicrafts), Domell Checkpost, Udhampur-192101.
7. Marketing and Service Extension Centre, Office of the Development Commissioner (Handicrafts), Civil Lines, Lucknow Road, Barabanki-255001.

[No. E-11011/18/89-Hindi]

KIRTHY KUMAR, Dy. Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1990

का.आ. 2840 — केन्द्रीय सरकार, कृषि मंत्रालय, कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग राजभाषा (संघ) के शासकीय

प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में एतद्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, जिनके 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

[का.सं. 13-26/90-हिन्दी]

हजारी लाल, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Deptt. of Agri. Res. & Education)

New Delhi, the 10th October, 1990

S.O. 2840.—The Central Government, Ministry of Agriculture, Deptt. of Agricultural Research & Education hereby declares the Indian Institute of Sugarcane Research, Indian Council of Agricultural Research, Lucknow, where more than 80 percent of staff have acquired the working knowledge of Hindi, as notified office in pursuance of Sub Rule 4 of Rule 10 of the official Language (use of official purpose of the union) Rule 1976.

[F. No. 13-26/90-Hindi]

HAZARI LAL, Under Secy.

(कृषि एवं सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 1990

का.आ. 2841 :- भारतीय पशुचिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984 (1984 का 52) की धारा 15 की उपधारा (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय पशुचिकित्सा परिषद् के परामर्श से उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में एतद्वारा और संशोधन करती है, अर्थात्:—

क्रम	विश्वविद्यालय या पशुचिकित्सा संस्थान संख्या	मान्यता प्राप्त पशुचिकित्सा अर्हता	पंजीकरण के लिए संक्षिप्त रूप
1	2	3	4
1.	शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू व कश्मीर	पशुचिकित्सा विज्ञान तथा पशुपालन स्नातक	बी. वी. एस. सी. तथा ए.एच.
2.	हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पशुचिकित्सा तथा पशुविज्ञान महा-विद्यालय, पालमपुर (हि.प्र.)	पशुचिकित्सा-विज्ञान-स्नातक	बी. वी. एस. सी.

उक्त अधिनियम के उद्देश्य हेतु यह अर्हता मान्यताप्राप्त पशु चिकित्सा अर्हता होगी, जोकि 12 जनवरी, 1990 या उसके बाद प्रदत्त की गई हो।

[एफ. संख्या 51-6/89-एल.डी.टी. (वी.सी.)]

जनक जुनेजा, उप-सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Deptt. of Agri. & Coop.)

New Delhi, the 12th October, 1990

S.O. 2841.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 15 of the Indian Veterinary Council Act, 1984 (52 of 1984), the Central Government, after consulting Veterinary Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely :

S. No.	University or Veterinary Institution	Recognised Vety. Qualification	Abbreviation for Registration
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Sher-E-Kashmir University of Agricultural Sciences & Technology, Srinagar, Jammu & Kashmir.	Bachelor of Vety. Science and Animal Husbandry.	B.V.Sc. & AH
2.	Himachal Pradesh Krishi Vishvavidyalaya, College of Veterinary & Animal Sciences, Palampur (H.P.)	Bachelor of Vety. Science.	B.V.Sc.

This qualification shall be recognised veterinary qualification for the purposes of the said Act when granted on or after 12 January, 1990

[F. No. 51-6/89-LDT (VO)]

JANAH JUNEJA, Dy. Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक विभाग)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1990

का.आ. 2842:—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि मुख्य पोस्टमास्टर जनरल का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश सर्किल, हैदराबाद अधिसूचित कार्यालय नहीं रह जाएगा जहां काम करने वाले और हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट 80 प्रतिशत से कम हो गया है।

[सं. ई-11025/1/90-रा. भा.]

देवेश चन्द्र, निदेशक

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Posts)

New Delhi, the 22nd October, 1990

S.O. 2842.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby declare that the Office of Chief Postmaster General, Andhra Pradesh Circle, 2853 GI/90—2

Hyderabad shall cease to be a notified office where percentage of the staff working in that office and having a working knowledge of Hindi has gone below from 80 per cent as specified in sub-rule (2).

[No. E-11025/1/90-OL]

DEVESH CHANDRA, Director (OL)

नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1990

का.आ. 2843:—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में, नागर विमानन मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन इंडियन एयरलाइन्स के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. जयपुर स्टेशन
2. भोपाल स्टेशन
3. खजुराहो स्टेशन

[संख्या ई. 11011/6/88-हिन्दी]

एस. गणेशपाण्डेयन, निदेशक

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th September, 1990

S.O. 2843.—In pursuance of Sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (use for the official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of Indian Airlines under the Ministry of Civil Aviation, the staff of which have acquired the working knowledge of Hindi namely :—

1. Jaipur
2. Bhopal
3. Khajuraho

[No. E-11011/6/88-Hindi]

S. GANESAPANDIAN, Director

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1990

सार्वजनिक सूचना

का. आ. 2844.—केंद्रीय सरकार का दिल्ली की मुख्य योजना क्षेत्रीय विकास योजना में निम्नलिखित संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिसे जनता की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित संशोधन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो अथवा सुझाव देना हो तो वह अपनी आपत्ति अथवा सुझाव लिखित रूप में इस सूचना के जारी होने के तीस दिन की अवधि के अंदर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास सदन, "बी" ब्लॉक नई दिल्ली को भेज दें। आपत्ति करने अथवा सुझाव देने वाले व्यक्ति को अपना नाम और पता भी अवश्य देना चाहिए।

संशोधन :

"700 हेक्टेयर" (1729 एकड़) भूमि क्षेत्र, जो रोहिणी योजना के पश्चिम में, भोजपुरा नांगलोई नाले के पार और उत्तर में गांव प्रहलाद पुर बांगर की राजस्व सम्पदाओं, पश्चिम में पंजाली, बेगमपुर और मोहम्मद पुर राजस्व गांवों की राजस्व सम्पदाओं, दक्षिण पश्चिम में गांव निठारी की राजस्व सम्पदाओं, दक्षिण में पुठकला गांव की भोजपुरा भावादी और उत्तर-पूर्व में भोजपुरा नांगलोई नाले से घिरे हुए क्षेत्र के भूमि उपयोग को "ग्रामीण उपयोग" से

- | | |
|--|---------------|
| (क) आवासीय | —395 हेक्टेयर |
| (ख) व्यावसायिक | —35 हेक्टेयर |
| (ग) सार्वजनिक और अर्ध-सार्वजनिक सुविधाएं | —63 हेक्टेयर |
| (घ) मनोरंजनात्मक | —105 हेक्टेयर |
| (ङ) परिवहन | —102 हेक्टेयर |

में परिवर्तित किया जाना प्रस्तावित है।

2. प्रस्तावित संशोधन को दर्शाने वाला नक्शा निरीक्षण के लिए उपर्युक्त अवधि के अंदर सभी कार्य दिवसों में उपनिवेशक (मुख्य योजना) कार्यालय, विकास मीनार, छठी मंजिल, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली के पास उपलब्ध रहेगा।

[संख्या एफ 20(16)/89-एम.पी.]

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 10th November, 1990

PUBLIC NOTICE

S.O. 2844.—The following modification which Central Government proposes to make to the Master Plan/Zonal Development Plan for Delhi, is hereby published for public

information. Any person having any objection/suggestion with respect to the proposed modification may send the objection/suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, INA, 'B' Block, New Delhi within a period of thirty days from the date of issue of this notice. The person making the objection/suggestion should also give his name and address.

MODIFICATION:

"The land use of an area measuring 700 Hect. (1729 Acres), located in the west of Rohini Scheme, across the existing Nangloi drain and bounded by revenue estates of village Prahladpur Bangar in the North, revenue estate of villages Pansali, Begampur and Mohammadpur Mazra in the west, revenue estates of village Nithari in the south-west, existing village abadi Poothkalan in the south and existing Nangloi drain in the north-east is proposed to be changed from 'Rural use' to

- | | |
|-------------------------------------|------------|
| (A) Residential | — 395 Hec. |
| (B) Commercial | — 35 Hec. |
| (C) Public & Semi Public Facilities | — 63 Hec. |
| (D) Recreational | — 105 Hec. |
| (E) Circulation | — 102 Hec. |

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Deputy Director (MP), Vikas Minar, 6th Floor, I. P. Estate, New Delhi on all working days within the period referred above.

[F. 20(16)/89-MP]

का.आ. 2845—केंद्रीय सरकार का दिल्ली की मुख्य योजना क्षेत्रीय विकास योजना (जोन एफ-7) में निम्नलिखित संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिसे जनता की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित संशोधन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति अथवा सुझाव देना हो तो वह अपनी आपत्ति अथवा सुझाव लिखित रूप में इस सूचना के जारी होने से तीस दिन की अवधि के अंदर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास सदन, "बी" ब्लॉक, आई.एन.ए. नई दिल्ली को भेज दें। आपत्ति करने अथवा सुझाव देने वाले व्यक्ति को अपना नाम और पता भी अवश्य देना चाहिए।

संशोधन :—

"जोन एफ-2 (कैलाश क्षेत्र) में विदेश संचार निगम कम्यूनिक्स कालका जी स्थित 1.17 हेक्टेयर और 3.54 हेक्टेयर के दो क्षेत्रों को मिलाकर कुल 4.71 हेक्टेयर क्षेत्र का भूमि उपयोग "सार्वजनिक एवं अर्ध-सार्वजनिक सुविधाओं (ट्रांसमिशन वायरलेस स्टेशन) से "आवास उपयोग" में परिवर्तित किया जाना प्रस्तावित है।"

2. प्रस्तावित संशोधन को दर्शाने वाला नक्शा निरीक्षण के लिए उपर्युक्त अवधि के अंदर सभी कार्य दिवसों में उपनिवेशक (मुख्य योजना) कार्यालय, विकास मीनार, छठी मंजिल, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली के पास उपलब्ध रहेगा।

[एफ. 3(106) 81-एम पी]

रणवीर सिंह, सचिव

S.O. 2845.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan/Zonal Development Plan (Zone F-7) for Delhi, is hereby published for public information. Any person having any objection/suggestion with respect to the proposed modification may sent the objections/suggestions in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, INA, 'B' Block, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person filling the objections/suggestions should also give his name and address.

MODIFICATION:

'The land use of an area, measuring 4.71 ha. in Zone F-2 (Kailash Area), comprising of two within Sanchar Videsh Nigam, Complex, Kalkaji measuring 1.17 HA & 3.54 HA, is proposed to be changed from 'Public and Semi Public Facilities 'Transmission Wireless Station) to' 'Residential Use'.'

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of Deputy Director (Master Plan), Vikas Minar, 6th Floor, I.P. Estate, New Delhi on all working days within the period referred above.

[F. 3(106)]81-MP]

RANBIR SINGH, Secy.

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1990

का.भा. 2846.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में झटिडा (दाया राजस्थान व हरियाणा राज्य) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पार्श्व लाईन इण्डियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पार्श्व लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्रजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवन्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पार्श्व लाईन बिछाने के लिए आशेष सक्षम अधिकारी, इण्डियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड पार्श्व लाईन्स, बंगला नं. 66, सैक्टर नं. 4, गोधी घास, कछ-370201 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर करा सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किने त्रिभि वरानायो को मारित।

ग्रामिका : पाटन	जिला : मेहसाना	राज्य : गुजरात			
गांव का नाम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल	हेक्टेयर	आर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	
वामैया	188	0	09	74	
	189	0	13	44	
	190	0	28	55	
	193	0	04	37	
	195	0	06	38	
	202	0	18	81	
	209	0	10	75	
	210	0	13	43	
	225	0	14	78	
	224	0	28	21	
	233	0	08	06	
	234	0	09	40	
	236	0	16	12	
	288	0	09	07	
	287	0	07	73	
	286	0	16	12	
	283	0	12	76	
	282	0	13	44	
	281	0	14	11	
	280	0	16	79	
	277	0	07	39	
	311	0	00	67	
	312	0	14	78	
	313	0	06	72	
वामैया	316	0	17	47	
	315	0	10	75	
	347	0	20	15	
	346	0	25	53	
	343	0	03	36	
	362	0	17	47	
	360	0	21	49	
	364	0	01	34	
	422	0	10	08	
	421	0	14	78	
	417	0	15	45	
	416	0	21	50	
	465	0	08	40	
	463	0	04	70	
	464	0	21	15	
	467	0	01	01	
	468	0	24	52	
	632	0	03	36	
	633	0	13	43	
	634	0	22	84	
	650	0	09	40	
	649	0	12	09	
	652	0	17	47	
	646	0	16	12	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
शमिया—जारी	647	0	07	39	अषार—जारी	305	0	01	72
	670	0	07	39		266	0	18	55
	655	0	18	81		267	0	10	65
	656	0	15	45		268	0	01	72
	657	0	06	72		269	0	07	56
	935	0	04	70		270	0	07	56
	936	0	03	36		227/1	0	45	35
	937	0	14	11		227	0	24	73
	934	0	11	75		192	0	22	67
	933	0	03	02		191	0	01	72
	932	0	07	39		189	0	23	08
	931	0	08	73		116	0	20	61
	927	0	15	45		120	0	20	61
	911	0	30	23		122	0	16	49
	906	0	25	53		125	0	24	74
	898	0	14	78		125/5	0	16	49
	895	0	14	11		368	0	18	78
	888	0	24	85		126	0	32	29
	885	0	12	77		44	0	10	99
	872	0	13	43		42	0	16	15
	873	0	16	12		43	0	01	72
	874	0	15	45		41	0	14	43
	869	0	04	37		40	0	18	55
	868	0	17	80		38	0	25	42
						37	0	10	99
कोटावड	14	0	12	44		49	0	17	86
	11	0	10	02		1489	0	10	99
						1488	0	13	74
गुलबासणा	29	0	09	17		1487	0	14	43
	30	0	15	72		1486	0	00	69
	28	0	11	79		1462	0	30	57
	27	0	12	44		1461	0	02	40
	23	0	24	89		1463	0	35	04
	22	0	40	61		1464	0	06	87
	51	0	16	38		1466	0	37	79
	59	0	01	64					
	58	0	13	10	समालपाटी	577	0	01	38
	57	0	14	41		556	0	16	24
	93	0	26	20		555	0	02	42
	94	0	27	51		547	0	11	75
	99	0	11	14		546	0	18	32
	100	0	20	96		548	0	01	48
	84/1	0	13	10		545	0	03	80
	84	0	17	36		536	0	03	80
	82	0	00	33		535	0	06	22
						534	0	27	65
मघार	377	0	01	37		525	0	13	13
	367	0	12	37		526	0	23	88
	365	0	17	18		512	0	00	35
	311	0	09	27		511	0	15	21
	310	0	09	27		510	0	00	69
	314	0	30	92		504	0	17	29
	308	0	05	15					
	315	0	05	15					
	306	0	19	58					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
समाप्तपाटी—जारी	507	0	09	68					
	505	0	00	69		280	0	31	56
	506	0	20	73		281	0	39	45
	481	0	14	52	कांसा	988	0	06	25
	482	0	18	66		978	0	18	07
						980	0	11	81
सुणरीपुर	288	0	24	34		982	0	12	51
	341	0	02	09		983	0	19	45
	340	0	53	54					
	336	0	13	91	बलीपुर	1 और 2	3	96	83
	337	0	12	52					
	365	0	14	60	मोडवा	188	0	49	44
	326	0	00	69		189/1	0	04	53
	249	0	13	91		189	0	18	37
	248	0	15	99		178	0	00	35
	247	0	12	52		207	0	18	45
	250	0	01	04		209	0	25	77
	241	0	23	99		210	0	43	18
	187	0	19	47		211	0	00	70
	186	0	02	78		219	0	00	70
	242	0	02	78					
	190	0	04	17	मोडवा	218	0	26	46
	185	0	20	86		222	0	29	25
	183	0	06	26		225	0	06	27
	193	0	07	65		224/5	0	06	27
	181	0	32	33		224/4	0	06	27
	159	0	38	94		230	0	18	11
	98	0	12	52		234	0	06	96
	160	0	26	42		238	0	36	21
	161	0	05	21		237	0	27	16
	162	0	03	48		225	0	06	96
	154	0	19	12		256	0	06	96
	153	0	12	52		256/1	0	10	45
	163	0	06	95		254	0	11	49
						257	0	03	83
						258	0	10	44
नवावादा हाजी	35	0	33	31		259	0	24	72
	37	0	09	64		251/9	0	00	35
	31	0	26	30		283	0	00	35
	30	0	21	04		282	0	24	03
	29	0	17	53		288	0	07	66
	331	0	22	79		289	0	16	71
	398	0	24	54		280	0	13	93
	305	0	29	80		292	0	00	35
	303	0	27	18		291	0	12	54
	279	0	17	53		293	0	00	35

1	2	3	4	5
मोठवा—जारी	298	0	22	98
	297/3	0	99	75
	297/2	0	08	36
	316	0	14	62
	317	0	29	95
बारेशा	167	0	15	39
	166	0	17	49
	160	0	03	85
	149	0	08	40
	150	0	05	60
	151	0	25	89
	152	0	15	39
	153	0	25	89
	154	0	01	05
	137	0	01	05
	136	0	20	29
	130	0	23	09
	129	0	60	17
	117	0	25	54
	116	0	19	24
	102	0	48	97
	99	0	20	99
जानपुरवा	198	0	48	48
	197	0	14	89
	196	0	01	04
	195	0	18	01
	194	0	11	43
	183	0	07	97
	192	0	06	23
	193	0	22	16
	217	0	31	86
	218	0	21	47
	261	0	17	66
	262	0	17	66
	260	0	09	70
	298	0	36	02
	299	0	36	02
	300	0	10	39
	330	0	14	55
	325	0	13	16
	326	0	13	16
	350	0	21	47
	349	0	32	55
	376	0	12	47
	347	0	12	47
	346	0	59	57
	391/27	0	27	40
	391/26	0	15	47
	385	0	47	10
	386	0	21	47
	337	0	04	15

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 8th October, 1990

S.O. 2846.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab (Via Rajasthan & Haryana States), a pipeline should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1952) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Bungalow No. 66, Sector No. 4, Gandhidham, Kutch-370201.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal Practitioner.

Name of Village	Survey No.	Area		
		H.	A.	Sq. Mtr.
1	2	3	4	5
Vamaiya	188	0	09	74
	189	0	13	44
	190	0	28	55
	193	0	84	37
	195	0	06	38
	202	0	10	81
	209	0	10	75
	210	0	13	43
	225	0	14	78
	224	0	28	21
	233	0	08	06
	234	0	09	40
	236	0	16	12
	288	0	09	07
	287	0	07	73
	206	0	16	12
	283	0	12	76
	282	0	13	4
	281	0	14	11
	280	0	16	79
	277	0	07	39
	311	0	00	67
	312	0	14	78
	313	0	06	72
	316	0	17	47
	313	0	10	73
	347	0	20	15
	346	0	25	53

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Valpurs (Cont ¹ .)	343	0	03	36	Aghar	377	0	01	37
	362	0	17	47		367	0	12	37
	360	0	21	69		363	0	17	18
	364	0	81	34		311	0	09	27
	422	0	10	08		310	0	09	27
	421	0	14	78		314	0	30	92
	417	0	13	45		300	0	05	15
	416	0	21	50		315	0	05	15
	465	0	08	40		306	0	19	50
	463	0	04	70		305	0	01	72
	464	0	21	15		286	0	18	55
	467	0	01	01		267	0	10	65
	468	0	24	52		268	0	01	72
	632	0	03	36		269	0	07	56
	633	0	13	43		270	0	07	65
	634	0	22	84		227/1	0	45	35
	650	0	09	40		227	0	24	73
	649	0	12	09		192	0	22	67
	652	0	17	47		191	0	01	72
	646	0	16	12		189	0	25	08
	647	0	07	39		116	0	20	61
	670	0	07	39		120	0	20	61
	655	0	18	81		122	0	16	49
	656	0	15	45		125	0	24	74
	657	0	06	72		125/9	0	16	49
	935	0	04	70		260	0	18	78
	936	0	03	36		126	0	32	29
	937	0	14	11		44	0	10	99
	934	0	11	75		42	0	16	15
	933	0	03	02		43	0	01	72
	932	0	07	39		41	0	14	43
	931	0	08	73		40	0	18	55
	925	0	15	45		38	0	25	42
	911	0	30	23		37	0	10	99
	906	0	25	53		49	0	17	86
	898	0	14	78		1489	0	10	99
	895	0	14	11		1488	0	13	74
	888	0	24	65		1487	0	14	43
	885	0	12	77		1486	0	00	69
	872	0	13	43		1462	0	30	57
	873	0	16	12		1461	0	02	40
	874	0	15	45		1463	0	33	04
	869	0	04	37		1464	0	06	87
	868	0	17	80		1466	0	37	79
Kotavad	14	0	12	44	Samalpati	577	0	01	38
	11	0	10	02		556	0	16	24
Gulvasana	29	0	09	17		555	0	02	42
	30	0	15	72		547	0	11	73
	28	0	11	79		546	0	18	37
	27	0	12	44		548	0	01	88
	23	0	24	89		545	0	03	80
	22	0	40	61		536	0	03	80
	51	0	16	38		535	0	06	22
	59	0	01	64		534	0	27	65
	58	0	13	10		525	0	13	13
	57	0	14	41		526	0	23	85
	93	0	26	20		512	0	00	35
	94	0	27	51		511	0	15	21
	99	0	11	14		510	0	00	69
	100	0	20	96		504	0	17	28
	84/1	0	13	10		507	0	09	68
	84	0	17	36		505	0	00	69
	82	0	00	33		506	0	20	73

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Samalpatl (Cont.)	481	0	14	52					
	482	0	18	66	Odihava (Contd.)	234	0	06	96
						238	0	36	21
Sufanipur	288	0	24	34		237	0	27	16
	341	0	02	09		253	0	06	96
	340	0	53	54		256	0	06	96
	336	0	13	91		256/1	0	10	45
	337	0	12	52		254	0	11	49
	365	0	14	60		257	0	03	53
	326	0	00	69		258	0	10	44
	249	0	13	91		259	0	24	72
						261/9	0	00	35
	248	0	15	99		283	0	00	35
	247	0	12	52		282	0	24	03
	250	0	01	04		288	0	07	66
	241	0	23	99		289	0	16	71
	187	0	19	47		280	0	13	93
	186	0	02	78		292	0	00	35
	242	0	02	78		291	0	12	64
	190	0	04	17		293	0	00	35
	185	0	20	86		298	0	22	98
	183	0	06	26		297/3	0	09	75
	193	0	07	65		297/2	0	08	36
	181	0	32	33		216	0	14	62
	159	0	38	94		317	0	29	95
	98	0	12	52	Vareda	167	0	15	39
	160	0	26	42		166	0	17	49
	161	0	05	21		168	0	03	85
	162	0	03	48		149	0	06	40
	154	0	19	12		150	0	05	60
	153	0	12	52		151	0	25	89
	163	0	06	93		152	0	15	39
Nava Bavahaji	35	0	33	31		153	0	25	89
	37	0	09	64		154	0	01	05
	31	0	26	30		137	0	01	08
						136	0	20	29
	30	0	21	04		130	0	23	09
	29	0	17	53		129	0	60	17
	311	0	22	79		117	0	25	54
	308	0	24	54		116	0	19	24
	305	0	29	80		102	0	48	97
	303	0	27	18		99	0	20	99
	279	0	17	53					
	280	0	31	56					
	281	0	39	45	Khampurda	198	0	48	48
Kansa	988	0	06	25		197	0	14	89
	978	0	18	07		196	0	01	04
	980	0	11	81		195	0	18	01
	982	0	12	51		194	0	11	43
	983	0	19	45		183	0	07	97
Khalipur	1 and 2	3	96	83		192	0	06	23
Odihava	188	0	49	44		193	0	22	16
	189/1	0	04	53		217	0	31	86
	189	0	16	37		218	0	21	47
	178	0	00	35		261	0	17	66
	207	0	18	45		262	0	17	66
	209	0	25	77		260	0	09	70
	210	0	43	18		298	0	36	02
	211	0	00	70		299	0	38	02
	219	0	00	70		300	0	10	39
						330	0	14	55
	218	0	26	46		325	0	13	16
	222	0	29	25		326	0	13	16
	225	0	06	27		350	0	21	47
	224/5	0	06	27		349	0	32	55
	224/4	0	06	27		376	0	12	47
	230	0	10	11		347	0	12	47

1	2	3	4	5
Khampurda (Contd.)	346	0	59	57
	391/27	0	28	40
	391/26	0	12	47
	385	0	47	10
	386	0	21	47
	387	0	04	15

[No. O-31015/8/89-OR I]

का.आ. 2847--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में भटिंडा (वाया राजस्थान व हरियाणा राज्य) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाईन इण्डियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उक्त भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, इण्डियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड पाईप लाईन्स, बंगला नं. 66, सेक्टर नं. 4, गांधी धाम, कच्छ-370201 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्ति हो या किसी विधि व्यवसायी की मति।

तालुका : कंकराज राज्य : बना सकानाथ राज्य : गुजरात

गांव का नाम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल
		हेक्टेयर आर. वर्ग मीटर

1	2	3	4	5
सोहनपुरा	29	0	50	97
	30	0	14	16
	25	0	26	35
	26	0	01	06
	24	0	04	69
	20/1	0	23	00
	20/2	0	00	35
	19	0	17	34
	18	0	01	06
	17	0	22	65
	16	0	23	36
	15	0	15	58
	14	0	15	53
	11	0	21	24

1	2	3	4	5
सोहनपुरा	10	0	07	08
	8	0	25	49
	7	0	19	11
सुद्रोसण	136	0	14	35
	135	0	19	64
	133	0	08	31
	110	0	03	78
	105	0	30	22
	103	0	35	51
सुद्रोसण	102	0	21	91
	13	0	21	16
	59	0	13	60
	14	0	18	89
	15	0	23	42
	18	0	12	84
	19	0	12	84
	16	0	07	55
	20	8	12	84
	21	0	18	89
	33	0	03	02
भन्नेवाडी	164	0	06	93
	165	0	65	41
वानपुरा	265	0	71	06
	268	0	22	29
	269	0	09	75
	270	0	18	11
	271	0	16	03
	272	0	00	70
	273	0	29	26
	276	0	00	70
	275	0	55	73
	282	0	26	47
	280	0	13	93
	284	0	10	45
	285	0	31	35
	293	0	15	33
	292	0	19	51
	291	0	40	41
	15	0	20	90
	27	0	19	51
	26	0	43	19
	24	0	26	47
	19	0	06	97
	23	0	22	29
	20	0	06	97
	21	0	12	54
	52	0	01	39
	51	0	30	65
	50	0	19	51
	49	0	44	58
	38	0	00	70
	48	0	00	70
	81	0	20	90

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
માલપુરા	155	0	44	91	Sehanpurs (Contd.)	26	0	01	06
	154	0	58	84		24	0	34	69
	153	0	37	16		20/1	0	23	00
	218	0	35	62		20/2	0	00	35
	222	0	18	58		19	0	17	34
	223	0	07	74		18	0	01	06
	216	0	10	85		17	0	22	65
	226	0	06	19		16	0	23	36
	228	0	34	07		15	0	15	58
	230	0	24	78		14	0	15	58
	232	0	24	78		11	0	21	24
	231	0	34	07		10	0	07	08
	238	0	57	29		8	0	25	49
	239	0	21	68	Sudrosan	7	0	19	11
	241	0	30	97		136	0	11	35
	242	0	43	36		135	0	19	64
						133	0	08	31
						110	0	03	78
						105	0	30	22
						103	0	35	51
						102	0	21	91
						13	0	21	16
						59	0	13	60
						14	0	18	89
						15	0	23	42
						18	0	12	84
						19	0	12	84
						16	0	07	55
						20	0	12	84
						21	0	18	89
						33	0	03	02
					Bhadrevadi	164	0	06	93
						165	0	65	41
					Valpura	265	0	71	06
						268	0	22	29
						269	0	09	75
						270	0	18	11
						271	0	16	03
						272	0	00	70
						273	0	29	26
						276	0	00	70
						275	0	55	73
						282	0	26	47
						280	0	13	93
						284	0	10	45
						285	0	31	35
						293	0	15	33
						292	0	19	51
						291	0	40	41
						15	0	20	90
						27	0	19	51
						26	0	43	19
						24	0	26	47
						19	0	06	97
						23	0	22	29
						20	0	06	97
						21	0	12	54
						52	0	01	39
						51	0	30	65
						50	0	19	51
						49	0	44	58
						38	0	00	70
						48	0	00	70
						81	0	20	90

[સ. નો.-31015/8/89નો પ્રાર-I]

S.O. 2874.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab (Via Rajasthan & Haryana States), a pipeline should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1952) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Bungalow No. 66, Sector No. 4, Gandhidham, Kuchch-370201.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal Practitioner.

SCHEDULE

Taluka : Kankaraj District : Banaskantha State : Gujarat				
Name of Village	Survey No.	Area		
		H.	A.	Sq. Mtrs.
1	2	3	4	5
Sohanpura	29	0	50	97
	30	0	14	16
	25	0	26	35

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Manpura	155	0	44	91		592	05	19	08
	154	0	58	84		593/1	00	17	10
	153	0	37	16		601	00	39	78
	218	0	35	62		602	00	16	20
	222	0	18	58		623	00	23	76
	223	0	07	74		621	05	04	77
	216	0	10	84		624	00	28	44
	226	0	06	19	केडवा	159/1	00	22	14
	228	0	34	07		158/1	00	12	06
	230	0	24	78		153/1	00	12	06
	232	0	24	78		152/3	00	05	04
	231	0	34	07		152/1	00	24	12
	238	0	57	29		150/1	00	00	99
	239	0	21	68		146/1	00	09	00
	241	0	30	97		147	00	36	18
	242	0	43	36		122/5	03	14	04
						122/4	00	16	02
						122/1	00	00	45
						121	05	43	28
						120	00	30	42
						116/1	00	30	16
						101	00	30	24
						102	00	46	25
						100/2	00	10	00
						98	00	26	10
						91	00	40	32
						80	00	46	26
						79	00	03	10
						76	00	21	06
						75	00	16	02
						74/1	00	40	32
						74/2	00	16	62
						437	00	03	78
						436	00	38	16
						435	00	32	40
						432	00	01	44
						433	00	13	50
						430	00	39	96
						429/3	00	02	43
						354	00	21	66
						358/1	00	23	03
						358/2	00	53	7
						360/1	00	13	50
						360/2	00	14	40
						363/1	00	14	98
						334/1	00	21	24
						345/1	00	15	30
						344	00	34	38
						341	00	42	12
						187	00	15	30
						185	00	14	22
						184	00	30	60
						183	00	15	44
						160/1	00	35	28
						161	00	19	98

[No. Q-31015/8/89-OR-I]

का.प्र. 2843.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांठला में पंजाब राज्य में भटिंडा (बाया राजस्थान व हरियाणा राज्य) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाईन इण्डियन प्रायल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदवधारित भूमि में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्तनशक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्षों कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, इण्डियन प्रायल कारपोरेशन लिमिटेड पाईप लाईन्स, बंगला नं. 66, सेक्टर नं. 4, गांधी धाम को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

रापर	जिला : कच्छ	राज्य : गुजरात
गांव का नाम	मूल्यांकन नम्बर	क्षेत्रफल
		हेक्टेयर एयर वर्ग मीटर
1	2	3 4 5
खिलोड़	541	00 20 88
	543	00 10 44
	544	00 18 00
	546/1	00 27 54
	589/1	00 20 88
	590	00 10 44
	591	00 35 10

सई

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	162	00	23	04	छोटापुर	86	00	26	48
	178	00	02	43		85/1	00	13	32
	163	00	07	20		85/2	00	03	78
	164	00	57	24	बेकरा	63	00	13	50
	122	00	16	20		105	00	30	78
	119/1	00	13	50		98/2	00	25	20
	118	00	27	72		98/1	00	00	90
	112	00	07	74		95/1	00	25	20
	115/2	00	17	28		95/2	00	07	74
	113	00	21	24		94	00	18	00
	571	00	01	44		85	00	37	80
किश्तिया नगर	569/2	00	14	22		89	00	30	78
	569/1	00	13	23	भीमा सर	960/1	00	42	66
	568	00	07	56		960/2	00	18	54
	591/1	00	22	68		955	00	46	44
	591/6	00	21	78		919/1	00	43	56
	591/5	00	01	44		894/2	00	07	38
	590/3	00	06	66		893	00	37	08
	589/2	00	22	68		890/2	00	13	86
	589/1	00	04	68		890/1	00	12	96
	585	00	39	69		888/2	00	13	86
	584/1	00	00	90		888/4	00	00	90
	584/3	00	01	44		887/1	00	11	16
	584/4	00	07	65		887/2	00	18	54
	684	00	20	88		882/3	00	20	34
	683/2	00	18	90		881/1	00	09	36
	683/1	00	01	44		881/1/2	00	12	96
	686	00	04	72		880	00	29	70
	687	00	04	73		878/1	00	16	74
	689	00	30	24		878/2	00	27	90
	694/3	00	01	80		872/1	00	12	06
	690/1	00	13	23		872/2	00	08	37
	690/2	00	07	56		872/3	00	27	90
	690/3	00	10	44		872/4	00	13	86
	675/1	00	11	34		871/1	00	15	84
	674	00	39	60		871/2	00	03	69
	672/1	00	13	32		871/3	00	03	69
	813	00	00	90		871/4	00	03	69
	947/1	00	00	90		870	00	29	70
	971/1	00	22	68		869	00	37	08
	987	00	12	24		866/3	00	22	50
	992/4	00	20	70		865	00	18	54
	1228/3	00	16	02		864/3	00	20	08
	1229/1	00	14	22		863/1	00	01	35
	1228/1	00	00	90		863/3	00	01	35
	1228/2	00	26	46		863/4	00	08	28
	1222	00	16	02		862/4	00	11	16
	1223/1	00	10	44		862/1	00	11	16
	1223/2	00	00	90		2186/2	00	19	44
बावल पर	11	00	00	676		2187	00	42	66
	30	00	08	46		2188/2	00	09	36
	26	00	12	24		2188/1	00	16	02
छोटापुर	93	00	13	32		2185/2	00	37	08
	89	00	14	22		2185/1	00	05	58

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बीमा सर	2183/1	00	12	06	बीमा सर	2068/5	00	11	10
	2179/3	00	09	36		2067/1	00	00	45
	2189/2	00	01	35		2065/0	00	04	68
	2174/2	00	13	86		2165/5	00	04	68
	2174/1	00	04	68		2065/4	00	00	45
	2173/1	00	14	94		2066	00	06	48
	2172/4	00	07	38	लब्धगृह	147	00	44	64
	2169	00	04	14		146	00	03	60
	2170/3	00	01	80		135	00	11	16
	2170/1	00	01	80		134	00	24	12
	2161/1	00	07	38		133/1	00	29	70
	2158/3	00	01	80		132	00	16	74
	2154/1	00	01	80		163/2	00	03	78
	2155/2	00	12	06		163/3	00	16	74
	2156/1	00	03	60		162	00	14	94
	2156/2	00	05	58		161/2	00	24	12
	2140/1	00	18	54		165/3	00	14	94
	2142/1	00	05	13		165/1	00	27	90
	2142/3	00	04	77		171	00	48	42
	2142/2	00	09	36		180/1	00	69	12
	2136/3	00	05	58		180/2	00	14	94
	2136/1	00	10	26		66/1	00	29	70
	2132/2	00	11	16		67	00	03	78
	2133/1	00	09	36		73	00	27	90
	2124	00	22	14		71	00	07	47
	2123/1	00	00	90		61/3	00	11	16
	2093/2	00	01	80		72	00	11	16
	2093/1	00	09	36		61/4	00	17	64
	2094	00	11	16		54	00	14	94
	2095/1	00	04	68		55	00	27	90
	2095/2	00	04	68		43	00	07	38
	2097/2	00	10	26		28/2	00	14	04
	2097/1	00	04	68		25	00	27	90
	2098/2	00	06	48	भावेसर	596/1	00	24	30
	2085/3	00	00	90		553/	00	63	54
	2084	00	12	66		582	00	17	64
	2083/1	00	14	76		581	00	37	26
	2081/8	00	05	58		570	00	09	36
	2081/7	00	04	68		571	00	09	36
	2081/6	00	05	58		567	00	14	04
	2081/5	00	04	68		572	00	29	88
	2081/3	00	03	34		573	00	10	26
	2081/4	00	03	69		480	00	41	04
	2080/6	00	02	79		481	00	33	66
	2080/3	00	02	79		482/1	00	22	32
	2080/4	00	02	79		483/1	00	11	16
	2085/5	00	02	79		483/2	00	09	36
	2078/1	00	14	76		487	00	29	88
	2077/5	00	12	96		486/1	00	14	94
	2074/4	00	18	54		464	00	41	94
	2073/4	00	16	74		463/1	00	37	26
	2069/4	00	16	74		469	00	18	72
	2069/5	00	02	70	नामित सर	94	00	07	56
	2069/3	00	20	34		98/2	00	04	14
	2070/1	00	00	45					
	2068/4	00	11	16					

1	2	3	4	5	1	2	3	4
	87	00	28	26	Dedra	159/1	00	22 14
	80	00	07	55		158/1	00	12 06
	60	00	49	14		153/1	00	12 06
	64	00	32	04		152/3	00	05 04
	55	00	41	58		152/1	00	24 12
						150/1	00	00 99
						146/1	00	09 00
						147	00	36 18
						122/5	00	14 04
						122/4	00	16 02

[स. प्रो-31015/8/89-प्रो प्रार-I]

S.O. 2848.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab (Via Rajasthan & Haryana States), a pipeline should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1952) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Bungalow No. 66, Sector No. 4, Gandhidham, Kachchh-370201.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal Practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Rapar District : Kachchh State : Gujarat				
Name of Village	Survey No.	Area		
		H.	A.	Sq. Mtrs.
1	2	3	4	5
Chitrod	541	00	20	88
	543	00	10	44
	544	00	18	00
	546/1	00	27	54
	589/1	00	20	88
	590	00	10	44
	591	00	35	10
	592	00	19	08
	593/1	00	17	10
	601	00	39	78
	602	00	16	20
	623	00	23	76
	621	00	04	77
	624	00	28	44

Dedra	159/1	00	22	14
	158/1	00	12	06
	153/1	00	12	06
	152/3	00	05	04
	152/1	00	24	12
	150/1	00	00	99
	146/1	00	09	00
	147	00	36	18
	122/5	00	14	04
	122/4	00	16	02
Dedra	122/1	00	00	45
	121	00	43	20
	120	00	30	42
	119/1	00	38	16
	101	00	30	24
	102	00	46	26
	100/2	00	10	08
	98	00	26	10
	81	00	40	32
	80	00	46	26
	79	00	08	10
	76	00	21	06
	75	00	16	02
	74/1	00	40	32
	74/2	00	16	02
Sai	437	00	03	78
	436	00	38	16
	435	00	32	40
	432	00	01	44
	433	00	13	50
	430	00	39	96
	429/3	00	02	43
	354	00	21	96
	358/1	00	23	04
	358/2	00	03	78
	360/1	00	13	50
	360/2	00	14	40
	363/1	00	19	98
	364/1	00	21	24
	345/1	00	15	30
	344	00	34	38
	341	00	42	12
	187	00	15	30
	185	00	14	22
	184	00	30	60
	183	00	10	44
	160/1	00	35	28
	161	00	19	98
	162	00	23	04
	178	00	02	43
	163	00	07	20
	164	00	57	24
	122	00	16	20
	119/1	00	13	50
	118	00	27	72
	112	00	07	74
	115/2	00	17	28
	113	00	21	24
Kidiyanagar	571	00	01	44
	569/2	00	14	22
	569/1	00	13	23
	568	00	07	56
	591/1	00	22	68
	591/6	00	21	78
	591/5	00	01	44

1	2	3	4	5	1	2	3	4
Kidiyanagar	590/3	00	06	66	Bhimagar	882/3	00	20 34
	589/2	00	22	68		881/1	00	09 36
	589/1	00	04	68		881/2	00	12 96
	585	00	39	69		880	00	29 70
	584/1	00	00	90		878/1	00	16 74
	584/3	00	01	44		878/2	00	27 90
	584/4	00	07	65		872/1	00	12 06
	684	00	20	88		872/2	00	08 37
	683/2	00	18	90				
	683/1	00	01	44		872/3	00	27 90
	686	00	04	72		872/4	00	13 86
	687	00	04	73		871/1	00	15 84
	689	00	30	24		871/2	00	03 69
	694/3	00	01	80		871/3	00	03 69
	690/1	00	13	23		871/4	00	03 69
	690/2	00	07	56		870	00	29 70
	690/3	00	10	44		869	00	37 08
	675/1	00	11	34		866/3	00	22 50
	674	0	39	60		865	00	18 54
						864/3	00	28 08
	672/1	00	13	32		863/1	00	01 35
	813	00	00	90		863/3	00	01 35
	947/1	00	00	90		863/4	00	08 28
	971/1	00	22	68		862/4	00	11 16
	987	00	12	24		862/1	00	11 16
	992/4	00	20	70		2185/2	00	19 44
	1229/3	00	16	02		2187	00	42 66
	1229/1	00	14	72		2188/2	00	09 36
	1228/2	00	00	90		2188/1	00	16 02
	1228/1	00	26	46		2185/2	00	37 08
	1222	00	16	02		2185/1	00	05 58
	1223/1	00	10	44		2183/1	00	12 06
	1223/2	00	00	90		2179/3	00	09 36
						2189/2	00	01 35
Badalpar	11	00	00	67.5		2174/2	00	13 86
	30	00	08	46		2174/1	00	04 68
	26	00	12	24		2173/1	00	14 94
Chhotapar	93	00	13	32		2172/4	00	07 38
	89	00	14	22		2169	00	04 14
	86	00	26	46		2170/3	00	01 80
	85/1	00	13	32		2170/1	00	01 80
	85/2	00	03	78		2161/1	00	07 38
						2158/3	00	01 80
Vakra	63	00	13	50		2154/1	00	01 80
	105	00	30	78		2155/2	00	12 06
	98/2	00	25	20		2156/1	00	03 60
	98/1	00	00	90		2156/2	00	05 58
						2140/1	00	18 54
	95/1	00	25	20		2142/1	00	05 13
	95/2	00	07	74		2142/3	00	04 77
	94	00	18	00		2142/2	00	09 36
	85	00	37	80		2136/3	00	05 58
	89	00	30	78		2136/1	00	10 26
						2132/2	00	11 16
Bhimasar	960/1	00	42	66		2133/1	00	09 36
	960/2	00	18	54		2124	00	22 14
	955	00	46	44		2123/1	00	00 90
	919/1	00	43	56		2093/2	00	01 80
	894/2	00	07	38		2093/1	00	09 36
	893	00	37	08		2094	00	11 16
	890/2	00	13	86		2095/1	00	04 68
	890/1	00	12	96		2095/2	00	04 68
	888/2	00	13	86		2097/2	00	10 26
	888/4	00	00	90		2097/1	00	04 68
	887/1	00	11	16		2098/2	00	06 48
	887/2	00	18	54		2085/3	00	00 90

1	2	3	4	5
Bhimasar	2084	00	12	96
	2083/1	00	14	76
	2081/8	00	05	58
	2081/7	00	04	68
	2081/6	00	05	58
	2081/5	00	04	68
	2081/3	00	02	34
	2081/4	00	03	69
	2080/6	00	02	79
	2080/3	00	02	79
	2080/4	00	02	79
	2080/5	00	02	79
	2078/1	00	14	76
	2077/5	00	12	96
	2074/4	00	18	54
	2073/4	00	16	74
	2069/4	00	16	74
	2069/5	00	02	70
	2069/3	00	20	34
	2070/1	00	00	45
	2068/4	00	11	16
	2068/5	00	11	16
	2067/1	00	00	45
	2065/6	00	04	68
	2065/5	00	04	68
	2065/4	00	00	45
	2066	00	06	48
Lakhagadh	147	00	44	64
	146	00	03	60
	135	00	11	16
	134	00	24	12
	133/1	00	29	70
	132	00	16	74
	163/2	00	03	78
	163/3	00	16	74
	162	00	14	94
	161/2	00	24	12
	165/3	00	14	94
	165/1	00	27	90
	171	00	48	42
	180/1	00	69	12
	180/2	00	14	94
	66/1	00	29	70
	67	00	03	78
	73	00	27	90
	71	00	07	47
	61/4	00	11	16
	72	00	11	16
	61/3	00	17	64
	54	00	14	94
	55	00	27	90
	43	00	07	38
	26/2	00	14	04
	25	00	27	90
Adesar	596/1	00	24	30
	553/1	00	63	54
	582	00	17	64
	581	00	37	26
	570	00	09	36
	571	00	09	36
	567	00	14	04
	572	00	29	88
	573	00	10	26
	480	00	41	04

1	2	3	4	5
Adesar	481	00	33	66
	482/1	00	22	32
	483/1	00	11	16
	483/2	00	09	36
	487	00	29	88
	486/1	00	14	94
	464	00	41	94
	463/1	00	37	26
	469	00	18	72
Bambhansar	94	00	07	56
	88/2	00	04	14
	87	00	28	26
	86	00	07	56
	60	00	49	14
	64	00	32	04
	55	00	41	58

[No. O-31015/8/89-ORI]

का. भा. 2849.---यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांठला से पंजाब राज्य में भटिंडा (बाया राजस्थान व हरियाणा राज्य) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाईन इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अतुल्य में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

यणतः कि उक्त भूमि में निम्नलिखित कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए प्राथमिक अथवा अधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड पाईप लाईन, बंगला नं. 66, सेक्टर नं. 4, गांधी धाम कलकत्ता 370201 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा प्राथमिक करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मति।

तहसील संथलपुर	जिला बनास का नाथा	राज्य गुजरात		
गांव का नाम	मर्बे नं.	क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर आर वर्गमीटर		
1.	2.	3.	4.	5.
पोपराणा	816	00	13	68
	817	00	29	34
	876	00	46	98
	856	00	25	38
	862	00	13	68
	861	00	16	66

1	2	3	4	5—	1.	2.	3.	4.	5.
पीपरागा	865	00	01	93	साँतलपूर	785	00	09	00
	861	00	12	69		786	00	16	20
	888	00	23	40		788	00	18	00
	890	00	03	96		789	00	18	00
	901	00	23	40		148	00	12	60
	904	00	10	80		149	00	14	40
	903	00	21	60		150	00	23	40
	907	00	39	24		151	00	24	30
	908	00	23	40		152	00	30	60
	910	00	46	98		153	00	14	40
	918	00	43	02		180	00	32	40
	923	00	56	70		198	00	18	00
	924	00	23	40		197	00	09	00
रोजू गरीबडी	213	00	26	82		206	00	01	35
	440	00	08	10		196	00	16	20
	437	00	64	62		194	00	01	80
	436	00	18	72		207	00	25	20
	445	00	09	36		193	00	27	00
	446	00	21	60		192	00	21	60
गराबडी	433	00	46	72		191	00	03	60
	432	00	18	72		190	00	38	70
	411	00	14	04		189	00	28	80
	412	00	43	38		839	00	21	06
	413	00	30	42		841	00	19	08
	414	00	42	12		852	00	22	86
	406	00	04	68		842	00	01	44
	407	00	04	05		843	00	01	44
	377	00	32	76		844	00	28	80
	378	00	24	66		845	00	21	06
	379	00	24	66		824	00	42	30
	380	00	09	90		812	00	15	30
	371	00	20	52		813/1	00	63	18
	369	00	08	82		814	00	17	10
	512	00	37	44		794	00	24	84
	361	00	52	74		793	00	15	30
	351	00	46	80		792	00	13	32
	352	00	07	02		791	00	17	10
	353	00	41	04		646	00	15	30
साँतलपूर	667	00	22	50		617	00	67	14
	666	00	22	50		648	00	32	40
	662	00	36	00		649	00	34	38
	651	00	27	90		656	00	17	10
	650	00	04	50		657	00	32	40
	613	00	22	56		659	00	01	89
	633	00	21	60		658	00	32	40
	631	00	56	70		663	00	34	38
	627	00	41	40		664	00	11	10
	626	00	30	60		668	00	11	52
	751	00	15	20		667	00	09	54
	755	00	19	80		677	00	12	42
	756	00	05	40		678	00	13	50
	757	00	14	40		679	00	27	90
	782	00	05	40		674	00	01	89
	783	00	27	00		483	00	14	40
						482	00	15	30

1.	2.	3.	4.	5.	1.	2.	3.	4.	5.
पुर	480	00	15	30	परसुन्द	148	00	23	40
	479	00	17	10		147	00	23	40
	474	00	21	06	वाघपुरा	61	00	28	80
	476	00	27	00		60	00	23	40
	475	00	24	84		58	00	48	60
	473	00	17	10		55	00	30	60
	470	00	01	44	वाघपुरा	53	00	50	40
	469	00	24	84		6	00	50	40
	468	00	33	66		5	00	05	40
	462	00	44	10		1	00	05	40
छाणसरा	460	00	17	10		16	00	27	00
	49	00	68	76		14	00	72	00
	51	00	06	84		30	00	43	20
	52	00	19	62		32	00	50	40
	53	00	20	52	नालिया	104	00	50	40
	61	00	31	50		106	00	25	20
	62	00	05	85		54	00	48	60
	63	00	17	64		55	00	32	40
	65	00	08	82		78	00	37	80
	64	00	55	08		77	00	59	40
	75	00	11	70		68	00	64	80
	76	00	11	70		69	00	37	80
	80	00	31	50	मानपुरा	156	00	22	50
	79	00	27	54		157	00	12	60
	83	00	11	70		150	00	33	30
	84	00	25	56		145	00	19	80
	110	00	35	28	कमलपुरा	96	00	32	40
	113	00	43	20		103	00	90	00
	114	00	29	34		104	00	18	00
	115	00	11	70		119	00	81	00
	170	00	41	40		120	00	28	80
	171/2	00	12	78	कमलपुरा	123	00	21	60
	179	00	12	78		124	00	18	00
	172	00	07	92		125	00	54	00
	173	00	24	48		129	00	28	80
छणसरा	175	00	09	72	साखापुरा	145	00	34	20
	174	00	29	34		147	01	29	60
	209	00	11	70	वाराही	571	00	09	00
	229	00	47	16		570	00	16	20
	228	00	31	50		569	00	13	50
	218	00	00	99		568	00	23	40
	219	00	39	24		566	00	25	20
	216	00	76	50		510	00	16	20
परसुन्द	160	00	28	80		512	00	11	70
	168	00	24	30		511	00	13	50
	167	00	12	60		502	00	16	20
	165	00	02	70		501	00	11	70
	166	00	16	20		471	00	29	88
	164	00	07	20		470	00	18	00
	163	00	40	50		410	00	04	50
	162	00	01	50		411	00	04	50
	159	00	06	30		412	00	15	76
	160	00	02	70		401	00	48	00
	149	00	21	60		402	00	05	01

1	2	3	4	5
	399	00	01	43
	322	00	30	09
श्रीराहा	112	00	30	10
	208	00	1	03
	223/1	00	04	0
	224	00	10	03
	221	00	08	60
	227	00	45	83
नवागाम	3	00	05	02
	29	00	22	25
	27	00	15	07
	52	00	15	07
	54	00	14	35
	53	00	22	97
	55	00	24	10
	64	00	10	41
	67	00	01	79
	65	00	34	44
	66	00	19	38
	81/1	00	06	46
	81/2	00	14	35
	82	00	32	29
	96	00	59	57
	97	00	10	03
	77	00	03	59
	102	00	21	53
नवागाम	106	00	39	47
	107	00	24	40
	108	00	15	79
	110	00	32	29
	111	00	17	94
	115	00	27	32
	116	00	08	97
	119	00	08	97
	118	00	49	52
	117	00	27	27
सावपुरा	257	00	27	09

[सं. अं. - 31015/8/89-अ. प्रार. I]

S.O. 2849.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab (Via Rajasthan & Haryana States), a pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1952) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Bungalow No. 66, Sector No. 4, Gandhidham, Kutch 370201.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal Practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Santalpur District : Banas Kantha State : Gujarat				
Name of Village	Survey No.	Area		
		H.	A.	Sq. M rs.
1	2	3	4	5
Pirola	816	00	13	68
	817	00	29	34
	876	00	46	98
	856	00	25	38
	862	00	13	68
	861	00	16	56
	865	00	01	98
	864	00	12	69
	888	00	23	40
	890	00	03	96
	901	00	23	40
	904	00	10	80
	903	00	21	66
	907	00	39	24
Roju Garambdi	908	00	23	40
	910	00	46	98
	918	00	43	02
	923	00	56	70
	924	00	23	40
	213	00	26	82
	440	00	08	10
	437	00	64	62
	436	00	18	72
	445	00	09	36
Garambdi	446	00	21	60
	433	00	45	72
	432	00	18	72
	411	00	14	04
	412	00	43	38
	413	00	30	42
	414	00	42	12
	406	00	04	68
	407	00	04	05
	377	00	32	76
	378	00	24	66
	379	00	24	66
	380	00	09	90
	371	00	20	52
	369	00	08	82
	512	00	37	44
	361	00	52	74
	351	00	46	80
	352	00	07	02
	353	00	41	04

1.	2.	3.	4.	5.	1	2	3	4	5
antalpur	667	00	22	50		668	00	11	52
	666	00	22	50		667	00	09	54
	662	00	36	00		677	00	12	42
	651	00	27	90		678	00	13	50
	650	00	04	50		679	00	27	90
	643	00	22	50		674	00	01	89
						483	00	14	40
	633	00	21	60		482	00	15	30
	631	00	56	70		480	00	15	30
	627	00	41	40		479	00	17	10
	626	00	30	60		474	00	21	06
	751	00	25	20		476	00	27	00
	755	00	19	80		475	00	24	84
	756	00	05	40		473	00	17	10
	757	00	14	40		470	00	01	44
	682	00	05	40		469	00	24	84
	783	00	27	00		468	00	33	66
	785	00	09	00		462	00	44	10
	786	00	16	20					
	788	00	18	00	Bur	460	00	17	10
	689	00	18	00	Chhansara	49	00	68	76
	148	00	12	60		51	00	06	84
	149	00	14	40		52	00	19	62
	150	00	23	40		53	00	20	52
	151	00	24	30		61	00	31	50
	152	00	30	60		62	00	05	85
	153	00	14	40		63	00	17	64
	180	00	32	40		65	00	08	82
	198	00	18	00		64	00	55	08
	197	00	09	00		75	00	11	70
	206	00	01	35		76	00	11	70
	196	00	16	20		80	00	31	50
						79	00	27	54
	194	00	01	80		83	00	11	70
	207	00	25	20		84	00	25	56
	193	00	27	00		110	00	35	28
	192	00	21	60		113	00	43	20
	191	00	03	60		114	00	29	34
	190	00	38	70		115	00	11	70
	189	00	28	80		170	00	41	40
Pur	839	00	21	06		171/2	00	12	78
	841	00	19	08		179	00	12	78
	852	00	22	86		172	00	07	92
	842	00	01	44		173	00	24	48
	843	00	01	44	Chhansara	175	00	09	72
	844	00	28	80		174	00	29	34
	845	00	21	06		209	00	11	70
	824	00	42	30		229	00	47	16
	812	00	15	30		228	00	31	50
	813/1	00	63	18		218	00	00	99
	814	00	17	10		219	00	39	24
	794	00	24	84		216	00	76	50
	793	00	15	30	Parsund	160	00	28	80
	792	00	13	32					
	791	00	17	10	Daigamda	168	00	24	30
	646	00	15	30		167	00	12	60
	647	00	67	14		165	00	02	70
	648	00	32	40		166	00	16	20
						164	00	07	20
	649	00	34	38		163	00	40	50
	656	00	17	10		162	00	04	50
	657	00	32	40		159	00	06	30
	659	00	01	89		160	00	02	70
	658	00	32	40		149	00	21	60
	663	00	34	38		148	00	23	40
	664	00	44	10		147	00	23	40

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Vaghpura	61	00	28	80	Navagam	30	00	05	02
	60	00	23	40		29	00	22	25
	58	00	48	60		27	00	15	07
	55	00	30	60		52	00	15	07
						54	00	14	35
	53	00	50	40		53	00	22	97
	6	00	50	40		55	00	24	40
	5	00	05	40		64	00	10	41
	1	00	05	40		67	00	01	79
	16	00	27	00		65	00	34	45
	14	00	72	00		66	00	19	38
	30	00	43	20		81/1	00	06	46
	32	00	50	40		81/2	00	14	35
						82	00	32	29
Naliya	104	00	50	40		96	00	59	57
	106	00	25	20		97	00	10	05
	54	00	48	60		77	00	03	59
	55	00	32	40		102	00	21	53
	78	00	37	80					
	77	00	59	40		106	00	39	47
	68	00	64	80		107	00	24	40
	69	00	37	80		108	00	15	79
						110	00	32	29
Manpura	156	00	22	50		111	00	17	94
	157	00	12	60		115	00	37	32
	150	00	33	30		116	00	08	97
	145	00	19	80		119	00	08	97
						118	00	49	52
Kamalpur	96	00	32	40		117	00	27	27
	103	00	90	00					
	104	00	18	00					
	119	00	81	00	Sadpura	257	00	27	09
	120	00	28	80					
	123	00	21	60					
	124	00	18	00					
	125	00	54	00					
	129	00	28	80					
Lakhpura	145	00	34	20					
	147	00	29	60					
Varan	571	00	09	00					
	570	00	16	20					
	569	00	13	50					
	568	00	23	40					
	566	00	25	20					
	510	00	16	20					
	512	00	11	70					
	511	00	13	50					
	502	00	16	20					
	501	00	11	70					
	471	00	29	88					
	470	00	18	00					
	410	00	04	50					
	411	00	04	50					
	412	05	15	76					
	401	00	48	00					
	402	00	05	01					
	399	00	01	43					
	322	00	30	09					
	312	00	30	09					
	208	00	10	03					
	223/1	00	04	30					
	224	00	10	03					
	222	00	08	60					
	227	00	45	85					

[No. O-31015/8/89-OR1]

का. आ. 2850.—यतः कन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांठला से पंजाब राज्य में भटिन्डा (बायां राजस्थान व हरियाणा राज्य) तक पैट्रोलियम के लिए पाईप लाईन इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन की बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कन्द्रीय सरकार ने उपर्युक्त उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना अग्रगण्य एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति, उस भूमि के ताल्लिक पाईप लाईन बिछाने के लिए, आक्षेप सक्षम अधिकारी, इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड पाईप लाईन्स, बंगला नं. 66, सैक्टर नं. 4, गांधी धाम को इस आपबीछना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या पब्लिक विधि व्यवसायी की मार्फत।

तहसील	हरीज	जिला: मेहसाणा	राज्य: गुजरात
गांव का नाम	सर्वे नं.	हेक्टेयर आर. वर्ग मीटर	
1.	2	3	4
ट नापाडा	187	0	71
	207	0	18
			83

1.	2.	3.	4.	5.	1.	2.	3.	4.	5.
	208	0	13	95		31	0	07	60
	216	0	10	46		33	0	26	27
	211	0	06	97		35	0	06	22
	243	0	28	94		36	0	06	32
	212	0	26	50		37	0	05	53
	242	0	01	04		39	0	20	74
	241	0	23	71		55	0	35	25
	240	0	15	69	राज	760	0	27	48
	239	0	11	16		761	0	01	07
	219	0	04	53		759	0	28	20
	238	0	16	39		762	0	01	07
	230	0	18	83		700	0	14	99
	251	0	51	25		698	0	29	98
	161	0	72	97		687	0	25	70
	154	0	72	87		686	0	16	42
	158	0	01	04		705	0	90	66
	155	0	18	83		616	0	21	27
	125	0	30	68		615	0	11	78
	121	0	21	63		614	0	04	64
	122	0	07	07		612	0	07	85
	112	0	27	89		613	0	13	56
	102	0	18	83		611	0	07	85
	101	0	18	83		610	0	08	57
	99	0	18	13		609	0	09	28
	98	0	06	97		607	0	19	99
	62	0	62	76		606	0	16	42
	61	0	15	69		547/1	0	42	48
	70	0	10	46		547	0	07	50
	71	0	08	37		554	0	27	13
	120	0	07	67		558	0	06	78
भासा	98	0	50	46		559	0	06	78
	97	0	04	15		560	0	17	13
	102	0	04	15		561	0	07	85
	103	0	29	72		442	0	24	99
	120	0	36	29		411	0	17	85
	122	0	04	49		410	0	01	07
	119	0	15	20		409	0	28	20
	127	0	34	56		401	0	17	85
	128	0	33	18		402	0	12	85
	134	0	38	71		400	0	05	71
	144	0	26	95		394	0	23	56
	143	0	12	44		395	0	01	78
	272	0	08	98		391	0	38	91
	3	0	31	79					
	16	0	15	21					
	15	0	14	51					
	14	0	21	43					
	13	0	09	68					
	20	0	09	68					
	28	0	20	73					
	27	0	01	38					
	26	0	15	90					
	25	0	15	90					
	30	0	20	74					

[सं. आ. 31015/8/89-आ. आर.-1]

S.O. 2850.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab (Via Rajasthan & Haryana States), a pipeline should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user there in.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Bungalow No. 66, Sector No. 4, Gandhidham, Kutch 370201.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal Practitioner.

SCHEDULE

Taluka : Harija District : Mehsana State : Gujarat				
Name of Village	Survey No.	Area		
		H.	A.	Sq. Mtrs.
1	2	3	4	5
Dunavada	187	0	71	13
	207	0	18	83
	208	0	13	95
	216	0	10	46
	211	0	06	97
	243	0	28	94
	212	0	26	50
	242	0	01	04
	241	0	23	71
	240	0	15	69
	239	0	11	16
	219	0	04	53
	238	0	16	39
	250	0	18	83
	251	0	51	25
	161	0	72	97
	154	0	72	87
	158	0	01	02
	155	0	18	83
	125	0	30	68
	121	0	21	62
	122	0	07	67
	112	?	27	89
	102	0	18	83
	101	0	18	83
	99	0	18	13
	98	0	06	97
	62	0	62	76
	61	0	15	69
	70	0	10	46
	71	0	08	37
	120	0	07	67
Masa	98	0	50	46
	97	0	04	15
	102	0	04	15
	103	0	29	72

1	2	3	4	5
Masa (Contl.)	120	0	26	29
	122	0	04	49
	119	0	15	20
	127	0	34	56
	128	0	33	18
	134	0	38	71
	144	0	26	95
	143	0	12	44
	2/2	0	08	98
	3	0	31	79
	16	0	15	21
	15	0	14	51
	14	0	21	43
	13	0	09	68
	20	0	09	68
	28	0	0	73
	27	0	01	38
	26	0	15	90
	25	0	15	90
	30	0	20	74
	31	0	07	60
	3	0	26	27
	35	0	06	22
	36	0	06	22
	37	0	05	53
	39	0	20	74
	55	0	35	25
Roda	760	0	27	48
	761	0	01	07
	769	0	28	20
	762	0	01	07
	700	0	14	99
	698	0	29	98
	687	0	25	70
	686	0	16	42
	705	0	90	66
	616	0	24	27
	615	0	011	78
	614	0	04	64
	612	0	07	85
	613	0	13	56
	611	0	07	85
	610	0	08	57
	609	0	09	28
	607	0	19	99
	606	0	16	42
	547/1	0	42	48
	547	0	07	50
	554	0	27	13
	558	0	06	78
	559	0	06	78
	560	0	17	13
	561	0	07	85
	412	0	24	99
	411	0	17	85
	410	0	01	07
	409	0	28	20
	401	0	17	85
	402	0	12	85
	400	0	05	71
	394	0	23	56
	395	0	01	78
	391	0	38	91

का. आ 2851—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में अहिंडा (बाया राजस्थान व हरियाणा राज्य) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाईन इंडियन प्रायवत कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिए पतुपतुबद्ध अदसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अतः पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह पतुद्वारा घोषित किया है।

वर्णन कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए, आक्षेप सक्षम अधिकारी, इंडियन प्रायवत कॉर्पोरेशन लिमिटेड पाईप लाईन, बंगला नं. 66, सैक्टर नं. 4, गांधी धाम को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुतवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

तहमील: सिद्धपुर जिला: महमना राज्य गुजरात गुजरात

गांव का नाम सर्वे त श्रेष्ठ फल

केयर आर. वर्ग सी.

1	2	3	4	5
सिद्धपुर	107	0	28	10
	106	0	11	94
	118	0	07	03
	117	0	19	67
	143	0	70	96
	181	0	10	54
	182	0	05	62
	179	0	05	62
	178	0	18	27
	286	0	16	16
	287	0	15	48
	288	0	16	16
	293	0	04	21
	292	0	14	05
	291	0	11	59
	296	0	01	05
	308	0	07	03
	309	0	21	07
	327	0	07	03
	328	0	08	43
	329	0	16	16
	335	0	08	08
	334	0	07	03
	336	0	01	05
	333	0	11	94
	343	0	09	48

1.	2.	3.	4.	5.
मिथपुर (जारी)	340	0	01	05
	342	0	04	71
	354	0	17	92
	353	0	01	05
	351	0	09	13
	350	0	28	10
	397	0	04	21
	396	0	12	65
	395	0	12	65
	398	0	16	86
	400	0	12	65
	401	0	20	02
	402	0	08	08
	406	0	08	43
खोलवाडा	608	0	15	65
	607	0	19	92
	606	0	19	92
	605	0	27	04
	621	0	13	52
	620	0	02	13
	624	0	09	25
	623	0	09	25
	626	0	14	23
	627	0	20	64
	651	0	14	94
	650	0	14	23
	384	0	11	58
	383	0	07	12
	362	0	27	04
	338	0	14	94
	346	0	04	98
	341	0	05	69
	342	0	09	25
	345	0	02	13
	344	0	20	64
	347	0	11	39
	348	0	02	85
	294	0	27	75
	270	0	20	63
	271	0	32	73
	273	0	26	33
देशली	286	0	33	28
	288	0	02	12
	289	0	17	00
	290	0	35	41
	291	0	07	08
	292	0	07	08
	306	0	13	45
	310	0	17	70
	309	0	22	66
	319	0	12	75
	320	0	14	16
	321	0	15	58
	339	0	26	91
	340	0	22	66

1	2	3	4	5
देयलो (जारी)	577	0	06	02
	577/3	06	06	02
	576	0	12	04
	575	0	13	81
	574	0	13	81
	568	0	12	03
	567	0	01	42
	570	0	14	87
	496	0	14	16
	497	0	09	21
	498	0	13	45
	502	0	26	20
	501	0	00	71
	503	0	27	62
	504	0	07	08
	505	0	39	45
	555	0	14	87
	544	0	23	37
	544/1	0	25	49
	553	0	03	54
	554	0	03	54
	543/2	0	09	21
	543/4	0	17	70
	543/9	0	04	25
	543	0	12	04
	531/1	0	17	70
	530	0	17	70
	543/10	0	3	90
	542	0	03	90
	529	0	12	04
	532	0	03	54
	533	0	08	50
वादिण सर	322	0	18	13
	329	0	27	89
	328	0	29	90
	363	0	02	79
	362	0	13	94
	387	0	12	5
	388	0	49	5
	390	0	14	6
	201	0	13	94
	200	0	06	62
	199	0	01	05
	196	0	15	34
	195	0	13	25
	126	0	20	91
	127	0	04	18
	118	0	32	76
	117	0	11	85
	140	0	23	70
	141	0	18	82
	142	0	32	07
होसोर	135	0	32	80
	136	0	14	53
	134	0	05	10

1	2	3	4	5
होसोर(जाही)	141	0	04	37
	142	0	15	31
	146	0	20	77
	147	0	01	09
	145	0	16	03
	332	0	18	95
	331	0	13	85
	329	0	18	22
	326	0	22	59
	316	0	06	56

[सं. क्रो. 31015/8/89-प्रो.प्रार.-I]

S.O. 2851.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab (Via Rajasthan & Haryana States), a pipeline should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Bungalow No. 66, Sector No. 4, Gandhidham, Kutch-370 201.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal Practitioner.

SCHEDULE				
Taluka: Sitapur	District: Muzaffargarh	State: Gujarat		
Name of Village	Survey No.	Area		
		H.	A.	Sq. Mts.
1	2	3	4	5
Sitapur	107	00	38	10
	106	00	11	94
	118	00	07	02
	117	00	19	67
	143	00	70	96
	181	00	10	54
	182	00	05	62
	179	00	05	62
	178	00	18	27
	286	00	16	16

1	2	3	4	5	1	4	5		
Sidhpur (Contd.)	287	00	15	46	Dathali (Contd.)	319	00	12	75
	288	00	16	16		320	00	14	16
	293	00	04	21		321	00	15	58
	292	00	14	05		339	00	26	91
	291	00	11	59		340	00	22	66
	290	00	01	05		577	00	06	02
	308	00	07	03		577/3	00	06	02
	309	00	21	07		576	00	12	04
	327	00	07	03		575	00	13	81
	328	00	08	43		574	00	13	81
	329	00	16	16		568	00	12	03
	335	00	08	08		567	00	01	42
	334	00	07	03		570	00	14	87
	336	00	01	05		496	00	14	16
	333	00	11	94		497	00	09	21
	343	00	09	48		498	00	15	45
	340	00	01	05		502	00	16	20
	342	00	04	21		501	00	00	71
	354	00	17	92		503	00	27	62
	353	00	01	05		504	00	07	08
	351	00	09	13		505	00	39	45
	350	00	28	10		555	00	14	87
	397	00	04	21		544	00	13	37
	396	00	12	65		544/1	00	25	49
	395	00	12	65		553	00	03	54
	398	00	16	86		554	00	03	54
	400	00	12	65		543/2	00	09	21
	401	00	20	02		543/4	00	17	70
	402	00	08	08		543/3/9	00	04	25
	406	00	08	43		543	00	12	04
Kholavada	608	00	15	65		531/1	00	17	70
	607	00	19	92		530	00	17	70
	606	00	19	92		543/3/10	00	03	90
	605	00	27	04		542	00	03	90
	621	00	13	52		529	00	12	04
	620	00	02	13		532	00	03	54
	624	00	09	25		533	00	08	50
	623	00	09	25	Chandansar	322	00	18	13
	626	00	14	23		329	00	27	89
	627	00	20	64		328	00	29	98
	651	00	14	94		363	00	02	79
	650	00	14	23		362	00	13	94
	384	00	11	58		387	00	12	55
	383	00	07	12		388	00	49	50
	362	00	27	04		390	00	14	64
	338	00	14	94		201	00	13	94
	346	00	04	98		200	00	06	62
	341	00	05	69		199	00	01	05
	342	00	09	25		196	00	15	34
	345	00	02	13		195	00	13	25
	344	00	20	64		126	00	20	91
	347	00	11	39		127	00	04	18
	348	00	02	85		118	00	32	76
	294	00	27	75		117	00	11	85
	270	00	20	63		140	00	23	70
	271	00	32	73		141	00	18	82
	273	00	16	33		142	00	32	07
Dathali	286	00	33	28	Hisor	135	00	32	80
	288	00	02	12		136	00	14	58
	289	00	17	00		134	00	05	10
	290	00	35	41		141	00	04	37
	291	00	07	08		142	00	15	31
	292	00	07	08		146	00	20	77
	306	00	13	45		147	00	01	09
	310	00	17	70		145	00	16	03
	309	00	22	66		332	00	18	95

1	2	3	4	5
	331	00	13	85
	329	00	18	22
	326	00	22	59
	316	00	06	56

[No. O-31015/8/89-ORI]

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1990

का. आ. 2652.—यस: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में भटिंडा (वाराणसी राज्य व हरियाणा राज्य) एवम् राजस्थान राज्य में कोट से जोधपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाईन इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वाक्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्णन कि उक्त भूमि में हितवश कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आशेष मक्षम अधिकारी, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड पाईप लाईन, प-30, सेन कालोनी, बनीपार्क, जोधपुर को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसको सुनवाई हो या किसी विधि व्यवसायी की मति।

अनुसूची

तहसील : जोधपुर जिला : जोधपुर राज्य : राजस्थान

गांव का नाम सर्वे नंबर क्षेत्रफल

हेक्टर घार वर्गमीटर

1	2	3	4	5
बाविया	262	00	45	98
	260	00	27	61
	261	00	26	46
	256	00	17	26
	255	00	21	28
	254	00	77	00
	242	00	54	58
	243	00	02	88
	244	00	46	54
	240	00	07	48
	239	00	15	53
	237	00	08	63
	238	00	02	88
	154	01	15	70
	156	00	33	35
	155	00	45	96

1	2	3	4	5
	149	00	30	20
	148	00	49	42
सुनी	872	00	04	50
	877	00	14	60
	874	00	17	97
	876	00	30	29
	857	00	37	15
	867	00	18	53
	864	00	27	56
	862	00	24	78
	858	00	00	60
	861	00	41	24
	860	00	03	93
शीकारपुरा	667	00	21	89
	457	00	36	86
	455	00	05	18
	456	00	26	78
	448	00	69	70
	442	00	04	03
	440	00	27	07
	427	00	02	30
	415	00	27	07
	416	00	17	57
	424	00	56	45
	556	00	04	61
	423	00	16	70
	405	00	01	73
	404	00	10	66
	399	00	01	73
	398	00	10	38
	397	00	01	73
	395	00	04	61
	396	00	49	54
	394	00	09	50
	390	00	34	56
	384	00	01	73
	383/1	00	73	73
	300	00	04	03
	299	00	42	91
	298	00	34	27
	297	00	45	50
	296	00	43	78
	295	00	14	40
	294	00	01	44
	293	00	14	97
	292	00	15	84
	291	00	20	73
	312	00	00	56
	290	00	12	10
	289	00	16	12
	313	00	34	27
	288	00	01	10
	284	00	01	73
	281	00	22	46
	280	00	19	87
	279	00	15	84

1.	2	3	4	5	1	2	3	4	5																																			
	278	00	12	96		720	00	15	26																																			
	276	00	10	08		699	00	42	62																																			
	277	00	00	56		704	00	18	43																																			
	274	00	18	72		700	00	09	79																																			
	254	00	25	92		703	00	00	96																																			
	257	00	21	31		702	00	33	70																																			
	256	00	54	72		685/2	00	18	43																																			
						681/2	00	06	34																																			
काकाणी	224	00	00	50		686/1	00	19	01																																			
	225	00	39	74		683/2	00	10	37																																			
	226	00	45	22		687/1	00	06	05																																			
	227	00	27	65		683/4	00	10	94																																			
	263	00	01	73		683/3	00	33	12																																			
	205	00	20	16		677	00	29	66																																			
	206	00	14	98		678	00	21	57																																			
	204	00	07	20	[सं. प्रो.-31015/9/89-प्रो. मार.-1]																																							
	207	00	57	60	<p>S.O. 2852.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab (Via Rajasthan & Haryana State.) and Kot to Jodhpur in the State of Rajasthan, pipeline should be laid by Indian Oil Corporation Limited.</p> <p>And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of u.e.r in land described in the schedule annexed hereto.</p> <p>Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Mineral Pipeline (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :</p> <p>Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of pipeline under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines, A-30, Sen Colony, Bani Park, Jaipur.</p> <p>And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal practitioner.</p>																																							
	188	00	16	70																																								
	192	00	48	38																																								
	133	00	34	85																																								
	130	00	10	37																																								
	134	00	00	40																																								
	128	00	42	05																																								
	126	00	35	42																																								
	124	00	23	04																																								
	125	00	29	95																																								
	79	00	01	63																																								
	2	00	17	28																																								
सालाबास	777	00	03	17	<p>SCHEDULE</p> <p>Tehsil: Jodhpur District: Jodhpur State: Rajasthan</p> <table><tr><th>Name of Village</th><th>Survey No.</th><th colspan="3">Area</th></tr><tr><th></th><th></th><th>H.</th><th>A.</th><th>Sq. Mtrs.</th></tr><tr><th>1</th><th>2</th><th>3</th><th>4</th><th>5</th></tr><tr><td>Dandiya</td><td>262</td><td>00</td><td>45</td><td>98</td></tr><tr><td></td><td>260</td><td>00</td><td>27</td><td>61</td></tr><tr><td></td><td>261</td><td>00</td><td>26</td><td>46</td></tr><tr><td></td><td>256</td><td>00</td><td>17</td><td>26</td></tr></table>					Name of Village	Survey No.	Area					H.	A.	Sq. Mtrs.	1	2	3	4	5	Dandiya	262	00	45	98		260	00	27	61		261	00	26	46		256	00	17	26
Name of Village	Survey No.	Area																																										
		H.	A.	Sq. Mtrs.																																								
1	2	3	4	5																																								
Dandiya	262	00	45	98																																								
	260	00	27	61																																								
	261	00	26	46																																								
	256	00	17	26																																								
	800	00	22	18																																								
	801	00	24	77																																								
	802	00	12	67																																								
	840	00	55	01																																								
	839	00	00	50																																								
	834	00	69	70																																								
	833	00	00	30																																								
	832	00	26	78																																								
	825	00	13	53																																								
	831	00	15	55																																								
	826	00	18	72																																								
	744	00	36	29																																								
	827	00	13	25																																								
	743	00	13	54																																								
	743/1	00	39	74																																								
	742	00	28	51																																								
	741	00	00	60																																								
	733	00	86	69																																								
	732	00	02	38																																								
	725/1	00	06	65																																								
	725/4	00	00	86																																								
	725/2	00	56	45																																								
	718	00	52	13																																								
	715	00	33	98																																								
	713	00	84	38																																								
	710	00	24	48																																								

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	255	00	21	28		280	07	19	87
	254	00	77	00		279	00	15	84
	242	00	54	58		278	00	12	96
	243	00	02	88		276	00	10	08
	244	00	46	54		277	00	00	56
	240	00	07	48		274	00	18	72
	239	00	15	53		254	00	25	92
	237	00	08	63		257	00	21	31
	238	00	02	88		256	00	54	72
	154	01	15	70	Kakani	224	00	00	50
	156	00	33	35		225	00	39	74
	155	00	45	96		226	00	45	22
	149	00	30	20		227	00	27	65
	148	00	49	42		263	00	01	73
Lunnee	872	00	04	50		205	00	20	16
	877	00	14	60		206	00	14	98
	874	00	17	97		204	00	07	20
	876	00	30	29		207	00	57	60
	857	00	37	15		188	00	16	70
	867	00	18	53		192	00	48	38
	864	00	27	56		133	00	34	85
	862	00	24	75		130	00	10	37
	858	00	00	60		134	00	00	40
	861	00	41	24		128	00	42	05
	860	00	03	93		126	00	25	42
Sikarpura	667	00	21	89		124	00	23	04
	457	00	36	86		125	00	29	95
	455	00	05	18		79	00	01	63
	456	00	26	78		2	00	17	28
	448	00	69	70	Salavas	777	00	03	17
	442	00	04	03		800	00	22	18
	440	00	27	07		801	00	24	77
	427	00	02	30		802	00	12	67
	415	00	27	07		840	00	55	01
	416	00	17	57		839	00	00	50
	424	00	56	45		834	00	69	70
	556	00	04	61		833	00	00	30
	473	00	16	70		832	00	26	78
	405	00	01	73		825	00	13	53
	404	00	10	66		831	00	15	55
	399	00	01	73		826	00	18	72
	398	00	10	36		744	00	36	29
	397	00	01	73		827	00	13	25
	395	00	04	61		743	00	13	54
	396	00	49	54		743/1	00	39	74
	394	00	09	56		742	00	28	51
	390	00	34	56		741	00	00	60
	384	00	01	73		733	00	86	69
	383/1	00	73	73		732	00	02	38
	300	00	04	03		725/1	00	06	65
	299	00	42	91		725/1	00	00	86
	298	00	34	27		725/2	00	56	45
	297	00	45	50	Salavas	718	00	52	13
	296	00	43	78		715	00	33	98
	295	00	14	40		713	00	84	38
	294	00	01	44		710	00	24	48
	293	00	14	97		720	00	15	26
	292	00	15	84		699	00	42	62
	291	00	20	73		704	00	18	43
	312	00	00	56		700	00	09	79
	290	00	12	10		703	00	00	96
	289	00	16	12		702	00	33	70
	313	00	34	27		685/2	00	18	43
	288	00	01	10		681/2	00	06	34
	284	00	01	73		681/1	00	19	01
	281	00	22	46		683/2	00	10	37

1	2	3	4	5
687 1	00	06	05	
683/4	00	10	94	
683/3	00	33	12	
677	00	29	66	
678	00	21	57	

[No. O-31015/9/89-ORI]

का.भा. 2853-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में काबला से पंजाब राज्य में भटिन्दा (बाया राजस्थान व हरियाणा राज्य) एम्पू राजस्थान राज्य में कोट से जोधपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन इण्डियन प्रायस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जान चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

यतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार) का अर्जित अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उक्त उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना प्राण्य एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, इण्डियन प्रायस कारपोरेशन लिमिटेड, पाईप लाईन्स, ए-30, सेन कालोनी, बनीपाक, जयपुर को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिवृष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तहसील : पाली जिला : पाली राज्य : राजस्थान

शक्ति का नाम	सर्वे नम्बर	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	घर	बर्गमीटर
1	2	3	4	5
शक्ति	389	00	49	54
	388	00	08	35
	393	00	28	80
	386	00	03	18
	379	00	02	02
	380	00	66	82
	384	00	27	38
	381	00	25	06
	382	00	10	85
	383	00	08	06
	219	00	42	62
	216	00	01	73
	214	00	22	46
	215	00	31	39
	160	00	05	47
	70	00	69	98
	73	00	43	49

गुडा खूनी

बालराई

कीरणा

1	2	3	4	5
	72	00	20	45
	95	00	14	69
	100	00	60	77
	101	00	74	59
	105	00	23	62
	14	00	02	02
	3	01	03	97
	4	00	00	58
गुडा खूनी	123	00	31	67
	122	00	04	32
	119	00	50	10
	118	00	45	49
	133	00	28	80
	131	00	01	74
	38	00	00	57
	37	00	57	00
	36	00	33	39
	26	00	03	45
	35	00	12	09
	31	00	89	55
	134	00	07	48
	142	00	07	48
बालराई	391	00	65	66
	390	00	00	29
	394	00	03	76
	395	00	08	65
	381	00	07	20
	335	00	24	48
	334	00	23	92
	330	00	01	16
	331	00	30	82
	329	00	17	28
	328	00	17	58
	327	00	03	48
	321	00	06	06
	317	00	01	73
	316	00	38	59
	304	00	01	73
	299	00	53	58
	295	00	52	13
	337	00	05	76
	247	00	10	66
	248	00	00	58
	249	00	08	06
	257	00	28	52
	256	00	02	30
	255	00	44	93
	261	00	02	88
	236	00	12	96
	235	00	05	76
कीरणा	67	00	31	40
	68	00	01	73
	66	00	18	72
	63	00	63	94

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	70	00	43	20		60	00	26	52
	73	00	17	28		61	00	25	63
	76	00	67	68		62	00	18	72
	75	00	07	78		63	00	14	12
	44	00	29	37		64	00	12	96
	49	00	49	54		75	00	24	48
	45	00	02	88		74	00	21	89
	08	00	58	47		77	00	27	66
	06	00	06	33		78	00	09	22
	12	00	00	58		79	00	24	48
	05	00	02	02		80	00	32	26
	04	00	02	02		24	00	07	78
	13	00	02	31	कुरुना	2098	00	02	01
	15	00	28	51		2094	00	38	58
	17	00	01	15		2093	00	01	15
	105	00	02	31		1384	00	02	30
	106	00	14	11		1383	00	38	58
	108	00	49	54		1380	00	01	73
गुडा ऐंजला	1478	00	14	11		1381	00	40	32
	1480	00	48	68		1382	00	67	96
	1481	00	02	60		1389	00	91	86
	1578	00	20	74		2025	00	01	73
	1484	00	29	67		1423	00	30	46
	1469	00	17	57		2018	00	03	45
	1492	00	31	10		1478	00	33	98
	1493	00	31	68		1479	00	35	42
	1499	00	50	11		1481	00	00	58
	1496	00	40	61		1480	00	11	80
	1497	00	08	07		1497	00	05	18
	675	00	51	55		1537	00	00	28
	671	00	07	59		1536	00	10	65
	667	00	36	87		1535	00	15	26
	664	00	18	72		1534	00	08	92
	683	00	22	47		1521	00	04	03
	663	00	18	72		1520	00	00	58
	660	00	32	26		1522	00	12	38
	659	00	17	57		1523	00	15	26
	657	00	03	17		1525	00	02	30
	678	00	28	80		1524	00	00	29
	675	00	36	58		1516	00	12	38
	374	00	14	116		1544	00	02	30
	348	00	06	63		635	00	09	21
	347	00	07	78		638	00	31	10
	346	00	11	81		6291	00	01	44
	342	00	88	13		629	00	26	21
	341	00	06	05		627	00	03	17
	44	00	16	42		628	00	22	75
	43	00	15	28		551	00	01	73
	47	00	03	76		420	00	01	15
	48	00	30	53		419	00	01	73
	52	00	36	29		421	00	47	31
	54	00	10	66		424	00	14	69
	56	00	06	63		425	00	00	58
	59	00	32	2		426	00	18	14

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	427	00	11	81					
	431	00	27	85		14	00	47	81
	438	00	33	41		13	00	50	40
	439	00	01	15	मावडी	83	00	00	50
	414	00	11	81		81	00	35	52
	410	00	08	35		82	00	67	52
	411/1	00	60	77		75	00	53	31
	411	00	07	49		76	00	20	15
	389	00	02	88		70	00	53	73
	380	00	11	81		69	00	30	68
	370	00	36	58		62	00	02	88
	367	00	10	37		60	00	04	90
	376	00	16	42		59	00	22	17
	372	00	06	34		53	00	25	06
	375	00	00	86		56	00	02	30
	374	00	18	72		58	00	80	37
	329	00	01	73		42	00	25	92
	338	00	19	87		40	00	14	68
	340	00	32	83		41	00	23	04
	309	00	27	36		39	00	20	89
	308	00	12	67		33	00	24	77
	306	00	04	61		34	00	08	64
	302	00	02	31		32	00	06	84
	297	00	11	81		28	00	11	81
	296	00	23	33		27	00	61	70
	292	00	02	30		29	00	02	30
	291	00	22	18		26	00	02	38
	289	00	18	72		16	00	01	60
	290	00	18	72		15	00	33	70
कुरला	287	00	09	22		14	00	41	47
	284	00	02	30	बथालपुरा	216	01	67	80
	01	00	09	79		736/216	00	35	66
	73	00	01	15		187	00	35	58
बाला	74	00	02	88		186	00	50	84
	192	00	02	46		185	00	48	54
	201	00	04	32		184	00	05	76
	202	00	92	45		183	00	94	27
	212	00	03	17		182	00	01	50
	101	00	52	99		181	00	06	34
	97	00	21	32		157	00	02	30
	96	00	70	27		65	00	53	58
	91	00	04	32		66	00	13	23
	94	00	35	36		67	00	04	03
	88	00	03	75		69	00	32	26
	60	00	22	46		33	00	28	80
	62	00	66	24		34	00	26	50
	63	00	27	65		35	00	04	61
	69	00	00	86		47	01	70	08
	65	00	77	18		46	00	09	22
	72	00	02	02		49	00	02	30
	73	00	00	86		50	00	07	20
	78	00	48	10		319	00	12	96
	77	00	23	62		345	00	26	36
	82	00	02	02		350	00	01	50
	16	00	40	03		348	00	27	65
	15	00	44	65					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
रूपावास	548	00	21	71		168	00	94	43
	547	01	30	94		179	00	08	83
	573	00	02	88		169	00	24	48
	407	00	27	65		155	00	89	28
	408	00	20	16		148	00	72	00
	420	00	17	86		147	00	02	88
	419	00	28	95		139	00	48	08
	417	00	18	72		117	00	09	21
	418	00	18	72		116	00	12	09
	386	00	04	32		100	00	05	18
	377	00	15	55		187	00	00	72
	376	00	14	98		87	00	33	26
	378	00	06	34		89	00	33	26
	375	00	10	94		76	00	45	50
	371	00	04	03		75	00	58	75
	374	00	18	58		73	00	93	74
	373	00	40	47		84	00	63	07
	363	00	14	97		57	00	13	96
	350/1	00	10	37		50	00	15	69
	347/1	00	18	58		56	00	39	17
	846	00	21	31	बिद्ध				
	327	00	04	32		366	00	52	49
	309	00	00	50		365	00	04	61
	310	00	40	90		364	00	22	46
	313	00	12	10		363	00	02	30
मुलियावास	210	00	08	64		291/1	00	13	93
	201	00	00	40		328	00	02	30
	212	00	21	02		327	00	82	52
	214	00	34	27		296	00	11	52
	207	00	04	32		326	00	12	67
	200	00	48	54		297	00	83	96
	199	00	33	41		303/2	00	55	05
	198	00	11	23		305	00	45	50
	197	00	16	30		282	00	04	03
	173	00	02	30		274/1	00	15	84
	196	00	00	40		274/2	00	35	61
	164	00	25	92		274/3	00	73	88
	160	00	67	97		274/4	00	31	39
	102	00	02	30		260	00	02	88
	64	00	16	13		242	00	10	66
	63	00	28	38		243/4	00	26	95
	62	00	37	44	मोरिया				
	69	00	28	80		120	00	35	44
	57	00	02	10		121	00	18	14
मुलियावास	54	00	28	80		119	00	10	66
	53	00	02	50		124	00	56	04
	18	00	30	10		80	00	07	20
	16	00	32	26		70	00	92	89
	15	00	82	94		67/1	00	01	50
	7	00	24	77		69/2	00	40	18
	6	00	03	46		54	00	01	72
	4	00	05	18		35	00	11	81
	1	00	42	20		41	00	42	62
आटेला						43	00	57	90
	164	00	00	72		33	00	02	88

1	2	3	4	5
	6/1	00	68	80
सोमार् लाखा सिंगारी				
	142	00	13	42
	98	00	29	96
	97	00	24	44
	96	00	26	79
	95	00	16	14
	71	00	04	08
	86	00	75	76
	84	00	29	39
	80	00	13	78
	79	00	01	15
	47	00	02	32
	41	00	06	92
	42	00	01	74
	44	00	73	73
	28	00	00	58
बुगर पुर				
	323	00	01	16
	296	00	02	39
	284	00	02	89
	295	00	66	53
	293	00	54	72
	292	00	25	92
	291	00	12	96
	290	00	02	31
	289	00	00	35
	288	00	74	31
	31	00	64	23
	30	00	29	38
	28	00	02	34
	26	00	32	55
बुहली				
	108	00	88	41
	106	00	49	25
	102	00	14	98
	101	00	01	73
	97	00	33	12
	96	00	95	61
	94	00	02	30
	93	01	23	55
	90	00	01	73
	89	00	01	73
	88	00	04	89
	40	00	42	35
	39	00	02	30
	38	01	96	60
मीमली पटलान				
	140	00	44	64
	141	00	79	78
	142	00	17	57
	134	00	28	80
	143	00	13	55
	133	00	24	77
	132	00	07	78
	131	00	72	06

S.O. 2853.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab (Via Rajasthan & Haryana States) and Kot to Jodhpur in the State of Rajasthan, pipeline should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of pipeline under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines, A-30, Sen Colony, Bani Park, Jaipur.

And every person making such an objection shall also State specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Pali	District : Pali	State : Rajasthan			
Name of Village	Survey No.	Area			
		Hec- tare	Ar-a Sq.	Sq. Mtrs.	
1	2	3	4	5	
Mandal	369	00	49	54	
	388	00	08	35	
	395	00	18	80	
	386	00	03	18	
	379	00	02	02	
	380	00	62	82	
	384	00	27	36	
	381	00	15	06	
	387	00	10	95	
	393	00	08	06	
	219	00	42	62	
	216	00	01	73	
	214	00	22	46	
	215	00	31	39	
	160	00	05	47	
	70	00	69	98	
	73	00	43	49	
	77	00	20	45	
	95	00	14	69	
	100	00	60	77	
Gurha Khroni	101	00	74	59	
	105	00	23	62	
	14	00	02	02	
	3	01	03	97	
	4	00	00	58	
	113	00	31	67	
	122	00	04	32	
	119	00	50	10	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Gurha Khooni (Contd.)					Gurha Enila (Contd.)				
	118	00	45	49					
	133	00	28	80		1467	00	17	57
	131	00	01	74		1492	00	31	10
	38	00	00	57		1493	00	31	68
	37	00	57	00		1499	00	50	11
	36	00	33	39		1496	00	40	61
	26	00	03	45		1497	00	08	07
	35	00	12	09		675	00	51	55
	31	00	89	55		671	00	07	49
	134	00	07	48		667	00	36	87
	142	00	07	48		664	00	18	72
Balrai	391	00	65	66		683	00	22	47
	390	00	00	29		663	00	18	72
	394	00	03	75		660	00	32	26
	395	00	08	65		659	00	17	57
	381	00	07	20		657	00	03	17
	335	00	24	48		678	00	28	80
	334	00	23	92		675	00	36	58
	330	00	01	16		374	00	14	11
	331	00	30	82		348	00	06	63
	329	00	17	28		347	00	07	78
	328	00	17	85		346	00	11	81
	327	00	03	48		342	00	88	13
	321	00	06	06		341	00	06	05
	317	00	01	73		44	00	16	42
	316	00	38	59		43	00	15	28
	304	00	01	73		47	00	03	76
	299	00	53	58		48	00	30	53
	295	00	52	13		52	00	36	29
	337	00	05	76		53	00	10	66
	247	00	10	66		56	00	06	63
	248	00	00	58		59	00	32	26
	249	00	08	06		60	00	26	52
	257	00	28	52		61	00	25	63
	256	00	02	30		62	00	18	72
	255	00	44	93		63	00	14	12
	261	00	02	88		64	00	12	96
	236	00	12	96		75	00	24	48
	235	00	05	76		74	00	21	89
Koorwa	67	00	31	40		77	00	27	66
	68	00	01	73		78	00	09	22
	66	00	18	72		79	00	24	48
	63	00	63	24		80	00	32	26
	70	00	43	20		24	00	07	78
	73	00	17	28	Koorha	2098	00	02	01
	76	00	67	68		2094	00	38	58
	75	00	07	78		2093	00	01	15
	44	00	29	37		1384	00	02	30
	45	00	49	54		1383	00	38	48
	49	00	02	88		1380	00	01	73
	08	00	58	47		1381	00	40	32
	06	00	06	33		1382	00	67	96
	12	00	00	58		1389	00	91	86
	05	00	02	02		2025	00	01	73
	04	00	02	02		1428	01	30	46
	13	00	02	31		2018	00	03	45
	15	00	28	51		1478	00	33	98
	17	00	01	15		1479	00	35	42
	105	00	02	31		1481	00	00	58
Gurha Endia	106	00	14	11		1480	00	11	80
	108	00	4	54		1499	00	05	18
	1478	00	14	11		1537	00	00	28
	1480	00	48	68		1536	00	10	65
	1481	00	02	60		1535	00	15	26
	1578	00	20	74		1534	00	08	92
	1484	00	29	67		1521	00	04	03

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Korwa (Contd.)	150	00	00	58	Bala (Contd.)	63	00	27	65
	1522	00	12	38		69	00	00	86
	1523	00	15	26		65	00	77	18
	1525	00	02	30		72	00	02	02
	1524	00	00	29		73	00	00	86
	1516	00	12	38		78	00	48	10
	1544	00	02	30		77	00	23	62
	635	00	09	21		82	00	02	02
	638	00	31	10		16	00	40	03
	629/1	00	01	44		15	00	44	65
	629	00	26	21		14	00	47	81
	627	00	03	17		13	00	50	40
	628	00	22	75					
	551	00	01	73	Madri	83	00	00	50
	410	00	01	15		81	00	35	52
	419	00	01	73		82	00	67	52
	421	00	57	31		75	00	53	31
	424	00	14	69		76	00	20	16
	425	00	00	58		70	00	53	73
	426	00	18	14		69	00	30	68
	427	00	11	81		62	00	02	88
	431	00	27	65		60	00	04	90
	438	00	33	41		59	00	22	17
	439	00	01	15		53	00	25	06
	414	00	11	81		56	00	02	30
	410	00	08	35		58	00	80	37
	411/1	00	60	77		42	00	25	92
	411	00	07	49		40	00	14	68
	389	00	02	88		41	00	23	04
	380	00	11	81		39	00	20	89
	370	00	36	58		33	00	24	77
	367	00	10	37		34	00	08	64
	376	00	16	42		32	00	06	84
	372	00	06	34		28	00	11	81
	375	00	00	86		27	00	61	70
	374	00	18	72		29	00	02	30
	329	00	01	73		26	00	02	38
	338	00	19	87		16	00	01	60
	340	00	32	83		15	00	33	70
	309	00	27	36		14	00	41	47
	308	00	12	67					
	306	00	04	61	Dayal Pura	216	01	67	80
	302	00	02	31		736/216	00	35	66
	297	00	11	81		187	00	35	58
	296	00	23	33		186	00	50	84
	292	00	02	30		185	00	48	54
	291	00	22	18		184	00	05	76
	289	00	18	72		183	00	94	27
	290	00	17	72		182	00	01	50
	287	00	09	22		181	00	06	34
	284	00	02	30		157	00	02	30
	01	00	09	79		65	00	53	58
	73	00	01	15		66	00	13	25
	74	00	02	88		67	00	04	03
Bala	192	02	02	46		69	00	32	26
	201	00	04	32		33	00	28	80
	202	00	92	45		34	00	26	50
	212	00	03	17		35	00	04	61
	101	00	52	99		47	01	70	08
	97	00	21	32		46	00	09	22
	96	00	70	27		49	00	02	30
	91	00	04	32		50	00	07	20
	94	01	35	36		319	00	12	96
	88	00	03	75		345	00	26	36
	60	00	22	46		350	00	01	50
	62	00	66	24		348	00	27	65

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Roopawas	548	00	21	71	Chatelao (Contd.)	76	00	45	50
	547	01	30	94		75	00	58	75
	573	00	02	88		73	00	93	74
	407	00	27	65		54	00	63	07
	408	00	20	16		57	00	13	96
	420	00	17	86		50	00	15	69
	419	00	28	95		56	00	39	17
	417	00	18	72	Beechoo	366	00	52	49
	418	00	18	72		365	00	04	61
	386	00	04	32		364	00	22	46
	377	00	15	55		363	00	02	30
	376	00	14	98		291/1	01	13	93
	378	00	06	34		328	00	02	30
	375	00	10	94		327	00	82	52
	371	00	04	03		296	00	11	52
	374	00	18	58		326	00	12	67
	373	00	40	47		297	00	83	96
	363	00	14	97		303/2	00	55	05
	350/1	00	10	37		305	00	45	50
	347/1	00	18	58		282	00	04	33
	346	00	21	31		274/1	00	15	84
	327	00	04	32		274/2	00	35	61
	309	00	00	50		274/3	00	73	88
	310	00	40	90		274/4	00	31	39
	313	00	12	10		260	00	02	88
Mullyawas	210	00	08	64		242	00	10	66
	201	00	00	40		243/4	01	26	95
	212	00	21	02	Moriya	120	00	35	44
	214	00	34	27		121	00	18	14
	207	00	04	32		119	00	10	66
	200	00	48	54		124	00	56	04
	199	00	33	41		80	00	07	20
	198	00	11	23		70	00	92	89
	197	00	16	30		67/1	00	01	50
	173	00	02	30		69/2	00	40	18
	196	00	00	40		54	00	01	72
	164	00	25	92		35	00	11	81
	160	00	67	97		41	00	42	62
	102	00	02	30		43	00	57	90
	64	00	16	13		33	00	02	88
	63	00	28	38		6/1	01	68	80
	62	00	37	44	Sonai Lakha Singari	142	00	13	42
	69	00	28	80		98	00	29	96
	57	00	02	10		97	01	24	44
	54	00	28	80		96	00	26	79
	53	00	02	50		95	00	16	14
	18	00	30	10		71	01	04	08
	16	00	32	26		86	00	75	76
	15	00	82	94		84	00	29	39
	7	00	24	77		80	01	13	78
	6	00	03	46		79	00	01	15
	4	00	05	18		47	00	02	32
Chatelao	1	00	42	20		41	00	06	92
	164	00	00	72		42	00	01	74
	168	00	94	43		44	00	73	73
	179	00	08	83		28	00	00	58
	169	00	24	48	Dungarpur	323	00	01	16
	155	00	89	28		296	00	02	89
	148	00	72	00		294	00	02	89
	147	00	02	88		295	00	66	53
	139	00	48	08		293	00	54	72
	117	00	09	21		292	00	25	92
	116	00	12	09		291	00	12	96
	100	00	05	18		290	00	02	31
	187	00	00	72		289	00	00	35
	87	00	33	26		288	00	74	31
	89	00	33	26		31	00	64	23

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Durgapur (Contd).	30	00	29	38	बिप्लव (जारी)	1458	00	07	92
	28	00	02	34		1407	00	15	84
	26	00	32	55		1456	00	18	54
Doodli	108	00	88	41		1432	00	03	24
	106	00	49	25		1409	00	10	04
	102	00	14	98		1411	00	26	28
	101	00	01	73		1414	00	15	48
	97	00	33	12		1413	00	08	64
	96	00	95	61		1415	00	11	16
	94	00	02	30		1416	00	17	10
	93	01	23	55		1417	00	09	72
	90	00	01	73		1406	00	07	56
	89	00	01	73		1405	00	01	80
	88	00	04	89		1401	00	02	34
	40	00	42	35		1341	00	02	16
	39	00	02	30		1343	00	02	16
	38	01	96	60		1344 1752	00	01	80
Ncembli Patolan	140	00	44	64		1344	00	23	04
	141	00	79	78		1346	00	03	14
	142	00	17	57		1345	00	23	40
	134	00	28	80		1354	00	21	24
	143	00	13	55		1356	00	18	18
	133	00	24	77		1357	00	22	68
	132	00	07	78		1360	00	18	36
	131	00	72	06		1361	00	02	88

[No. O—131015/9/89-OR-I]

का.प्र. 2854—यस: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में काठिया से पंजाब राज्य में भटिंडा (बाया राजस्थान व हरियाणा राज्य) एवम् राजस्थान राज्य में कोट से जोधपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाईन इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन, लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यस: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन्ट्रिप्राइज धनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रजित करना आवश्यक है।

यस: जब पैट्रोलियम और जलिय पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 80) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्रजित करने का अपना आशय एतद् द्वारा घोषित किया है।

जसमें कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिये आशेष सक्षम अधिकारी, इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड पाईप लाईन्स, एं 30, सेन कालोनी, बनीपार्क, जयपुर को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

धनुसूची

नहसील : बाली जिला : पाली राज्य : राजस्थान

पांव का तथ्य	पक्के मं.	हैक्टर	घर	बगीचा
बिप्लव	1712	01	38	68
	1711	01	22	22
	1461	00	27	00

1	2	3	4	5
1458	00	07	92	
1407	00	15	84	
1456	00	18	54	
1432	00	03	24	
1409	00	10	04	
1411	00	26	28	
1414	00	15	48	
1413	00	08	64	
1415	00	11	16	
1416	00	17	10	
1417	00	09	72	
1406	00	07	56	
1405	00	01	80	
1401	00	02	34	
1341	00	02	16	
1343	00	02	16	
1344 1752	00	01	80	
1344	00	23	04	
1346	00	03	14	
1345	00	23	40	
1354	00	21	24	
1356	00	18	18	
1357	00	22	68	
1360	00	18	36	
1361	00	02	88	
1362	00	07	92	
1365	00	03	60	
1244	00	11	70	
1242	00	27	26	
1239	00	05	76	
1211	00	01	08	
1206	00	16	58	
1207	00	69	28	
1202	00	03	24	
1200	00	13	14	
1199	00	15	12	
1156	00	16	40	
578	00	36	08	
555	00	00	20	
566	00	07	32	
567	00	01	32	
568	00	24	66	
564	00	00	90	
562	00	21	24	
561	00	07	20	
510	00	25	06	
511	00	00	40	
1721/510	00	01	32	
514	00	20	28	
436	00	01	08	
426	00	24	12	
427	00	36	08	
382	00	23	40	
392	00	00	72	
381	00	80	28	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
धानी						237	00	08	64
	903	01	01	12		234	00	10	08
	900	00	18	36		223	00	03	60
	901	00	31	22		78	00	05	04
	891	00	01	44		79	00	15	12
	870	00	28	08		80	00	36	36
	867	00	00	30		83	00	15	03
	864	00	15	30		97	00	02	16
	872	00	05	40		98	00	21	60
	873	00	22	14		99	00	27	00
	836	00	02	52		72	00	15	92
	832	00	38	02		100	00	03	96
	807	00	03	24		36/797	00	05	94
	803	00	07	36		36	00	11	34
	801	00	09	72		34	00	00	40
	791	00	02	52		35	00	07	88
	687	00	19	44		33	00	16	20
	683	00	22	48		24	00	79	20
	691	00	01	68		23	00	16	92
	682	00	01	80		451	00	01	44
	692	00	10	08		462	00	43	20
	693	00	14	04		461	00	23	94
	694	00	10	44		460	00	20	34
	657	00	01	44		459	00	24	48
	591	00	13	50		458	00	13	12
						457	00	10	62
धानी	592	00	04	32					
	590	00	16	56					
	586	00	07	92					
	585	00	10	08	कनपुरा	57	00	20	16
	597	00	05	12		38	00	28	54
	598	00	03	30		59	00	29	70
	596	00	00	20		60	00	18	90
	602	00	09	88		109	00	19	54
	603	00	06	66		87	00	00	70
	601	00	13	98		86	00	16	86
	604	00	02	22		65	00	01	44
	605	00	11	34		13	00	91	40
	622	00	14	40		7	00	01	80
						6	00	11	16
						4	00	07	57
दांतीबाहा	377	00	09	00					
	376	00	08	12					
	338	00	16	92					
	322	00	03	16					
	321	00	29	16	कोट बालिया	1016	00	03	04
	327	00	48	24		966	00	48	70
	336	00	30	24		967	00	00	90
	313	00	11	34		969	00	03	24
	292	00	01	80		971	00	10	80
	289	00	09	54		970	00	02	16
	290	00	16	36		972	00	00	30
	291	00	00	40		973	00	15	48
	288	00	02	88		974	00	00	80
	287	00	07	20		968	00	03	60
	239	00	06	30		1002	00	05	04
	236	00	20	34		740	00	05	76

1	2	3	4	5
कोटवालिया (जारी)	741	00	42	22
	748	00	02	16
	749	00	02	16
	677	00	02	52
	676	00	11	52
	679	00	10	08
	674	00	13	68
	672	00	16	20
	671	00	10	80
	670	00	01	08
	615	00	10	80
	582	00	05	76
	583	00	02	16
	584	00	08	64
	591	00	00	72
	590	00	18	82
	589	00	20	16
	588	00	06	84
	595	00	14	40
	587	00	02	70
	380	00	01	44
	394	00	12	60
	388	00	04	68
	389	00	09	00
	390	00	09	36
	391	00	00	36
	386	00	10	08
	384	00	00	45
	385	00	25	92
	308	00	01	80
	306	00	08	64
	303	00	13	68
	302	00	02	88
	301	00	07	20
	297	00	12	96
	298	00	00	30
	291	00	11	88
	292	00	15	23
	287	00	00	25
	288	00	03	60
	289	00	06	48
	221	00	01	44
	182	00	16	92
	181	00	03	60
	145	00	06	48
	117	00	00	72
	116	00	15	48
	124	00	12	60
	126	00	12	96
	129	00	06	48
	130	00	05	76
	131	00	06	48
	132	00	06	48

1	2	3	4	5
	134	00	05	76
	135	00	06	84
	136	00	06	48
	137	00	06	48
	141	00	03	60
	142	00	11	16
	143	00	08	64
	144	00	07	92
	146	00	03	60

[सं. मो.--31015/9/89/मो मार-I]

S.O. 2854.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab (Via Rajasthan & Haryana States) and Kot to Jodhpur in the State of Rajasthan, pipeline should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of pipeline under the land to the Competent Authority Indian Oil Corporation Limited, Pipeliner, A-30, Sen Colony, Bani Park, Jaipur.

And every person making such an objection shall also State specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Bali District : Pali State : Rajasthan				
Area				
Name of Village	Survey No.	Hectare	Acre	Sq. Mctrs.
1	2	3	4	5
Khimel	1712	01	38	68
	1711	01	22	22
	1461	00	27	00
	1458	00	07	92
	1407	00	15	84
	1456	00	18	54
	1432	00	03	24
	1409	00	10	04
	1411	00	26	28
	1414	00	15	48
	1413	00	08	64

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Khimel (Cont.)	1415	00	11	16		682	00	01	80
	1416	00	17	10		692	00	10	08
	1417	00	09	72		693	00	14	04
	1406	00	07	56		694	00	10	44
	1405	00	01	80		657	00	01	44
	1401	00	02	34		591	00	13	50
	1341	00	02	16		592	00	04	32
	1343	00	02	16		590	00	16	56
	1344/1752	00	01	80		586	00	07	92
	1344	00	23	04		585	00	10	08
	1346	00	03	14		597	00	05	12
	1345	00	23	40		598	00	03	30
	1354	00	21	24		596	00	00	20
	1356	00	18	18		602	00	09	88
	1357	00	22	68		603	00	06	66
	1360	00	18	36		601	00	13	98
	1361	00	02	88		604	00	02	22
	1362	00	07	92		605	00	11	34
	1365	00	03	60		622	00	14	40
	1244	00	11	70					
	1242	00	27	26	Dantiwara	377	00	09	00
	1239	00	05	76		376	00	06	12
	1211	00	01	08		338	00	16	92
	1205	00	16	56		322	00	03	16
	1207	00	69	28		321	00	29	16
	1202	00	03	24		327	00	48	24
	1200	00	13	14		336	00	30	24
	1199	00	15	12		313	00	11	34
	1156	00	16	40		292	00	01	80
	578	00	36	08		289	00	09	54
	555	00	00	20		290	00	16	36
	566	00	07	32		291	00	00	40
	567	00	01	32		288	00	02	88
	565	00	24	66		287	00	07	20
	564	00	00	90		239	00	06	30
	562	00	21	24		236	00	20	34
	561	00	07	20		237	00	08	64
	510	00	25	06		234	00	10	08
	511	00	00	40		223	00	03	60
	1721/510	00	01	32		78	00	05	04
	514	00	20	28		79	00	15	12
	436	00	01	08		80	00	36	36
	426	00	24	12		83	00	15	03
	427	00	36	08		97	00	02	16
	382	00	23	40		98	00	21	60
	392	00	00	72		99	00	27	00
	381	00	80	28		72	00	15	92
						100	00	03	96
Dhany	903	01	01	12		36/797	00	05	94
	900	00	18	36		36	00	11	34
	901	00	31	22		34	00	00	40
	891	00	01	44		35	00	07	88
	870	00	28	08		33	00	16	20
	867	00	00	30		24	00	79	20
	864	00	15	30		23	00	16	92
	872	00	65	40		451	00	01	44
	873	00	22	14		462	00	43	20
	836	00	02	52		461	00	23	94
	832	00	38	02		460	00	20	34
	807	00	03	24		459	00	24	48
	803	00	07	36		458	00	15	12
	801	00	09	72		457	00	10	62
	791	00	02	52					
	687	00	19	44	Kerapura	57	00	20	16
	683	00	22	48		58	00	28	54
	691	00	01	68		59	00	29	70

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Kerapura (Contd.)					Kot Baliya (Contd.)				
60	00	18	90		181	60	03	60	
109	00	19	54		145	00	06	18	
87	00	00	70		117	00	00	72	
86	00	16	86		118	05	15	48	
65	00	01	44		124	00	12	60	
13	00	91	40		126	00	12	96	
7	00	01	80		129	00	06	48	
6	00	11	16		130	00	05	76	
4	00	07	57		131	00	06	48	
Kot Baliya					132	00	06	48	
1016	00	05	04		134	00	05	76	
966	00	48	70		135	00	06	84	
967	00	00	90		136	00	06	48	
969	00	03	24		137	00	06	48	
971	00	10	80		141	00	03	60	
970	00	02	16		142	00	11	16	
972	00	00	30		143	00	08	64	
973	00	15	48		144	00	07	92	
974	00	00	80		146	00	03	60	
968	00	03	60						
1002	00	05	04		[No. O-31015/9/89-OR-I]				
740	00	05	76						
741	00	42	22						
748	00	02	16						
749	00	02	16						
677	00	02	52						
676	00	11	52						
679	00	10	08						
674	00	13	68						
672	00	16	20						
671	00	10	80						
670	00	01	08						
615	00	10	80						
582	00	05	76						
583	00	02	16						
584	00	08	64						
591	00	00	72						
590	00	18	82						
589	00	20	16						
588	00	06	84						
595	00	14	40						
537	00	02	70						
380	00	01	44						
394	00	12	60						
388	00	04	68						
389	00	09	00						
390	00	09	36						
391	00	00	36						
386	00	10	08						
384	00	00	45						
385	00	25	92						
308	00	01	80						
306	00	08	64						
303	00	13	68						
302	00	02	88						
301	00	07	20						
297	00	12	96						
298	00	00	30						
291	00	11	88						
292	00	15	23						
287	00	00	25						
288	00	03	60						
289	00	06	48						
221	00	01	44						
182	00	16	92						

का.आ. 2855—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला में एंजोत्र राज्य में भटिंडा (वाया राजस्थान व हरियाणा राज्य) एंजोत्र राजस्थान राज्य में कोट से जोधपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाय अन्तर्गामी में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अत्र पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड पाईपलाइन, ए 30, सेन कार्पोनी, बनीपार्क, जयपुर को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की माफ़त।

अनुसूची

नम्बर : केन्द्रीय	जिला : पाली	राज्य : राजस्थान		
गांव का नाम	पट्टे नं०	क्षेत्रफल		
		हैक्टर	और	वर्गमीटर
1	2	3	4	5
गानी खर्ह	276	00	22	60
	268	00	10	36
	269	00	07	85

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राजी खुर्द-बारी	201	00	01	69	पादरली-बारी	73	00	07	20
	202	00	01	69		74	00	21	60
	204	00	09	29		88	00	52	76
	203	00	26	92	पूनाडिया				
	197	00	28	50		470	00	01	60
	196	00	31	75		469	00	15	30
	195	00	19	73		468	00	14	56
राजी कला						467	00	29	96
	1199	00	04	32		50	00	00	32
	1197	00	03	60		89	00	00	51
	1198	00	00	72		466	00	01	62
	1202	00	09	00		465	00	02	34
	1203	00	18	94		103	00	29	88
	1195	00	02	88		104	00	00	28
	1190	00	29	96		102	00	00	72
	1189	00	21	54		105	00	17	54
	1194	00	00	64		101	50	12	14
	1188	55	00	16		117	00	12	14
	1184	00	16	06		115	00	14	30
	1177	00	02	16		129	00	04	00
	1025	00	61	10		217	00	08	86
	1024	00	47	96		216	00	06	18
	1037	00	22	02		219	00	03	04
	1046	00	53	72		220	00	07	18
	1051	00	08	93		221	00	06	43
	1052	00	08	03		213	00	04	32
	1053	00	09	29		222	00	10	24
	1054	00	08	75		224	00	09	36
	812	00	08	22		223	00	01	28
	788	50	27	40		225	00	11	52
	779	50	05	76		226	00	01	62
	788	00	06	48		275	00	06	81
	776	00	07	02		274	00	16	56
	775	00	08	82		272	00	01	00
	675	00	03	06		273	00	08	82
	674	00	20	24		271	00	09	36
	554	00	02	88		269	00	11	70
	575	00	61	24		270	00	25	20
	362	00	09	58		252	00	20	88
	361	00	20	00		249	00	03	78
बदवर	132	00	16	34		253	00	00	72
	121	55	06	50		248	00	19	44
	119	55	10	94		244	00	01	30
	118	00	10	20		245	00	06	48
	117	00	03	00		240	00	20	16
पादरली						237	00	14	76
	51	00	28	82		377	00	02	16
	53	00	21	86		381	00	19	44
	55	00	00	20		380	00	16	56
	52	00	00	15		382	00	00	48
	47	00	51	12					
	43	00	53	31					
	69	00	01	44					
	70	00	12	24					
	72	00	12	24					

S.O. 2855.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab (Via Rajasthan & Haryana States) and Kot to Jodhpur in the State of Rajasthan, pipeline should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of pipeline under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines, A-30, Sen Colony, Bani Park, Jaipur.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Desari District : Pali State : Rajasthan

Name of Village	Survey No.	Area		
		Hectare	Acre	Sq. Mtrs.
1	2	3	4	5
Rani Khurd	270	00	22	60
	268	00	10	36
	269	00	07	85
	201	00	01	69
	202	00	01	69
	204	00	09	29
	203	00	26	92
	197	00	28	50
	196	00	31	75
	195	00	19	73
	199	00	04	32
	1197	00	03	60
	1198	00	00	72
	1202	00	09	99
	1203	00	18	94
	1195	00	02	88
	1190	00	29	96
Rani Kalan	1189	00	21	54
	1194	00	00	64
	1188	00	00	16
	1184	00	16	06
	1177	00	02	16
	1015	00	61	10
	1014	00	47	96
	1037	00	22	02
	1046	00	53	72
	1051	00	08	93
	1052	00	08	03

1	2	3	4	5
Rani Kalan (contd.)	053	00	09	79
	1054	00	08	75
	812	00	08	12
	788	00	17	40
	779	00	05	76
	778	00	06	48
	776	00	07	07
	775	00	08	82
	675	00	03	06
	674	00	20	24
	584	00	04	88
	575	00	61	24
	362	00	09	58
	361	00	20	00
Doodāwar	122	00	16	34
	121	00	06	50
	119	00	10	94
	118	00	10	10
	117	00	03	00
Padarali	51	00	28	82
	53	00	21	86
	55	00	00	20
	52	00	00	15
	47	00	51	12
	43	00	53	31
	69	00	01	44
	70	00	12	24
	72	00	12	24
	73	00	07	20
Panadiya	74	00	21	60
	88	00	92	76
	470	00	01	60
	479	00	15	30
	468	00	14	56
	467	00	29	06
	90	00	00	32
	89	00	00	54
	466	00	01	62
	465	00	02	34
	103	00	29	88
	104	00	00	28
	102	00	00	72
	105	00	17	54
	101	00	12	14
	117	00	12	14
	115	00	14	30
	119	00	04	00
	217	00	08	86
	216	00	06	18
	219	00	03	04
	220	00	07	18
	221	00	06	48
	213	00	04	32
	222	00	10	24
	224	00	09	36
	223	00	04	28
	225	00	11	52
	226	00	01	62
	275	00	06	84
	274	00	16	36
	272	00	01	00
	273	00	08	82
	271	00	09	36
	269	00	11	70

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Palasia (Contd.)	270	00	25	20		237	00	14	76
	352	00	20	88		377	00	01	16
	49	20	03	78		381	00	10	44
	53	00	00	72		380	00	16	56
	48	00	19	44		382	00	00	48
	44	00	01	30					
	45	00	06	48					
	40	00	20	16					

[N.O.—3 015/9/89-OR-I]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर, 1990

का. अ. 2856 :—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथोरिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्त, का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति संक्षम प्राधिकारी गैस अथोरिटी आफ इण्डिया लिमि. के जी. बसीन प्रोजेक्ट, राजमंडी-533 103, आन्ध्र प्रदेश, में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोदावरी	मामीडीकुडुरु	नगराम	272	0.025	
			181	0.135	
			144	0.030	
			कुल	0.190 हेक्टे०	

[सं. ओ-14016/01/90 जी पी]

New Delhi, the 26th October, 1990

S.O. 2856.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka—Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (i) of the section 3 of the Petroleum & Minerals pipe-

lines (Acquisition of Right of user in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. K. G. Basin Project, Rajahmundry-533103, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Mamidi Kuduru	Nagarani	272	0.025	
			181	0.135	
			144	0.030	
			Total	0.030	

[No. O-14016/01/90-GP]

का. अ. 2857 :—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सूक्ष्म प्राधिकारी, गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमि. के.जी. बसीन प्रोजेक्ट, राजमंड्री-533 103, आन्ध्र प्रदेश, में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्ट./ एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोदावरी	मामीडीकुडुरु	मामीडीकुडुरु	7/1इ	0.260	
			कुल	0.260	हेक्टे.
					या
				0.642	एकड़

[सं. ओ.-14016/02/90-जी.पी.]

3.O. 2357.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka—Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (i) of the section 3 of the Petroleum & Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962

(50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. K. G. Basin Project, 29-7-1/3/1, Opp: Gowthami Library, Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Mamidi Kuduru	Mamidi Kuduru	7/1E	0.260	
Total				0.260 Hec.	

[No. O-14016/02/90-GP]

का.आ. 2858 :—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा विस्थापित किया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उक्त कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

वर्णित कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन विधान के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथारिटी ऑफ इण्डिया लिमि. के.जी. बसीन प्रोजेक्ट, राजमंड्री-533 103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मन करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	खेती नं.	क्षेत्रफल (इक्टे / एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोदावरी	मामीडीकुडुरु	ममरुत पट्टी	197	0.010	
			166	0.035	
			173	0.005	
			11	0.365	
			13	0.095	
			234	0.245	
कुल				0.755 हेक्टे.	

[सं. प्रो. — 14016/03/90-जीपी]

S.O. 2858.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka—Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (i) of the section 3 of the Petroleum & Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962

(50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. K. G. Basin Project, Rajahmundry-533103, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Mamidi Kuduru	Pasarla Pudl	197	0.010	
			166	0.035	
			173	0.005	
			11	0.365	
			13	0.095	
			244	0.245	
			Total	0.755 Hec.	

[No. O-14016/03/90-GP]

का.आ. 2859.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उम कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

वर्णित कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमि. के.जी. वसीन प्रोजेक्ट, राजमंड्री-533 103, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति का विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत व्यक्त करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे. / एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोदावरी	अस्लावरम	बोडसकूरु	320	0.005	
			317	0.020	
			301	0.010	
			कुल	0.035	हेक्टे.

[सं. आ. 14016/04/90-जी. पी.]

S.O. 2859.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka—Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (i) of the section 3 of the Petroleum & Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962

(5) of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. K. G. Basin Project, 29-7-1/3/1, Opp: Gowthami Library, Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area	Remarks
				(In Hect./ Acres)	
East Godavari	Allavaram	Bodasakurru	320	0.005	
			317	0.020	
			310	0.010	
			Total	0.035 Hec.	

[No. O-14016/04/90-GP]

का.ग्रा. 2860:—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि मार्वाजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिभूतता की नगरीय से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड के जी. वसीन प्रोजेक्ट, राजमंड्री-533 103, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति की विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि यह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यावसायिक के माध्यम से अपना मत व्यक्त करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोदावरी	अल्लावरम	अल्लावरम	345	0.030	
			264	0.135	
			कुल	0.165 हेक्टे.	

[सं. जो.-14016/05/90-जी.पी.]

S.O. 2860.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka—Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (i) of the section 3 of the Petroleum & Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962

(50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. K. G. Basin Project, 29-7-1/3/1, Opp. Gowthami Library, Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect/ Acres)	Remarks
East Godavari	Allavaram	Allavaram	345	0.030	
			264	0.135	
			Total	0.165	Hec.

[No. O-14016/05/90-GP]

का.आ. 2861—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वस्तुतः कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमि. के जी लेसीन प्रोजेक्ट, राजमंड्री-533 103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि आवश्यक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे / एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोदावरी	अमलापुरम	थन्डवापल्ली	52	0.325	
			43	0.060	
			कुल	0.385	हेक्टे

[सं. ओ.-14016/07/90जी.पी.1]

S.O. 2861.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka—Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (i) of the section 3 of the Petroleum & Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962

(50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd, K. G. Basin Project, Rajahmundry-533103, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

Distriot	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Amalepuram	Thandavapalli	57	0.325	
			43	0.060	
			Total	0.385	Hec.

[No. O-14016/07/90-GP]

वा.आ. 2862:—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-टाकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अगारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा विस्थापित किया जाय।

और यह भी अनुभव करती है कि उक्त कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के अनुच्छेद 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंजूरी घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी आफ इण्डिया लिमि. के.जी. बसीन प्रोजेक्ट, राजमंड्री-533 103 आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

अनुपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्र फन हक्टे/एकड़ में	विवरण
ईस्ट गोदावरी	अमलापुरम	वैनिचन्द्रवतापूडा	37	0.010	
कुल				0.010	हेक्टे.

[सं. आ. -14016/08/90-जी.पी.]

S.O. 2862—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka—Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (i) of the section 3 of the Petroleum & Minerals pipelines (Acquisition of Right of user in the land) Act, 1962

(50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. K. G. Basin Project, Rajahmundry-533103, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Amalapuram	Samanasa	37	0.010	
			Total	0.010	

[No. O-14016/08/90-GP]

का.आ. 2863 :—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

वशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमि. के. जी. बसिन प्रोजेक्ट, राजमंडी 533 103, आंध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं०	क्षेत्रफल (हेक्टे. एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट. गोदावरी	अमलापुरम	समानासा	11	0.045	
			15	0.085	
			16	0.090	
			2	0.030	
			कुल	0.250	हेक्टे.

[सं. ओ.-14016/09/90-जी.पी.]

S.O. 2863.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka—Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (i) of the section 3 of the Petroleum & Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962

(50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. K. G. Basin Project, 29-7-1/3/1, Opp: Gowthami Library, Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect. ' Acres)	Remark
East Godavari	Amalepuram	Samanasa	11	0.045	
			15	0.085	
			16	0.090	
			2	0.030	
			Total		0.250 Hec.

[No. O-14016/09/90-GP]

का.आ. 2864 :—जवकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाता है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्तते कि उक्ते भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमि. के.जी. बसीन प्राजेक्ट, राजमंड्री-533 103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति का विरोध रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

अनुपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं	क्षेत्रफल (हेक्टे. एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोवावरी	अमलापुरम	अमलापुरम	1035	0.085	
			1034	0.010	
			918	0.010	
			931	0.045	
			933	0.210	
					कुल

[सं. ओ.-14016/10/90-जी.पी.]

S.O. 2864—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka—Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (i) of the section 3 of the Petroleum & Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962

(59 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. K. G. Basin Project, Rajahmundry-533103, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner

SCHEDULE TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Amale puram	Amalepuram	1035	0.085	
			1034	0.010	
			918	0.010	
			931	0.045	
			933	0.210	
			Total	0.360 Hec.	

[No. O-14016/10/90—GP]

का.आ. 2865—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अपारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा विछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्तते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की मारीख में 21 दिनों के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अपारिटी आफ इण्डिया लिमि. के.जी. बसीन प्रोजेक्ट, राजमंड्री-533103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को विशेष रूप में निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रयत्न विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मन करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे. नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे. / एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोदावरी	अमलापुरम	भडनावल्ली	187	0.015	
			184	0.015	
			9	0.140	
			कुल	0.170	हेक्टे.

[सं. ओ.-14016/11/90-जी. पी.]

S.O. 2865.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka—Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (i) of the section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962

(50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention of acquire the Right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. K. G. Basin Project, Rajahmundry-533103, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area	Remarks
				In Hect/ Acres)	
East Godavari	Amalapuram	Bhatnavalli	187	0.015	
			184	0.015	
			9	0.140	
			Total	0.170 Hec.	

[No. O-14016/11/90 GP]

का.आ. 2866 :-जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उम कार्य के लिए इसके साथ संलग्न अनुसूची में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उम पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्तों कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमि. के.जी. बसीन प्रोजेक्ट, राजमंड्री-533103, आन्ध्र प्रदेश, में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोदावरी	आईनावल्लि	विलासा	172	0.060	
			170	0.148	
			169	0.215	
			173	0.075	
			कुल	0.598	हेक्टे.

[सं. ओ.-14016/13/90-जी.पी.]

S.O. 2866.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government

hereby declares its intention to acquire the Right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notifications object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd, K.G. Basin Project, 12/76, Prakash Nagar, Rajahmundry-533103; Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Inavalli	Vilasa	172	0.060	
			170	0.148	
			169	0.215	
			173	0.075	
			Total	0.598 Hect.	

[No. O-14016/13/90-GP]

का.आ. 2867:—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न अनुसूची में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्णन कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमि. के.जी. नसीब प्रोजेक्ट, राजमंड्री-533103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
ईस्ट गोदावरी	आईनावल्ली	मागाम	258	0.175	
			259	0.155	
			254	0.011	
			255	0.012	
			251	0.135	
			253	0.045	
			252	0.310	
			227	0.245	
			226	0.012	
			कुल	1.080 हेक्टे.	

[सं. ओ०-14016/14/90-जी०पी०]

S.O. 2867.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the

land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Gas Authority of India Ltd. K.G. Basin Project, Rajahmundry-533103, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Ayinavalli	Magam	258	0.175	
			259	0.155	
			254	0.011	
			255	0.012	
			251	0.135	
			253	0.045	
			252	0.310	
			227	0.254	
			226	0.012	
			Total	1.080 Hec.	

[No. O-14016/14/90-GP]

का.आ. 2868:—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथारिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा खिंचाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार) ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथारिटी ऑफ इण्डिया लिमि. के० जी० बसीन प्रोजेक्ट, राजमुंद्री-533103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोदावरी	अईनावल्ली	तोलरामूडी	16	0.060	
			29	0.003	
			30	0.001	
			31	0.085	
			176	0.025	
			175	0.005	
			180	0.005	
			187	0.040	
			कुल	0.224	हेक्टे.

[सं. ओ.-14016/15/90-जी.पी.]

S.O. 2868.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government

hereby declares its intention to acquire the Right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. K. G. Basin Project, 29-7-1/3/1, Opp. Gowthami Library, Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

TATIPAKA-KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (in Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Aiyanavalli	Tollaramudi	16	0.060	
			29	0.003	
			30	0.001	
			31	0.085	
			176	0.025	
			175	0.005	
			180	0.005	
			187	0.040	
			Total	0.224 Hect.	

[No. O-14016/15/90-GP]

एस.ओ. 2869 :—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार) ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्त का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्णित कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमि. के.जी. बसीन प्रोजेक्ट, राजामुंड्री-533103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि भ्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोदावरी	अईनवल्ली	अईनवल्ली	73	0.320	
			75	0.120	
			कुल	0.440	हेक्टे.

[सं.ओ.-14016/16/90-जी.पी.]

S.O. 2869.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the

land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. K. G. Basin Project, Rajahmundry-533103, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Ayinavalli	Ayinavalli	73	0.320	
			75	0.120	
				0.440 Hect.	

[No. O-14016/16/90-G.P.]

का.आ. 2870:—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार) ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्तते कि उक्त भूमि में अपनी रूचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिमूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमि. के. जी. बसीन प्रोजेक्ट, 12/76 प्रकाश नगर, राजामुंड्री-533 103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोदावरी	पामरु	कोटीपल्ली	49	0.015	
			67	0.025	
			68	0.060	
			कुल	0.100 हेक्टे.	

[सं. ओ.-14016/17/90-जी. पी.]

S.O. 2870.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the

land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd, K. G. Basin Project, 29-7-1/3/1, Opp. Gowthami Library, Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Pamarli	Kotipalli	49	0.15	
			67	0.25	
			68	0.60	
			Total	0.100 Hect.	

[No. O-14016/17/90-G.P.]

का.आ. 2871 :—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमि. द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वसति कि उक्त भूमि में अपनी रूचि कर रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति मक्षग प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमि. के.जी. बसीन प्रोजेक्ट, 12/76 प्रकाश नगर, राजमंड्री-533 103, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्याक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
1	2	3	4	5	6
ईस्ट गोदावरी	पामरु	कोटा	40	0.125	
कुल				0.125	हेक्टे.

[सं० ओ.-14016/19/90-जी. पी.]

S.O. 2871.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government

hereby declares its intention to acquire the Right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd, K.G. Basin Project, 29-7-1/1, Opp. Gowthami Library; Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Pamaru	Kota	40	0.125	
Total				0.125 Hect.	

[No. O-14016/19/90-G.P.]

का.आ. 2872.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रधि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमि. के. जी. बसीन प्रोजेक्ट, राजमंड्री-533103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रत्यक्ष विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./एकड़ में)	विवरण
ईस्ट गोदावरी	राम चन्द्र पुरम	हसनबद	38	0.005	हेक्टे
			81	0.005	
			कुल	0.010	

[सं. ओ-14016/24/90-जी.पी.]

S.O. 2872.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the

land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd, K.G. Basin Project, 29-7-1/1, Opp. Gowthami Library; Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Ramachandrapuram	Hasanbada	38	0.005	
			81	0.005	
			Total	0.010 Hect.	

[No. O-14016/24/90-G.P.]

का.आ. 2873.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अनः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमि. के. जी. 0 बसिन प्रोजेक्ट राजमंड्री-533103, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विगेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
ईस्ट गोदावरी	रामचन्द्रपुरम	कन्दुलपालेम	42	0.032	
			34	0.069	
			कुल	0.101	हेक्टे.

[सं. ओ-14016/25/90-जी. पी.]

S.O. 2873.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government

hereby declares its intention to acquire the Right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd, K.G. Basin Project, 29-7-1/3/1, Opp. Gowthami Library; Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Ramachandrapuram	Kandulapalem	42	0.032	
			34	0.069	
			Total	0.101 Hect.	

[No. O-14016/25/90-G.P.]

का. अ. 2874.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उक्त कार्य के लिए इसके माध्यम संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वर्तते कि उक्त भूमि में अपनी सचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिनूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमि. के. जी. बसीन प्रोजेक्ट राजमंड्री-533103, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निदिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
ईस्ट गोदावरी	रामचन्द्रा पुरम	ऐनमबल	94	0.26.0	
			136	0.12.5	
			161	0.06.0	
			कुल	0.44.5	हेक्टे.

[सं. ओ-14016/27/90-जी.पी.]

S.O. 2874.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (i) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of users in the

land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd. K.G. Basin Project, 29-7-1/3/1, Opp. Gowthamj Library, Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	(In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Ramachandrapuram	Ewamadal	94	0.26.0	
			136	0.12.5	
			161	0.06.0	
			Total	0.445 Hect.	

[No. O-14016/27/90-G.P.]

का.आ. 2875 :—जबकि केंद्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पाइप एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया विधायित्व प्राप्त है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

वशात् कि उक्त भूमि में अपनी रूचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइपलाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमि. के. जी. बसीन प्रोजेक्ट, राज-मंड्री-533103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
ईस्ट गोदावरी	रामचन्द्रपुरम	ओदुरु	129	0.020	
			154	0.170	
			192	0.010	
			285	0.045	
			201	0.015	
			कुल	0.260	हेक्टे०

[सं. ओ-14016/29/90-जी.पी.]

S.O. 2875.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government

hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd, K.G. Basin Project, 29-7-1 '1, Opp. Gowthami Library; Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Ramachandrapuram	Odoru	129	0.020	
			154	0.170	
			192	0.010	
			285	0.045	
			201	0.015	
			Total	0.260 Hect.	

[No. O-14016/29/90-G.P.]

क्र. आ. 2876.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोजना ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उक्त पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

वर्णन कि उक्त भूमि में अपनी हवि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमि. के जी. वमीन प्रोजेक्ट, राजमंड्री-533103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकना है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रथवा विधि व्यवसायिक के माध्यम से अपना मन प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका-काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
ईस्ट गोदावरी	पेद पृडी	कन्ड्रेगुल	1	0.005	
			35	0.012	
				कुल 0.017	हेक्टे
[सं. ओ.—14016/34/90-जी. पी.]					

S.O. 2876.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government

hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd, K.G. Basin Project, 29-7-1/1, Opp. Gowthami Library; Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Pedapudi	Kandregula	1	0.005	
			35	0.012	
Total				0.017 Hect.	

का. आ. 2877.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाईनों में अश्वारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विनयणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोजन का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोजन का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोजन का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करता है।

वर्तते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथारिटी आफ इण्डिया लिमि. के. जी. वसीन प्रोजेक्ट, राजमंड्री-533 103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका—काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
ईस्ट गोदावरी	पेवपुरी	सहपुरम	208	0.015	
			267	0.185	
			268	0.045	
			कुल	0.245	हेक्टे.

[सं. ओ.—14016/35/90—जी. पी.]

S.O. 2877.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of users in the

land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd, K.G. Basin Project, 29-7-1/3/1, Opp. Gowtham Library Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Pedapudi	Sahapuram	208	0.015	
			267	0.185	
			268	0.045	
			Total	0.245 Hect.	

का. आ. 2878.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाइन के लिए टाटीपाका काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लिमि. के. जी. बसीन प्रोजेक्ट, राजनंदी - 533 103, आन्ध्र प्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका—काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
ईस्ट गोदावरी	पेदपुल्ली	कराकुवुरू	174	0.155	
			176	0.105	
			182	0.015	
			188	0.020	
			189	0.120	
			285	0.030	
			286	0.060	
			292	0.015	
कुल				0.520	हेक्टे.

[सं. ओ.—14016/37/90—जी. पी.]

S.O. 2878.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government

hereby declares its intention to acquire the Right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd, K.G. Basin Project, 29-7-1/3/1, Opp. Gowthami Library, Rajahmundry-533104, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE
TATIPAKA—KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Pedaperdi	Karakaduru	174	0.155	
			176	0.105	
			182	0.015	
			188	0.020	
			189	0.120	
			285	0.030	
			286	0.060	
			292	0.015	
			Total	0.520 Hect.	

[No. O-14016/37/90-G.P.]

का. आ. 2879. —जयकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम पदार्थ एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए टाटीपाका-काकीनाडा पाइप लाइन परियोजना के अन्तर्गत पाइप लाइन गैस अव्यारिटी ग्राफ्ट इण्डिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार) ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की संज्ञा की घोषणा करती है।

वर्तन कि उक्त भूमि में अपनी रूचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सख्त प्राधिकारी गैस अव्यारिटी ग्राफ्ट इण्डिया लिमिटेड के जी. वी. वसीन प्रोजेक्ट, राजामह्नी - 533 103, आन्ध्रप्रदेश में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रत्यक्ष विधि व्यवसायक के माध्यम से अपना मत करना चाहता है।

अनुसूची

टाटीपाका—काकीनाडा गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	ग्राम	मंथे नं.	क्षेत्रफल (हेक्टे./ एकड़ में)	विवरण
ईस्ट गोदावरी	मामालकोट	व्यानापूडी	92	0.300	
			64	0.110	
			कुल	0.410	हेक्टे.

[सं. ओ.—14016/63/90-जी. पी.]

S.O. 2879.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas through Tatipaka-Kakinada pipeline is to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying this pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land)

Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notifications object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd, K.G. Basin Project, Rajahmundry-533103, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

TATIPAKA-KAKINADA GAS PIPE LINE PROJECT

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (In Hect./ Acres)	Remarks
East Godavari	Samatkote	Boyanapudi	92	0.300	
			64	0.110	
			Total	0.410 Hect.	

[No. O-14016/63/90-G.P.]

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संचालन (पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग)

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1990

का.आ. 2880 —यतः केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहल-बम्बई से कैराग्राम तक (पाताल-गंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापूर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैराग्राम से माहल, बम्बई तक नेफथा के परिवहन के लिए दो पाइप-लाइन चेन्नूर पातालगंगा पाइप लाइन लिमिटेड, बम्बई द्वारा विद्यार्थी जानी चाहिए।

चौर अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों का विद्यार्थी के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अतः सूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितबध कोई व्यक्ति उस भूमि के नाचे पाइप लाइन विद्यार्थी के लिए आशेष रखन प्राधिकारी, चेन्नूर पातालगंगा पाइप लाइन प्रकल्प तथा पनवेल, सिडको सेक्टर नं. 11, प्लॉट नं. 12, तलमजला रोड नं. 10 जिला रायगड पेन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना का तारीख से 31 दिनों के भीतर कर सकेंगे।

और ऐसा आशेष हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करना कि क्या वह चाहता है कि उसको सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो। या किसी विधि-व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहल बम्बई से कैराग्राम तक पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापूर जिला रायगड (महाराष्ट्र पाइप लाइन विद्यार्थी के लिए।

ग्राम	सर्वे नंबर	हिस्सा नंबर	क्षेत्र	
	गट नंबर		हेक्टेर- आर-सेन्ट	
1	2	3	4	
ग्राम-कैरा	31	10 पैकी	00	04 00
तालुका-खालापूर	40	0 पैकी	00	00 00
जिला-रायगड	58	0 पैकी	00	12 80
राज्य-महाराष्ट्र	41	9 पैकी	00	11 59
	37	0 पैकी	00	11 20
	36	1 पैकी	00	06 40
	36	2 पैकी	00	01 00
	35	0 पैकी	00	25 60
	48	1 पैकी	00	19 25
	50	0 पैकी	00	06 00
	51	0 पैकी	00	01 00
	52	0 पैकी	00	26 00
	49	0 पैकी	00	03 20
	53	0 पैकी	00	06 40
	38	0 पैकी		
	41	9 पैकी	00	02 00
(एम.असय.डी.सी. रोड)				
पाताल गंगा नदी पार			00	22 00

[मं. पं.-32015/1/90-विन]

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 1st November, 1990

S.O. 2880.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur, District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 5 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217 State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur, District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No.		Area		
	Gat No.	Hissa No.	Hec-tare	Are	Centiare
Village Kaira	31	10 Part	00	04	00
Taluka—Khalapur	40	0 Part	00	02	00
District—Raigad	38	0 Part	00	12	80
State—Maharashtra	41	9 Part	00	11	50
	37	0 Part	00	11	20
	36	1 Part	00	06	40
	36	3 Part	00	01	00
	35	0 Part	00	25	60
	48	1 Part	00	19	25
	50	0 Part	00	06	00
	51	0 Part	00	01	00
	52	0 Part	00	36	00
	49	0 Part	00	03	20
	53	0 Part	00	06	40
	38	0 Part			
	41	9 Part	00	02	00
(MIDC Road)					
Patalganga - Part			00	22	00
River bed					

[No. P-32015/1/90-Dist.]

का.शा. 2880.—जहाँ, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहुल-बम्बई से कोराग्राम तक (पातालगांगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापूर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र)

तथा क्षेत्राग्राम से माहुल, बम्बई तक नेफ्था के परिवहन के लिए दो लाइन चेंबूर पातालगांगा पाईप लाईन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछानी जानी चाहिए।

और जहाँ यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्णित कि उक्त भूमि में हितवध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सूक्ष्म अधिकारी, चेंबूर पातालगांगा पाईप लाईन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सेक्टर नं. 11, प्लॉट नं. 12, तलम-जला, रोड नं. 16 जिला रायगड पिन कोड 410 217, राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेंगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या गवह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि-व्यवस्था की मार्फत।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मधबई से कोराग्राम तक (पातालगांगा औद्योगिक क्षेत्र खालापूर जिला रायगड राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन, बिछाने के लिये।

ग्राम	कुल संवर		क्षेत्र		
	कट संवर	हेक्टर आर सेंटार			
ग्राम—अंबिवली	33	1 पैकी	}	00	08
तालुकी—खालापूर	33	2 पैकी			00
जिला—रायगड	34	1 पैकी	}	00	07
राज्य—महाराष्ट्र	34	2 पैकी			50
	40	0 पैकी		00	02
	36	0 पैकी		00	07
	37	1 पैकी	}	00	15
	37	2 पैकी			00
	38	1 पैकी	}	00	13
	38	2 पैकी			00
	39	0 पैकी		00	01
	54	1 पैकी	}		
	54	2 पैकी			
	54	3 पैकी		00	13
	54	4 पैकी			00
	54	5 पैकी			
	50	1 पैकी		00	09
	52	0 पैकी		00	07
	51	0 पैकी		00	26
	49	0 पैकी		00	01
अंबिवली	48	1 पैकी	}	00	08
	48	2 पैकी			50
	48	3 पैकी			
	47	1 पैकी	}	00	08
	47	2 पैकी			00

1	2	3	4	1	2	3	4
				आंबवकी	197	1 पैकी	
	44	1 पैकी }			107	2 पैकी }	00 01 00
	44	1 पैकी }	00 11 00		107	3 पैकी }	
					128	1 पैकी }	
	70	1 पैकी }			128	2 पैकी }	
	70	2 पैकी }	00 05 50		128	3 पैकी }	
					128	4 पैकी }	00 37 00
					128	5 पैकी }	
					128	6 पैकी }	
	56	1 पैकी }					
	56	2 पैकी }	00 10 00		129	0 पैकी }	00 08 00
					132	2 पैकी }	
	58	1 पैकी }			132	3 पैकी }	00 06 00
			00 15 00		132	5 पैकी }	
	58	2 पैकी }			132	4 पैकी }	00 29 00
					50	पैकी }	
	59	0 पैकी }	00 04 00		51	पैकी }	00 02 00
	71	1 पैकी }			52	पैकी }	
			00 05 00			(एच ओ सी रास्ता)	
	71	2 पैकी }				59 पैकी }	00 02 00
						70 1,2 पैकी }	
	72	0 पैकी }	00 07 00			(दांड वुपाडे रोड)	
	73	1 पैकी }			93 पैकी }		00 02 00
	73	2 पैकी }				(एम. आय. डी. सी. रोड)	
	73	3 पैकी }	00 18 00				
	73	2 पैकी }					
							[सं. पा. — 32015/2/90 वित्त]
	76	1 पैकी }	00 05 00				
	76	2 पैकी }					
	80	1 पैकी }	00 15 00				
	80	2 पैकी }					
आंबवकी	81	1 पैकी }	00 11 00				
	81	2 पैकी }					
	94	0 पैकी }	00 12 00				
	93	0 पैकी }	00 05 00				
	103	1 पैकी }	00 18 50				
	103	2 पैकी }					
	104	0 पैकी }	00 05 00				
	105	0 पैकी }	00 01 00				
	90	1 पैकी }					
	90	पैकी }					
	90	2 व पैकी }	00 01 00				
	90	3 पैकी }					
	112	0 पैकी }	00 01 00				
	111	1 पैकी }					
	111	2 पैकी }	00 27 00				
	111	2 पैकी }					
	111	1 पैकी }					
	119	0 पैकी }	00 02 00				
	124	1 पैकी }					
	124	2 पैकी }	00 27 00				
	109	0 पैकी }	00 02 00				
	125	0 पैकी }	00 16 00				
	126	0 पैकी }	00 01 00				

S.O. 2881.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul Bombay to village Kara in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur, District Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority, Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217 State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd Mahul Bombay to Village Kara in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No.	Hissa No.	Area
	Gat No.		Hec- tare Den- tiare
1	2	3	4
Village—Ambival	33	1 Part }	00 08 00
Taluka—	33	2 Part }	

	1	2	3	4	5	1	2	2	4	5	
Taluko—Khalapu	34	1 Part				Ambivai	125	0 Part	00	16	00
District—Raigad	34	2 Part	00	07	50		126	0 Part	00	01	00
State—	40	0 Part	00	02	00						
Maharashtra	36	0 Part	00	07	50		107-	1 Part			
	37	1 Part	00	13	00		107	2 Part	00	01	00
	37	2 Part					107	3 Part			
	38	1 Part	00	13	00						
	38	2 Part									
	39	0 Part	00	01	00						
	54	1 Part					128	1 Part			
	54	2 Part					128	2 Part			
	54	3 Part	00	13	00		128	3 Part	00	37	00
	54	4 Part					128	4 Part			
	54	5 Part					128	5 Part			
	54						128	6 Part			
	50	1 Part	00	09	00						
	52	0 Part	00	07	00		129	0 Part	00	08	00
	51	0 Part	00	26	00		132	2 Part			
	49	0 Part	00	01	00		132	3 Part	00	06	00
	49						132	5 Part			
Ambvas	48	1 Part									
	48	2 Part	00	08	50		132	4 Part	00	29	00
	48	3 Part					50				
	47	1 Part					51		00	02	00
	47	2 Part	00	08	00		52				
	44	1 Part	00	11	00		(H.O.C. Road)				
	44	2 Part									
	70	1 Part	00	05	50		59				
	70	2 Part					70	1, 2 Part	00	02	00
	56	1 Part	00	10	00			(Dand Turade Road)			
	56	2 Part									
	58	1 Part	00	15	00		93	Part	00	02	00
	58	2 Part					(MIDC Road)				
	59	0 Part	00	04	00						
	71	1 Part	00	05	00						
	71	2 Part									
	72	0 Part	00	07	20						
	73	1 Part									
	73	2 Part	00	18	00						
	73	2 Part									
	73	2 Part									
	76	1 Part	00	05	00						
	76	2 Part									
	80	1 Part	00	15	00						
	80	2 Part									
	81	1 Part	00	11	00						
	81	2 Part									
Ambivali	94	0 Part	00	12	00						
	93	0 Part	00	05	00						
	103	1 Part	00	18	50						
	103	2 Part									
	104	0 Part	00	05	00						
	105	0 Part	00	01	00						
	90	1 Part									
	90	2A Part									
	90	2B Part	00	01	00						
	90	3 Part									
	112	0 Part	00	01	00						
	111	1 Part									
	111	2 Part	00	24	00						
	111	3 Part									
	111	4 Part									
	119	0 Part	00	02	00						
	124	1 Part	00	27	00						
	124	2 Part									
	109	0 Part	00	02	00						

[No. P-32015/2/90-Dist.]

का घा यत 2882. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रो-लियम कारपोरेशन लिमिटेड रिकान्टरी माहूल बम्बई से कैराग्राम तक पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापूर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र तथा कैराग्राम से माहूल बम्बई तक मेकथा के परिवहन के लिए दो पार्सि लाइन चेंबूर पातालगंगा पार्सि लाइन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एवता उपायक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलीयम और खनिज पार्सि लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रयत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है।

वर्णन कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पार्सि बिछाने के लिए आक्षेप संक्षम प्राधिकारी, चेंबूर पातालगंगा पार्सि लाइन प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, नाट नं. 12, तलमजला रोड नं. 16 जिला रायगड पिन कोड 410 217 राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों से भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मन्वाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की सार्फत।

[No. P-32015/2/90-Dist.]

का मा यत 2882 —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रो-लियम कारपोरेशन लिमिटेड रिकानरी माहूल बम्बई से कैराग्राम तक पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापूर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र तथा कैराग्राम से माहूल बम्बई तक मेकधा के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन जेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन लिमिटेड, बम्बई द्वारा बिछायी जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एवता उपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है।

वर्णन कि उक्त भूमि में हितवध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, जेंबूर पातालगंगा पाईप लाइन्स प्रकल्प नया पनवेल, सिडको सैक्टर नं. 11, लाट नं. 12, तलमजला रोड नं. 16 जिला रायगड पिन कोड 410 217 राज्य महाराष्ट्र को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों से भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मूल्वाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी बिधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड माहुल मुवई से कैरा
ग्राम तक (पतालगांग, औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर जिला रायगड
राज्य महाराष्ट्र) पाईप लाईन बिछाने के लिए ।

सर्वे नंबर		हिस्सा नंबर		क्षेत्र	
गट नंबर		हेक्टेयर		ग्रा. सेन्टेयर	
1	2	3	4		
ग्राम—वासामे साहेपाडा 193	0 पैकी	00	09	60	
तालुका—खालार गावठाणा	पैकी	00	02	40	
जिला—रायगड					
राज्य महाराष्ट्र	4	1 पैकी	00	02	00
	3	0 पैकी	00	17	00
	2	0 पैकी	00	06	00
गावठाण	पैकी	00	15	20	
	192	0 पैकी	00	19	20
	190	0 पैकी	00	17	00
	189	1 पैकी	00	00	50
	189	2 पैकी	00	00	50
	58	3 पैकी	00	01	00
	59	1 पैकी	00	18	40
	59	2 पैकी	00	06	40
	59	3 पैकी	00	01	00
	59	4 पैकी	00	01	00
	59	0 पैकी	00	11	00
	56	0 पैकी	00	01	00
	60	0 पैकी	00	05	00
	55	1 पैकी	00	26	00
	55	2 पैकी			
	53	0 पैकी	00	01	00
	52	1 अ पैकी	00	07	00
वागवे (मोहापाडा)	47	0 पैकी	00	10	00
	46	0 अ पैकी	00	10	50
	52	1 पैकी	00	14	50
	44	1 पैकी	00	12	50
	44	2 पैकी			
	43	1 पैकी	00	05	60
	43	2 पैकी			
	39	0 पैकी	00	07	25
	39	0 पैकी	00	09	60
	42	0 पैकी	00	01	00
	34	1 पैकी	00	09	50
	33	0 पैकी	00	03	60
	31	5 पैकी	00	26	00
	31	3 पैकी	00	15	25
	23	4 पैकी	00	09	60
	22	8 पैकी	00	02	00
	22	4 पैकी	00	10	00
	22	3 पैकी	00	04	00
	22	1 पैकी	00	05	00
	22	1 पैकी	00	01	60
तालुका का	पैकी	00	00	50	
भाग					

[पं. फो-32015/3/ 90. वि. त्त]
पं. के. राजगोपालन, अवर. सचिव,

S.O. 2832.—Where it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Naptha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Maihul Bombay to village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khalapur, District-Raigad in Maharashtra State pipelines should be laid by the Chembur Patalganga Pipelines Ltd., Bombay;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the Land to the Competent Authority. Chembur Patalganga Pipelines Project having his Office at New Panvel (CIDCO) Sector No. 11, Plot No. 12, Ground Floor, Road No. 16, District Raigad, Pin Code-410217 State Maharashtra.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area Taluka Khala pur, District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No.	Hissa No.	Area		
			Gat No.	Hec-tare	Acre Centiare
1	2	3	4	5	
Village—	193	0 Part	00	09	60
Wasambe	Gavthan	Part	00	02	40
(Mohopada)	4	0 Part	00	02	00
Taluka—Khalepur	3	0 Part	00	17	00
District—Raigad	2	0 Part	00	06	00
State—	Gavthan	Part	00	15	20
Maharashtra	192	0 Part	00	19	20
	190	0 Part	00	17	00
	189	1 Part	00	00	50
	189	2 Part	00	00	50
	58	3 Part	00	01	00
	59	1 Part	00	18	40
	59	2 Part	00	06	40
	59	3 Part	00	01	00
	59	4 Part	00	01	00
	57	0 Part	00	11	00
	56	0 Part	00	01	00
	60	0 Part	00	05	00
	55	1 Part	00	26	00
	55	2 Part			
	53	0 Part	00	01	00
	52	1 A Part	00	07	00
	47	0 Part	00	10	00
	46	Part	00	16	50
	52	1A Part	00	14	50
	44	1 Part	00	12	50
	44	2 Part			
	43	1 Part	0	05	60
	43	2 Part			
	39	0 Part	00	07	25
	39	0 Part	00	09	60

1	2	3	4	5
Wasambe	42	0 Part	00	01
(Motapada)	34	1 Part	00	09
	33	0 Part	00	03
	31	5 Part	00	26
	31	3 Part	00	15
	23	2 Part	00	09
	22	8 Part	00	02
	22	4 Part	00	10
	22	3 Part	00	04
	22	5 Part	00	05
	22	1 Part	00	01
Out of Tank portion		Part	00	00
				50

[No. P-32015/3/90-Dist.]

P.K. RAJAGOPALAN, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 जून, 1990

का.आ. 2883:- अन्नक खान श्रमिक कल्याण निधि अधिनियम, 1946 (1946 का 22) की धारा 3 की उपधारा (4) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उन किसान-कलापों, जिनके लिए 31 मार्च, 1989 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान अन्नक खान श्रमिक कल्याण निधि से पैसा दिया गया था, पर रिपोर्ट तथा उस वर्ष का लेखा विवरण और वर्ष 1989-90 के लिए उक्त निधि की प्राप्तियों तथा व्यय का एक प्राक्कलन प्रकाशित करती है।

भाग-I.

1. सामान्य : अन्नक खान श्रमिक कल्याण निधि का गठन अधिनियम 1946 (1946 का 22) के अधीन किया गया है ताकि अन्नक खान उद्योग में नियोजित श्रमिकों के कल्याण के कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए पैसा दिया जा सके।

2. अधिनियम में ऐसी व्यवस्था है कि निर्धारित किए गये सभी अन्नक पर केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर सरकारी राजपत्र में प्रकाशित यथा मूल्य के अनुसार अधिकतम सीमा-शुल्क लगाने का अधिकार है लेकिन यह दर 6½% से अधिक नहीं होनी चाहिए। उपरर दर 15 जुलाई, 1974, से 2½% की पहली दर से बढ़ाकर यथा मूल्य 3½% कर दी गयी।

भाग-II

चिकित्सा :

अन्नक खानों में खनन कार्य में नियोजित श्रमिकों और उनके आश्रितों के लिए श्रम कल्याण संगठन द्वारा अनेक प्रकार की चिकित्सा सुविधायें नि-शुल्क उपलब्ध कराई जाती है। चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए पांच अस्पतालों आठ एम्बोथिक प्रौद्योगिकी, दो छोटे सामुदायिक प्रौद्योगिकी,

रो लघु सामुदायिक केंद्र प्रौद्योगिकी और ग्यारह आयुर्वेदिक प्रौद्योगिकी की व्यवस्था की गयी है। रिपोर्टीयन वर्ष के दौरान (अर्थात् 1988-89) में सभी प्रौद्योगिकी में कुल उपस्थिति 74271 थी जबकि अस्पतालों में औसत उपस्थिति 75742 थी। टी.वी. से पीड़ित अन्नक खानियों हेतु आवासीय उपचार योजना के अन्तर्गत 167 रोगियों को राहत प्रदान की गई। धानक और गन्नीर दुर्घटना लाभ योजना के अन्तर्गत दस कर्मचारियों को 4,775 रु. की राशि स्वीकृत की गयी।

आवास :

टाइप-1 आवास योजना के अन्तर्गत अन्नक खान के प्रबन्धकों को, मकान निर्माण हेतु 10,000 रु. (प्रति मकान) या कुल लागत का 75%, जो भी कम हो, की सहायता दी जाती है। इसके प्रतिरूप खान प्रबन्धकों को साधारण क्षेत्रों में निवास की वास्तविक लागत का 50% अथवा 2000 रु. इनमें से जो भी कम हो, और काली मिट्टी तथा उमरी मिट्टी वाले क्षेत्रों में विकास को वास्तविक लागत का 75% अथवा 2000/ रु। इनमें से जो भी कम हो, प्रति मकान की दर से दिया जाता है। रिपोर्टीयन वर्ष के दौरान, 10 मकानों के लिए मंजूरी दी गयी और इनके लिए 38,250 रु. की राशि दी गई। अन्नक मकान स्वयं बनावो योजना के अन्तर्गत अन्नक खानों में नियोजित पात्र कर्मचारियों को मकान बनावे के लिए 1000 रु. की आर्थिक सहायता और 4000 रु. का व्याज मुक्त ऋण दिया जाता है जिसे श्रमिक का मासिक किराये के रूप में 9 वर्ष में लौटाना होता है। इसे योजना के अन्तर्गत ऋण के रूप में 2000 रु. की धनराशि दी जाती है। द्वितीय वर्ष 1988-89 के दौरान इस योजना के अन्तर्गत एक मकान निर्माण और 92 मकानों की मरम्मत के लिए 42,600 की धनराशि स्वीकृत की गयी।

शैक्षिक और मनोरंजन सुविधायें

खानों में नियोजित कर्मचारियों के उन बच्चों को, जो स्कूलों या कालिजों में अध्ययन कर रहे हैं, प्रतिमाह 15 रु. से 125 रु. तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। वर्ष के दौरान 461 बच्चों का 1,53,312 रु. की आर्थिक सहायता दी गई। अन्नक खानों में नियोजित कर्मचारियों के 385 बच्चों को पुस्तकों, स्टेयों आदि की खरीद के लिए 6,154 रु. की धनराशि प्रदान की गयी। खान कर्मचारियों के 395 बच्चों को स्कूल की परी की ई और इस उद्देश्य के लिए 19,750 रु. की राशि स्वीकृत की गयी। 292 बच्चों को दोपहर का भोजन देने के लिए 32,050 रु. व्यय किया गया। मांडन (राजस्थान) के छात्रावास में 20 विद्यार्थियों को निशुल्क बोर्डिंग और लाइव सुविधा प्रदान की गयी।

चार खान प्रबन्धकों को एक-एक टेक्नीशियन सेट स्वीकृत किया गया जिसके लिए 40,000 रु. रिजीज किए गये। अन्नक खानियों और उनके परिवारों के मनोरंजन के लिए क्लब शो दिखाने में 63,120 रु० व्यय किये गये। अन्नक खानियों के लिए

एक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिस पर 9000 रु. खर्च किये गये।

पेय जल सुविधायें :

हालांकि खान कर्मकारों को जल आपूर्ति सुविधायें कराने के लिए योजना चल रही है लेकिन 1988-89 में किसी परियोजना की मंजूरी नहीं दी गयी थी।

भाग-III

अधक खान श्रम कल्याण निधि की प्राप्तियां, व्यय और शेष बची राशियां नीचे दी गई हैं :

(रु. लाखों में)

1 अप्रैल 1988 का आदिशेष	187.46
प्राप्तियां	149.13
व्यय	162.14
31 मार्च, 1989 की अन्तर्शेष	174.45

भाग-IV

वर्ष 1989-90 के लिए अनुमानित प्राप्तियां और व्यय निम्न प्रकार है :-

(रु. लाखों में)

अनुमानित प्राप्तियां	110.00
अनुमानित व्यय	201.50

[सं. जेड-16016/6/80-इक्यू-II]

वी.डी. नागर, अधक सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 6th June, 1990

S.O. 2883.—In pursuance of Sub-section (4) of Section 3 of the Mica Mines Labour Welfare Fund Act, 1946 (22 of 1946), the Central Government hereby publishes the following report on the activities financed from the Mica Mines Labour Welfare Fund during the year ending 31st March, 1989 together with a statement of accounts for the year and an estimate of receipt and expenditure of the said fund for the year 1989-90.

PART-I

1. General.—The Mica Mines Labour Welfare Fund has been constituted under the Mica Mines Labour Welfare Fund Act, 1946 (22 of 1946), for the financing of activities to promote the welfare of labour employed in the mica mining industry.

2. The Act provides for the levy of a duty of custom on all mica exported upto a maximum rate not exceeding 6-1/4 per cent ad valorem as may be fixed from time to time by the Central Government by publication in the Official Gazette. The rate of cess was enhanced to 3-1/2 per cent with effect from 15th July, 1974, from the previous rate of 2-1/2 per cent ad valorem.

PART-II

Medical.—Various types of medical facilities for mica workers and their dependents are provided free of cost by the Labour Welfare Organisation. Five hospitals, eight allopathic dispensaries, two small Community Central dispensary and eleven ayurvedic dispensaries have been set up for providing medical care. During the year under report (i.e. 1988-89) the total attendance in all dispensaries, was 74271 while the aggregate attendance in hospitals was 75742. Under the scheme for Domiciliary treatment of mica miners suffering from T.B. 167 patients were provided

relief. Ten workers were sanctioned a sum of Rs. 4,775 under the Fatal and Serious Accident Benefit Scheme.

Housing.—Under the Type-I Housing Scheme subsidy is payable to mica mine managements at the rate of Rs. 10,000 or 15% of the actual cost of construction per tenement whichever is less. In addition development charges are also payable at the rate of 50% of actual cost of development or Rs. 2,000, whichever is less, for ordinary self areas and 15% of actual cost of development or Rs. 2,000 whichever is less, for other colon/semi self areas. During the year under report, ten houses were sanctioned and an amount of Rs. 38,250 was released for this purpose.

Under the Build Your Own House Scheme financial assistance at the rate of Rs. 1,000 as subsidy and an interest free loan of Rs. 4,000, refundable in monthly instalments, spread over nine years is given to an eligible worker for construction of the house. A sum of Rs. 2,000 is given as loan under the scheme. During the financial year 1988-89 a sum of Rs. 42,000 was sanctioned for construction of one house and repair of 92 houses.

Educational and Recreational facilities.—Scholarships ranging from Rs. 15 to Rs. 125 per month are awarded to wards of miners studying in schools and colleges. During the year 161 children were awarded a sum of Rs. 1,53,312. An amount of Rs. 6,154 was provided to 385 children of mica miners for books, slates etc. 395 children of mica miners were provided uniforms and for this purpose a sum of Rs. 19,750 was sanctioned. Expenditure of Rs. 32,050 was incurred in providing mid-day meals to 292 children. 20 students were provided free boarding and lodging facilities at the Hostel at Mandal (Rajasthan).

Four mine managements were sanctioned a T.V. set each for which Rs. 40,000 was released. Expenditure amounting to Rs. 63,120 was incurred in organising exhibition of him shows for recreation of mica miners and their families. A sports meet was organised for mica miners for which Rs. 9,000 was spent.

Drinking Water Facilities.—Although schemes for providing water supply facilities to mine workers is operative no project was sanctioned in 1988-89.

PART-III

The receipts, expenditure and balances of the Mica Mines Labour Welfare Fund are as under :-

	(Rs. in lakhs)
Opening Balance as 1st April 1988	187.46
Receipts	149.13
Expenditure	162.14
Closing balance as on 31st March, 1989	174.45

PART-IV

The estimated receipts and expenditure for the year 1989-90 are as following :

	(Rs. in lakhs)
Estimated Receipts	110
Estimated Expenditure	201.50

V. D. NAGAR, Under Secy.
[No. Z-16016/6/89-W.II]

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1990

का. आ. 2884.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 15th October, 1990

S.O. 2884.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the

Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on 12-10-90.

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 92 of 1990

In the matter of dispute between :

Shri Santosh Kumar, through 510 P. C. Bajpari, 990-Block 'Y', Kidwai Nagar, Kanpur.

AND

Regional Manager, Bank of Baroda, Regional Office,
Gumti No. 5, 1st Floor, 118/330, Kaushalpuri,
Kanpur.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/316/89-D.II(A) dated 26-3-90 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the action of the management of Bank of Baroda in terminating the services of Shri Santosh Kumar, Ex-peon is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. In the present case 5-9-90 was the date fixed for filing of the claim statement, but the workman did not appear, despite issue of notice. In this case 7-5-90 was the first date for filing claim statement.

3. It appears that the workman is not interested in prosecuting the case and as such a no claim award is given against the workman.

4. Reference answered accordingly.

5-9-90

ARJAN DEV, Presiding Officer
[No. L-12012/316/89-D.II(A)]

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1990

का. मा. 2885—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबंध में नियोजन और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 17th October, 1990

S.O. 2885.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 10-10-90.

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 61/86

In the matter of dispute between :

Shri B. D. Tewari, Peon, through The General Secretary, Central Bank Staff Union, C/o Central Bank Building, Chandni Chowk, Delhi.

Versus

The Dy. General Manager, Central Bank of India, Link House, 4, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi.

APPEARANCES:

Shri Tara Chand Gupta—for the workman.
Shri D. D. Kapoor—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/302/85-D.II(A) dated 17th July 1980 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Central Bank of India, Delhi in refusing to accept the date of birth as 15-6-1928 and in retiring Shri B. D. Tewari, Peon with effect from 31-5-85 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. The present dispute was raised by the Union before the retirement of Shri B. D. Tewari workman on the refusal of the management to accept the date of birth of the said workman as 15-6-1928. The case was fixed for the additional evidence of the Management when the representative for the workman Shri Tara Chand Gupta as Chairman of the Central Bank Staff Union, Delhi filed an application that they were admitting the documents of the management and did not press the claim for correction of the date of birth. It was further prayed that No Dispute Award in the matter may be made.

3. In view of this application filed by the duly authorised representative I accept the application and No Dispute Award in this case is hereby passed. Parties are left to bear their own costs.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer
Central Govt. Industrial Tribunal, New Delhi

26th September, 1990.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer
No. L-12012/302/85-D.II(A)]
V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1990

का. मा. 2886—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th October, 1990

S.O. 2886.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Ahmedabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Life Insurance Corporation of India and their workmen, which was received by the Central Government.

ANNEXURE

BEFORE SHRI N. A. CHAUHAN, CENTRAL
INDUSTRIAL TRIBUNAL, AHMEDABAD

Reference (ITC) No. 2/89

Indian Life Insurance Corporation, Surat, 1st Party
Vs.

Its employees, C/o Surat Div. Ins. Emp. Union, Surat.

Typist Shri Gamit and Kum. Desai—Whether the action of the 1st Party of taking the work of clerical assistant from typist is just and legal.

JUDGMENT

1. The present reference regarding the industrial dispute between the parties was entrusted for adjudication to the

Industrial Tribunal at Ahmedabad, under order No. L-17012/33/87-D.4(A)/D-1(B) dated 10-1-89, by the Ministry of Labour, New Delhi, under Sections. 10(1)(g) and (2-6) of the Industrial Disputes Act, 1947, which will hereafter be referred to as the Act of 1947; which is allotted to us for processing.

2. The industrial dispute between the parties is such that typists Shri M. D. Gamit and Kuni J. M. Desai were made to work as clerical assistant by the 1st party corporation. Whether the said action is just and legal and, if not, to what relief the employees are entitled?

3. Notices were issued to the parties in this reference, on receipt of which, the Union submitted the statement of demands, vide Exh. 6. Thereafter, the 1st party, submitted the preliminary observation vide Exh. 10. In this matter, since thereafter the union remained absent, notice vide Regd. A.D., was issued to remain present on 16-1-90. Though this was served on the union, the union did not submit any proof by remaining present. Thereafter also in this reference many adjournments were given. But the union has not submitted any proof in support of the demand. As a result, since no proof is being submitted by the absence of the union, there is reason to believe that they have no interest in matter. Therefore, in this reference order as under remains to be passed.

ORDER

4. The demand is not being accepted since the union has not submitted any proof in support of their demand by remaining present, and thus this reference is being cancelled. No order is passed as to costs.

NARASINH CHAUHAN,
Central Industrial Tribunal
[No. L-17012/33/87-D.IV(A)]

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1990

का. मा. 2887—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन एयरलाइन्स, बम्बई के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं. 1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 15th October, 1990

S.O. 2887.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 12-10-1990.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Justice S. N. Khatri—Presiding Officer.

Reference No. CGIT-11 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri M. M. Verma, Advocate;
For the Workman—Shri S. M. Dharap, Advocate.

INDUSTRY : Airlines STATE : Maharashtra
Bombay, the 8th day of October, 1990

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, for adjudication :

"Whether the demands of Shri V. V. Satam, exporter on the management of Indian Airlines, Bombay, for re-instatement into service with full back wages and continuity of service, is justified? If yes, to what relief the concerned workman is entitled to and from what date?"

2. Most of the material facts are not in dispute. V. V. Satam (hereafter, the Workman) was initially in the employ of the Indian Airlines, Bombay (hereafter the Management) as a casual porter. He had also applied for recruitment as a regular porter. He was interviewed for the job on 22nd January 1980 and duly selected. He was offered the job, subject to his signing certain documents and being declared medically fit. After all the formalities were duly completed, the Workman joined the post on 6th May 1980. He was appointed on probation for six months. By an order dated 21st May 1980, the Management abruptly terminated the appointment of the Workman without assigning any reasons.

3. The Workman challenges the termination order as manifestly illegal and totally unjustified. He seeks reinstatement with continuity of service from 21st May 1980 and full back wages. The Management deny the claim by their written statement. They justify the termination on the ground that the Workman by mistake came to be appointed before his turn. As soon as the mistake was detected, the Management submit, his services were terminated to set the mistake right.

4. The focal question for decision is whether the Management were justified in terminating the services without any misconduct on the part of the Workman, when his appointment was on probation for six months. The Workman has filed his affidavit in support of his case, while one Salunke, Office Superintendent, has filed his in rebuttal on behalf of the Management. Both have been cross-examined. Salunke states that the Workman's ranking in the merit list prepared by the Selection Committee was 68. While the witness was on leave the letter of offer of the job came to issued wrongly to the Workman, Salunke detected the mistake on his return from leave. He affirms that he brought the error to the notice of the authorities, who issued the termination order to the Workman on 21-5-80. The Workman denies this; according to him, his services were terminated in order to make room for one Nirgun who ranked far behind him at serial number 158.

5. Salunke was not able to give in the cross-examination the name of the candidate who was wrongly displaced by the Workman. On this state of evidence I cannot persuade myself to conclude that the Management have successfully established the mistake alleged by them. This apart, even on the assumption that the Workman was appointed out of turn, I fail to see how the Management are justified in visiting him with the consequences of their unilateral mistake. The contract of service clearly provides for his appointment for six months on probation. A unilateral mistake of a party is by itself never a ground to render an agreement void or voidable : Section 22 of the Contract Act. It will be further seen from the provisions of section 26 of that Act, that before a mistake can render an agreement void, it has to be a mistake of both sides, and one affecting an essential aspect of the agreement. In other words, it is not open to the Management to take refuge behind their own unilateral mistake, particularly when the appointment was, for all ostensible as well as real purposes, in conformity with the requirements of the relevant Rules. The order of termination is ex-facie bad.

6. Here I pause a little to consider the effect of Nirgun's appointment, if any. The Management's case is that his appointment was made on compassionate grounds out of turn, because Nirgun's father who was in their employment as Driver had gone blind and was therefore retired. Now there is no evidence on these allegations relating to Nirgun. But

again assuming the allegations are true, I do not understand how the Management could be justified in abruptly terminating the services of the Workman, who had been already appointed on probation for six months. This question, however, need not detain us long, for the simple reason that Nirgun's appointment came off in September 1980, more than four months after the termination of the Workman's services. There does not seem to be any nexus between the two events. I leave the point here.

7. The Workman has taken an additional plea that the termination of his service is bad for Management's failure to comply with section 25-N of the Act. I do not think this provision can be pressed in aid by the Workman, inasmuch as although he had completed more than a year in his earlier job of a casual porter, he will be presumed to have voluntarily given it up on his joining the new job in the regular cadre. And in the new job he had worked only for a fortnight before the termination of his job. So technically section 25-N may not come to his help. However, this is neither here nor there, in view of my decision above that the order of termination is bad.

8. As a result, the Workman will have to be reinstated with continuity of service from 21-5-80. As regards back wages, the Workman has admitted in his cross examination that in 1984 he was taken back by the Management as Casual Porter and that for some time past, he has been working as Porter on a regular basis. He will, therefore, be entitled to full back wages, minus the wages he has already received for work done with the Management since 21-5-80. As regards costs, it will be seen that the Workman was required to approach the High Court and the reference to this Tribunal came to be made in compliance with the directions of that Court. It is only proper that the Management pay his costs also, which I quantify at Rs. 2000.

9. The action of the Management in terminating the services of the Workman with effect from 21st May 1980 is held to be illegal and unjustified. The Workman is directed to be reinstated in his post from 21st May 1980 with continuity of service. The Management shall also pay him full back wages, minus such amounts as he has already received from them for working as a Casual or regular Porter under them after 21st May 1980. The Management shall also pay Rs. 2000 to the Workman as his costs. The payment of the dues shall be made within two months of the publication of this Award by the Central Government. The amount that remains unpaid even beyond the aforesaid time-limit shall carry interest at the rate of 9% p.a. from that date till payment. Management shall bear their own costs as incurred. Award accordingly.

S. N. KHATRI, Presiding Officer
[No. L-11012(5)/83-D.II (B)/IR (Misc.)]

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1990

का. आ. 2888:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारत सोल्ड मार्टिन लि. के. जी. एक. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बंगलूर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 15-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 16th October, 1990

S.O. 2888.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bharat Gold Mines Limited, K.G.F. and their workmen, which was received by the Central Government on 15-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT AT BANGALORE

Dated 8th Day of October, 1990

PRESENT :

Shri M. B. Vishwanath, B.Ss., LL.B., Presiding Officer
Central Reference No. 35/90

I PARTY

Sri Anthony Doss
Rep. by the President
B.G. Miners' Association,
No. 545, Near Punjabi Line,
Oorgaum P.O.
K.G.F. 563 120.

II PARTY

The Managing Director
Bhart Gold Mines Limited
Oorgaum P.O.
KGF 563 120.

APPEARANCES :

For the I party—No Representation

For the II Party Sri T. Raja Ram,—Advocate.

AWARD

In this case the Hon'ble Central Government has been pleased to refer in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, the following point for adjudication vide its Order No. L-43012/23/89-IR (Misc.) dated 24-5-1990.

POINT OF REFERENCE

"Whether the management of B.G.M.L. is justified in not considering Sri Anthony Doss for promotion as Banksman in 'DX' grade. If not, to what relief is he entitled?"

2. The cause of the I party has been sponsored by the President, B.G. Miners' Association.

3. After the case was registered notices were issued from Bangalore to the I party. The President of the B.G. Miners' Association was present on 3-7-90. He took time to file the claim statement. The case was posted to 19-7-1990 for the purpose of claim statement. It is clear from the order sheet that the I party was not present on many days of hearing. So this case was posted to the camp at K.G.F. on 4-10-1990, where the I party has been residing.

4. On 4-10-1990 in the camp at K.G.F. the President who has been sponsoring the case of the workman Sri Anthony Doss has submitted that the present case may be closed. Hence the case was closed.

5. As the I party is not interested, no evidence has been adduced.

6. In view of the fact that the I party has not pressed the matter, this reference is rejected. Award passed rejecting the reference.

(Dictated to the Stenographer, taken down by her, got typed and corrected by me).

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer
[No. L-43012/23/89-IR(Misc.)]

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1990

का. आ. 2889—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पारादीप पोर्ट ट्रस्ट, पारादीप के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 17th October, 1990

S.O. 2889.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Paradip Port Trust, Paradip and their workmen.

which was received by the Central Government on 16th October, 1990.

New Delhi, the 19th October, 1990

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR

PRESENT :

Shri S. K. Misra, LL.B.,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal,
Orissa, Bhubaneswar.
Industrial Dispute Case No. 25 of 1990 (Central)
Dated, Bhubaneswar, the 1st October, 1990

BETWEEN

The Management of Paradip Port Trust, Paradip.
...First Party—
Management.

AND

Their workmen, represented through Paradip Port &
Dock Mazdoor Union.

...Second Party—
Workmen.

APPEARANCES :

None—For both the parties.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of powers conferred upon them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) and vide their order No. I-38011/1/90-IR (Misc.) dated 21st June, 1990 have referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :

"Whether the action of the management of Paradip Port Trust, At/P.O. Paradip, District Cuttack in removing the names of the following workers from the list vide their notice No. TM/LAB/BKG-2/87, Dt. 23/24 October, 1987 is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

1. Shri Chaitan Dalai,
2. Shri Jatadhari Moharana,
3. Shri Sikhar Chandra Swath,
4. Shri Jatadhari Sethy,
5. Shri Kanduri Swain,
6. Shri Bahari Mohanty,
7. Shri Rushin Dalai,
8. Shri Basudev Karan Alias,
9. Shri Sanatan Das,
10. Shri Binin Parida,
11. Shri Chandramani Nayak,
12. Shri Jatadhari Parida,
13. Shri Chaitan Parida.

2. This case was posted to today for hearing. Both parties are absent and they have not taken any steps today. The second party-workmen have not filed their statement of claims despite registered notice served on them. In view of non-appearance of both the parties in the Tribunal, it can safely be inferred that at present no dispute subsists between the parties. Hence, a no dispute Award is passed, so far as this reference is concerned

Sd/- Meeble
Presiding Officer
[No. I-38011/1/90-IR (Misc.)]

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1990

का. अ. 2890—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लि., बम्बई के प्रबंध-तंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अन्वय में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 1 बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-10-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2890.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bharat Petroleum Corporation Ltd. Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 16-10-1990.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-20 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Bombay
AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri P. M. Palshikar, Advocate.
For the Workman—Shri Eapen, Advocate.

INDUSTRY : Petroleum STATE : Maharashtra
Bombay, the 5th day of October, 1990

AWARD—PART-I

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, for adjudication.

"Whether the action of the management of the Bharat Petroleum Corporation Ltd. in dismissing Shri Rainnathl. Tiwari, watchman at its Wadilube Installation, Bombay, from service with effect from 5-2-1987 is justified? If not, what relief is the workman entitled to?"

This part of the award disposes of the preliminary issue whether the domestic inquiry stands vitiated for any of the reasons pleaded by the Workman.

2. At the material time that is in January 1986, Ramnath J. Tiwari (hereafter for short 'the Workman') was in the employment of the Bharat Petroleum Corporation Ltd. Bombay (hereafter for short 'the Management') as Watchman in their Grease Section. On 16-1-1986 he was on duty at the aforesaid Section from 1600 to 2400 hrs. midnight. It appears that at his request one Shelar another Watchman, relieved him 20 minutes earlier around 2340 hrs. as the Workman wanted to attend a late dinner in connection with some celebration. The Management's case is that, while leaving the premises, the Workman committed theft of 2 cement bags belonging to the Management and tried to remove the stolen property in a taxi. Shelar is alleged to have caught him redhanded, while the Workman was loading the two bags in the luggage boot of the taxi and took him to Shri Janaj, Senior Engineering Officer staying in the Management's premises only. The Workman is said to have confessed to his guilt.

3. The Installation Manager by his letter dated 25-1-1986 formally chargesheeted the Workman with theft of property belonging to the Management and committing an act 'subversive of discipline and good behaviour on the premises of the Establishment. The Workman was also put under suspension with immediate effect. It is not in dispute that he was paid subsistence allowance at the rate of 50% of the wages only throughout the period of the Inquiry. One Shri A. S. Bhatia, Manager, L.P.G. Bottling Plant, was appointed the Enquiry Officer. The Inquiry proceeding actually commenced on 27th May 86. On that day, the Workman appeared before the Enquiry Officer, accompanied by one Khose, and P. A. Shetty. Khose is a co-employee of the Workman; Shetty is not an employee of the Management, but is an office bearer of Maharashtra General Kamgar Union. The Workman requested the Enquiry Officer to allow Shetty to assist him in the proceedings. The Enquiry Officer turned down the request on the ground that the rules did not permit an outsider to assist a Workman in enquiry proceedings. Khose was however allowed to assist the Workman. On 16-6-86 the Management examined their first witness Shelar and the matter was adjourned for cross-examination. On

23rd July, the Workman and Khose again requested the Enquiry Officer to allow Shri Shetty to assist the Workman. The Enquiry Officer declined the request. Thereupon the Workman and Khose did not take part in further proceedings, which continued ex-parte right upto the end in absence of the Workman. None of the witnesses examined by the Management were cross-examined. The Enquiry Officer submitted his findings on 4-12-86 (Ex. M-6). The General Manager (Sales) passed the final dismissal order on 4-2-87 (Ex. M-7). These facts do not appear to be disputed.

4. The Workman has challenged the validity of the inquiry on the following grounds :

- (i) The Management have deliberately victimised him, because he was an active member of the Maharashtra Kamgar Union.
- (ii) The Enquiry Officer was biased against him.
- (iii) The inquiry proceedings are vitiated by gross breaches of the principles of natural justice on four accounts :
 - (a) The proceedings were conducted in English, in spite of the Workman's request to the Enquiry Officer that he is not conversant with that language and that the proceedings may be conducted in Hindi ;
 - (b) Conducting the proceedings after 23-7-86 without giving the Workman prior intimation of the dates of hearing ;
 - (c) rejection of his request to be represented by Shetty; and
 - (d) denial of subsistence allowance to him at the rate of 75% of his wages after the expiry of the first 90 days of suspension although a specific request was made to the Enquiry Officer on 16-6-86.

5. The Workman requests that the Inquiry be held to be vitiated on these grounds and he may be reinstated with full back wages.

6. The Management deny that the inquiry is vitiated on any of grounds urged by the Workman. In the alternative they have reserved their right to lead evidence before this Tribunal on merits, if, for any reason, it comes to the conclusion that the inquiry is bad.

7. The issue about the fairness and validity of the domestic inquiry has been tried as a preliminary issue. The Workman and Shri Bhatia, Enquiry Officer, have filed their affidavits in lieu of their chief examination. They have been cross-examined. Documents filed by both sides have also been exhibited with consent. The evidence is however restricted to the preliminary issue only. The learned Advocates of both sides have filed written arguments.

8. I shall first of all dispose items (i) and (ii) referred to in para 4 supra. The Workman has not pressed these points at the hearing. It is true that he is a member of Maharashtra Kamgar Union. However he does not assert that he is an active member thereof. Nor does he make any particular grievance against the Enquiry Officer as well, except that he is challenging some of the latter's directions on merits. I have perused the record of the domestic inquiry. There I have not come across any material to hold that Shri Bhatia bore any ill-will against the Workman. I am not at all impressed by either of the aforesaid two contentions of the Workman.

9. Coming to Item No. (iii) relating to the breach of the principles of natural justice, I do not find any substance in the Workman's grievance that the proceedings were conducted in English. A perusal of the proceedings and the evidence of the two witnesses examined before me, shows that till 23-7-86 on which date the Workman withdrew from the inquiry, the proceedings were not only actually conducted in Hindi, but were also recorded in that language. After the Workman withdrew, the Enquiry Officer made an express order that further proceedings in which the Workman had

declared not to participate, would be conducted and recorded in English. As a fact, the Workman admittedly did not take part in the further proceedings. In the circumstances, the inquiry cannot be validly faulted on this ground. There is also no force in the grievance of the Workman that he was not informed of further dates. I do not think he can make any legitimate grievance on this count alone if his withdrawal from the proceedings was voluntary and otherwise unjustified. As I am going to hold below, he was not justified in withdrawing from the proceedings, because his request for assistance of Shri Shetty was rejected. I leave the point here.

10. Coming to the question whether the Workman was entitled to insist for assistance of Shri Shetty who was an officer bearer of the Maharashtra Kamgar Union, it is not disputed that the standing orders permit charge sheeted Workman to be assisted only by one of his co-employees and not an outsider. Admittedly Shetty was not a co-employee of the present Workman. Then the Workman very much availed himself of Khose's assistance right upto 23-7-86. A perusal of the proceedings will bear out that Khose was quite assertive and effective in defending the present Workman. The Workman relies on a ruling of Pendse J. reported in 1985 (50 FLR 33) BEST Kamgar Union Vs. BEST undertaking for the proposition that a Workman is entitled to the assistance of any member of his Trade Union, whether it is recognised or not, and whether the person concerned is his co-employee or not. That ruling is distinguishable for the obvious reason that Pendse J. was dealing with a Workman's statutory right enacted under section 22(ii) of the Maharashtra Recognition of Trade Union and Prevention of Unfair Labour Practices Act, which undeniably is in-applicable to the present industrial dispute. We must note that the Workman was not claiming assistance of an Advocate as such, on the ground that the charge against him was serious or complex, necessitating assistance of a legally trained mind. He only desired to have the benefit of Shetty's assistance for reasons not disclosed to the Enquiry Officer or even to this Tribunal. In the circumstances it cannot be held that Enquiry Officer's declining assistance of Shetty to the Workman has resulted in infringement of any principle of natural justice. Obviously he was not justified in withdrawing from the proceedings on that ground.

11. The last aspect to be considered is whether the Workman has been denied his legitimate subsistence allowance by the Management, and if yes whether this has resulted in infringement of the principles of the natural justice. The standing orders do not provide for payment of subsistence allowance. The Workman relies on section 10-A (1) of the Industrial Employment (Standing Orders) Act 1946. This sub-section runs as follows :

Whether any workman is suspended by the employer pending investigation or inquiry into complaints or charges of misconduct against him the employer shall pay to such workman subsistence allowance—

- (a) at the rate of fifty per cent of the wages which the workman was entitled to immediately preceding the date of such suspension, for the first ninety days of suspension ; and
- (b) at the rate of seventy-five percent of such wages for the remaining period of suspension if the delay in the completion of disciplinary proceedings against such workman is not directly attributable to the conduct of such workman

12. It is an admitted position that the Workman was paid subsistence allowance at the rate of 50% of his wages only for the entire period of his suspension. He was put under suspension with effect from 25th January, 1986; vide order Ex. M-3. The inquiry proceedings commenced on 27th May, 1986. The Workman submits that he should have been paid @ 75% of his wages with effect from 27-4-86 as provided in section 10-A (1)(b). His learned Advocate relies upon the well-known Supreme Court decision reported in 1986 II LJ 124 Phakirbhai Vs. Presiding Officer and one another for the proposition that denial of subsistence allowance according to Rules, is tantamount to infraction of principle of natural justice and that this vitiates the inquiry altogether.

13. Shri Palshikar for the Management counters the submission of the Workman on 3 planks. In the first place,

he points out that the Workman has not raised this ground of attack in his statement of claim. Next he urges that it is not as if that on expiry of 90 days of suspension, the Workman concerned automatically starts getting the higher rate of subsistence allowance, but that he must show that the departmental proceedings were not delayed on account of his conduct. Where there is dispute about the Workman's entitlement to the subsistence allowance, Shri Palshikar contends, he or the employer must make a reference to the Labour Court to get the quantum of allowance determined. Nothing of the sort has been done in the present case. Lastly, Shri Palshikar submits that what Fakirbhai's case lays down is that some subsistence allowance must be paid to the Workman concerned, and not that full quantum of allowance as permissible under the Law must be paid.

14. I have given my anxious thought to Shri Phalsikar's submissions. I cannot persuade myself to endorse any limb of his arguments. It is true that the workman has not specifically pleaded on subsistence allowance in his statement of claim. However, the inquiry proceedings do show that he had made an express request for enhanced allowance to the enquiry officer on 16th June 1986. The enquiry officer also immediately gave a direction to the Management to do the needful. Shri Bhatia admits these facts in his cross-examination also. The Workman has expressly raised this point in his written arguments. Inasmuch as all the material facts on which the decision rests are admitted, I do not think. It will be just to dismiss the Workman's submission on the mere technical ground that it is not expressly pleaded in the statement of claim.

15. It is true that section 10-A(1)(b) deprives a Workman of subsistence allowance at the enhanced rate, if the delay in the completion of the disciplinary proceedings is directly attributable to his conduct. Here is a case, where the Management themselves took more than 4 months to commence the inquiry after the Workman was put under suspension. Obviously the blame for late commencement of the inquiry cannot even remotely be attributed to the conduct of the Workman. He attended the proceedings only upto 23rd July 1986. Thereafter the proceedings went on ex-parte and the final report was submitted by Shri Bhatia on 4-12-86 and the orders of dismissal came to be passed on 4-2-87. The time that elapsed between 23-7-86 and 4-2-87 also cannot be attributed to the conduct of the Workman. Ex facie, if there could be any case in which the Workman was entitled to subsistence allowance at the enhanced rate u/s. 10-A(1)(b) of the 1946 Act, it is the present one. It is true that a reference could have been made by the Workman to the Labour Court under Section 10(3). But then, if the Management were really in doubt about the Workman's right to receive subsistence allowance at the enhanced rate under section 10-A(1)(b), they could also have approached the Labour Court. It cannot be and ought not to be forgotten by Employers—particularly in the public sector—who are expected to be ideal Employers, that it is their statutory obligation to pay subsistence allowance according to law to every employee under suspension and that a Workman who is facing disciplinary proceedings without getting even full subsistence allowance—let go full wages—is subjected to avoidable tension and hardship. This might, as in the present case, result in infraction of the principles of natural justice, in that the Workman may not have the necessary wherewithal from any alternative source to maintain his dependants and effectively defend himself in the proceedings. I think section 10-A(3) of the 1947 Act does not act as a bar in the way of the Workman, for two reasons, namely that there could be no dispute at all on the admitted facts of the present case that the Workman was entitled to subsistence allowance at the enhanced rate under section 10(1)(b) and secondly that it was for the Management to move the Labour Court, if they had any apprehensions on the question.

16. I am aware that Fakirbhai's case had arisen out of a proceeding under section 33(3) of the Industrial Disputes Act and not a reference under section 10. There the Management after deciding to dismiss the Workman for misconduct, applied to the Labour Court for necessary permission under section 33(3), inasmuch as he was a protected Workman, and also put him under suspension, without paying any subsistence allowance during the pendency of the application. The Supreme Court held that the passing of the suspension order

prevents the Workman from rendering his services to the Employer, but, does not put an end to the relationship of master and servant; and if a workman is suspended pending an application under Sub-s. (3) of Section 33 even though the management has decided to dismiss him, the right of the workman to receive some reasonable amount which may be fixed either by the standing orders or in the absence of any standing order by the authority before which the application is pending by way of subsistence allowance during the pendency of the application under Section 33(3) of the Act with effect from the date of suspension should be implied as a term of the contract of employment. It was further held that Management's omission to pay subsistence allowance during the pendency of Section 33(3) proceedings, will amount to depriving the Workman of reasonable opportunity to defend himself, because he would not be able to maintain himself and his dependants and meet the expenses of litigation and this would be tantamount to infraction of the principles of natural justice. Now, all these observations of the Supreme Court would in my humble opinion, apply to the pendency of disciplinary proceedings also, with equal, if not greater force.

17. Then it was faintly suggested that I should follow the Supreme Court decision in Management of Hotel Imperial, New Delhi Vs. Hotel Workers' Union 1959 II Y.L.J 544 and not in Fakirbhai's case, inasmuch as the former decision is by 3 Judges and latter by two. It was held in the above case that an employer would be justified in suspending a Workman pending proceedings under section 33, without making any payment to him. The Supreme Court has dealt with the effect of that case in para 8 of its judgement in Fakirbhai's case and distinguished it on the ground that submissions were not based on the aspect of infraction of principles of natural justice. With utmost respect to all the five Judges who were parties to the two decisions, I think, it is binding on me to follow Fakirbhai's case inasmuch it decides the question that focally arises before me.

18. I am not impressed by the further submission of Shri Palshikar that payment of even a small portion of subsistence allowance will be enough. I cannot accept this submission in view of the clear observations in Fakirbhai's case that subsistence allowance will be payable as prescribed by the standing order or in their absence as may be fixed by the Tribunal taking up Section 33 proceedings. Now here in the case before me section 10-A of the 1946 Act—a statutory provision no less sacrosanct than one in a standing order—prescribes the rate of subsistence allowance. The Management were duty bound to give effect to it. Their failure to do so has resulted in infraction of the principles of natural justice. The inquiry is accordingly held to be vitiated on this ground.

19. As a result both parties shall be entitled to lead additional evidence, over and above they have already adduced in the inquiry. Accordingly I fix up the matter for 5-11-1990 for directions. Costs so far shall abide the final result.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. I-30012/32/87-D.II(B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

का. श्रा. 2891.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ए. बी. सी. एंड सन्स प्रा. लि., बम्बई के प्रबंध-तंत्र के संबद्ध निषोक्तों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं. 1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-10-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2891.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. ABC & Sons Pvt. Ltd. Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 16-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

(Presiding Officer, Justice S. N. Khatri)
Reference No. CGIT-51 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. ABC & Sons Pvt. Ltd., Bombay.

AND

Their Workman

APPEARANCES :

For the Management.—Shri I. S. Gowda.

For the Workman.—No appearance.

INDUSTRY : Ports & Docks STATE : Maharashtra.

Bombay, dated the 5th day of October, 1990

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, for adjudication.

"Whether the action of the management of M/s. ABC & Sons Pvt. Ltd., Bombay, a Stevedoring Employer operating in the major port of Bombay, in terminating the services of Shri Madhukar Anant Medhekar, a Permanent Bargeman, w.e.f. 1-7-1987 is justified. If not, what relief the workman concerned is entitled to?"

2. The Workman has remained absent on the last two dates, that is, 31st July 1990 and 4th September 1990 although he has been duly served with notice. He has remained absent today also. He has not cared to file the statement of claim or even ask for adjournment. It appears he is not interested in prosecuting the reference. Accordingly I dismiss the reference in default of the Workman for want of prosecution. There will be no orders to cost. Award accordingly.

S. N. KHATRI, Presiding Officer

[No. L-31612/4/90-IB(Misc.)]

का. भा. 2892.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में बम्बई लाइसेन्स्ड मेजर्स लि., बम्बई के प्रबंध-तंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं. 2 बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-10-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2892.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Bombay Licenced Measurers Ltd., Bombay and their workmen which was received by the Central Government on 16-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT :

Shri P. D. Apshankar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/27 of 1986

PARTIES :

Employer in relation to the management of M/s. Bombay Licenced Measurers Ltd.,

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri R. B. Pitale, Officer, Bombay Chamber of Commerce.

For the Workmen—Miss Kunda Narayan Samant, Secretary, B.P.T. Employees' Union.

INDUSTRY : Ports and Docks. STATE : Maharashtra.

Bombay, the 5th October, 1990

AWARD PART II

By Award Part-I dated 27th June, 1989 (Order No. L-31011/2/85-D.IV(A) dated 26th June, 1986) Issue No. 1 was decided as a preliminary issue and it was held that the Central Government is the appropriate Government for the purpose of the present case. Now by Award Part II Issues Nos. 2 to 7 are dealt with. Issues Nos. 2 to 7 are thus :

(2) Whether the Bombay Port Trust Employees' Union is not competent to espouse the cause for and on behalf of the workmen working in the Bombay Licenced Measurers Ltd., for the reasons urged by that company in para 3(b) of its Written Statements?

(3) Whether no industrial dispute existed between the said company and the said Union?

(4) Whether the reference in question is bad in law?

(5) Whether the action of the management of the Bombay Licenced Measurers Ltd., Bombay operating in the Major Port of Bombay, in depriving the 46 workmen of their normal full wages during the period of lay off as per established practice and usages from the midnight of 14th March, 1984 to 11th April, 1984 is justified?

(6) If not, to what relief the workmen concerned are entitled?

(7) What Award?

2. My findings on the above issues are :—

(2) Is competent

(3) Industrial dispute exists

(4) No

(5) Yes

(6) Nil

(7) As per Award below.

REASONS

ISSUES NOS. 5 and 6

3. Shri Pundlik Narayan Rane, one of the workman in question, filed his affidavit in support of the case of the Union at Ex. 12. He was cross-examined on behalf of the management. Shri Joseph Loyola Lobo, the Secretary of the Management company i.e. Bombay Licenced Measurers Ltd. filed his affidavit in support of the contentions of the management at Ex. 14, and he was also cross-examined on behalf of the Union. Before considering the other issues in question, it will be worthwhile to note some of the relevant provisions of the Industrial Disputes Act. "Lay off" defined under Section 2(kkk) of the said Act means the failure, refusal or inability of an employer on account of shortage of coal, power or raw materials or the accumulation of stocks or the breakdown of machinery or natural calamity or for any other connected reason to give employment to a workman whose name is borne on the muster rolls of his industrial establishment and who has not been retrenched. Under Section 25-C, whenever a workman other than a badli workman or a casual workman whose name is borne on the muster rolls of an industrial establishment and who has completed not less than one year of continuous service under an employer is laid off, whether continuously or intermittently, he shall be paid by the employer for all days during which he is so laid off except for such weekly holidays as may intervene, compensation which shall be equal to fifty per cent of the total of the

basic wages and dearness allowance that would have been payable to him had he not been so laid off. However, under section 25-E (iii) of the Act "no compensation shall be paid to a workman who has been laid off if such laying off is due to a strike or slowing down of production on the part of workmen in another part of the establishment".

4. It is an admitted fact that lay off compensation at the rate of 50% has been paid by the management to the workmen in question and they have received it. However, according to the workmen, they are entitled to full wages of the period in question, that the lay off itself was not justified and that the management should pay them their full wages. According to the management, as the workmen of the Bombay Port Trust had proceeded on strike from 14-3-1984 to 11-4-1984, the management of Bombay Licensed Measurers Ltd. could not give any work to their workmen in question, and as such they were laid off, and were paid compensation at the rate of 50% as contemplated under the Industrial Disputes Act. Ex. 1 is a copy of the Notice in English and Ex. 1-A is a copy of notice dated 16-3-1984 in Marathi issued by the management on the notice Board of the establishment. By this notice the employees were informed that due to the strike of the workers of Bombay Port Trust, it was not possible to provide employment to the employees of the management in question, and that they are laid off until further notice and that they would be paid 50% wages (basic plus D.A.) as lay off compensation during the period of the lay off. According to the Union the lay off itself was illegal and bad in law as no permission was sought by the management from the Central Government and the management had not given the notice to the authorities concerned as required in law. The workmen in question were laid off, admittedly during the period from 14-3-1984 to 11-4-1984. It is an admitted fact that the workmen in question were paid their full wages upto the date of lay off and after the lay off was withdrawn. Section 25-A(1) of the Industrial Disputes Act states that Sections 25-C to 25-E shall not apply to industrial establishments to which Chapter V-B applies. Section 25-K of Chapter V-B of the Act states that the provisions of Chapter V-B shall apply to an industrial establishment in which not less than one hundred workmen were employed on an average per working day for the preceding twelve months. The above said workman Shri P. N. Rane admitted in his cross-examination that in 1984, i.e. during the period in question about 60 to 65 employees were working with the management in question. As such the provisions of Chapter V-B of Industrial Disputes Act will not apply to the workmen and the management in question, and the provisions of Chapter V-A consisting of Section 25-C to 25-E will apply to them. Under Section 25-M of Chapter V-B no workman (other than a badli workman or a casual workman) whose name is borne on the muster rolls of an industrial establishment to which this Chapter applies shall be laid off by his employer except with the prior permission of the appropriate Government or such authority as may be specified by the Government by notification in the Official Gazette obtained on an application made in this behalf. Therefore, the prior permission though is necessary in case the provisions contained in Chapter V-B applies to that management. However, as noted above, Chapter V-B of the I. D. Act does not apply to the management in question, and that the Chapter V-A applies to it, and therefore, as contemplated under Section 25-M of the said Act prior permission of the appropriate Government was not necessary in the present case. Therefore, the lay off in question was not illegal and bad in law.

5. According to the Union, the management paid only 50% wages to the workmen in question during the period in question. This fact is admitted by the management. However, according to the Union only the workmen in question were laid off by paying 50% wages to them, but the officers of the company were paid full wages for the entire period. According to the management while the place of work of the workmen in question was at the Docks, the place of work of the officers was outside the docks, and as such they attended to their duties and accordingly they were paid full wages. As the workmen in question were laid off due to the strike of other workmen, no work could be allotted in the docks and as such they were paid lay off compensation at the rate of 50% of wages as contemplated in law. I therefore, find that no discriminatory treatment were given to typist, clerk and other office staff working outside docks and to the workmen in question. It was

further urged by the Union that after the strike and lay off was over, the entire back log was cleared by the workmen in question, and as such the management had not suffered any monetary loss, and therefore the workmen in question were entitled to their full wages. However, the witness for the management Shri Joseph Loyola Lobo denied this fact in his affidavit, and the contrary the contention of the Union was not duly proved. I therefore accept the statement of the said witness for the management on oath and uphold the say of the management in that respect. Under Section 25-E (iii) of the Industrial Disputes Act, no compensation shall be paid to a workman who has been laid off if such laying off is due to a strike or slowing down of production on the part of workmen in another part of the establishment. According to the management, the workmen in question were laid off because of the strike of some other employees of the Bombay Port Trust in another part of the establishment, and as such the workmen in question were not entitled to any compensation at all, and even then they have paid compensation at the rate of 50% of wages. Further, according to the management, the strike was declared illegal by the Government of India. Ex. 17 is a copy of letter dated 19-1-1990 by the Personnel officer of the Bombay Port Trust addressed to the Secretary, Bombay Licensed Measurers Ltd. The Personnel Officer had informed the management in question that the strike of the Port and Dock workers from 15-3-1984 to 11-4-1984 was declared illegal. Even assuming that the strike of other workmen was not illegal still the workmen in question were entitled to only 50% wages as lay off compensation and they were not entitled to full wages. Therefore, the management in question is justified in paying 50% wages to the workmen, even though the lay off was as a result of strike by some other employees. According to the Union, the management should have paid compensation at 100% as per established practice and usage. However, there is absolutely no evidence on record to show that in the past the management had laid off their workmen and that they had paid them compensation at the rate of 100% wages. According to the management in the past they had not laid off any workmen at any time. Therefore, there is no question of practice of usage of paying lay off compensation at the rate of 100% wages as urged by the Union. In the result I find that the action of the management in question in paying lay off compensation at the rate of 50% wages only during period of lay off was just and proper. Issue No. 5 is found in the affirmative. As such the workmen in question are more entitled to any relief. Issue No. 6 is found accordingly.

ISSUES NOS. 2 to 4

6. According to the management, the Bombay Port Trust Employees' Union is not competent to espouse the cause for and on behalf of the workmen working in the Bombay Licensed Measurers Ltd. that no industrial dispute existed between the said company and the said Union and that the present reference in question is bad in law. However, no arguments were advanced on any of these Issues on behalf of the management, at the final stage of the reference. As such I find that the management conceded to the contentions of the Union. According to the Union, the workmen in question were members of the Bombay Port Trust Employees' Union, which is a registered trade union. I find that the Union was competent to espouse the cause for and on behalf of the workmen in question. Further, the dispute or difference between employers and the workmen in question existed regarding the terms of their employment or conditions of labour as contemplated under Section 2(k) of the Industrial Disputes Act. As such an industrial dispute existed between the parties. In the present case, the Central Government was of the opinion that an industrial dispute exists or is apprehended, and hence it referred the present dispute to this Tribunal. Therefore, the present reference is not bad in law as urged by the management. Issues Nos. 2, 3 and 4 are found accordingly. ISSUB NO. 7

7. In the result, the following award is passed.

AWARD

The action of the management of Bombay Licensed Measurers Ltd. operating in the Major Port of Bombay in paying lay off compensation at the rate of 50% wages only to the workmen in question during the period of lay off i.e. from 14-3-1984 to 11-4-1984 is quite just and proper.

The parties to bear their own costs of this Reference.

Dated : 5-10-1990

[No. L-31011/2,85 D.IV(A)]IR (Misc.)
P. D. APSHANKAR, Presiding Officer

का. भा. 2893.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार सन्दूब बियरहाऊसिंग कारपोरेशन राजनल आफिस, पटना के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 16-10-90 का प्राप्त हुमा था।

S.O. 2893.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Warehousing Corporation, Regional Office, Patna and their workmen, which was received by the Central Government on 16-10-1990.

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESWAR
INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 19 OF 1990
(CENTRAL)

Dated, Bhubaneswar, the 5th October, 1990

BETWEEN :

The Management of Central Warehousing Corporation,
Regional Office, Patna.

...First Party—Management.

AND

Their workman Shri Kailash Chandra Swain, Chowkidar.

...Second Party—workman.

APPEARANCES :

(1) Shri A. K. Jena, Regional Manager (Patna).

(2) Mrs. R. John, Warehouse Manager (Bhubaneswar).

—For the First Party—Management.

Shri A. K. Nayak, Secretary of C.W.C. Employees Union, Patna Division & the workman himself.

...For the Second Party—Workman.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of powers conferred upon them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), have referred the following dispute for adjudication by this Tribunal vide their Order No. L-42012/12/89-IR(Misc.) dated 19-5-1990 :—

“Whether the action of the management of Central Warehousing Corporation, Regional Office, Mayur-yalok Complex, Dakbunglow Road, Patna in terminating the services of Shri Kailash Chandra Swain, Chowkidar w.e.f. 31-12-1988 is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?”

2. This case had been posted to 5-12-1990 for recording settlement.

Today both parties appeared and filed a joint petition alongwith a settlement entered into between the parties drawn up in form-H. The representatives of both parties submitted that they have settled the dispute out of court in the interest of industrial peace and harmony and prayed to pass an Award in terms of the settlement. Both parties admitted the terms of the settlement before me. The settlement seems to be fair. Hence, it is recorded and an Award

is passed in terms of the settlement which do form part of the Award.

Dated : 5-10-1990.

Sd/- Illegible

Presiding Officer,

[No. 42012/12/89-IR (Misc.)]

FORM—‘H’

(See Rule—58)

Industrial dispute case No. 19/90(c) arising out of Ref. No. L-42012/12/89-IR (Misc) dt. 19-5-1990

Name of Parties :—

Representing Employer(s) :—Shri A. K. Jena, Regional Manager, Central Warehousing Corporation, Regional Office, Patna—800 001.

Representing Workman :—Shri A. K. Nayak, Secretary, CWC, EU, Patna Region.

Short recital of the case :—The Central Government has referred the following dispute to the tribunal for adjudication, “Whether the action of the management of CWC, RO, Patna in terminating the service of Shri K. C. Swain, Chowkidar w.e.f. 31-12-1988 is justified. If not, to what relief is the workman entitled ?”

TERM OF SETTLEMENT

The workman has been offered with appointment order as regular chowkidar at Central Warehouse, Jeypore by the management vide their order dated 15/17-9-1990. The workman is not entitled for back wages.

That both the parties have settled out of the court without any coercion or duress in the interest of industrial peace and harmony. That at present there is no dispute exist between the two parties.

That both parties agree that in view of the above understanding, the present dispute for adjudication has been rendered infructuous and as such, the parties have no other or further purpose or interest to continue the instant case.

In view of the above composition of the dispute the parties fervently pray that the aforesaid terms of settlement be accepted and an award in terms thereof may kindly be passed by the Honourable Tribunal.

Witness :—

(1) (MRS. R. JOHN) Warehouse Manager, Central Warehouse (Public Bonded), BHUBANESWAR—751010.

(2) (T. MAHARANA), WA-II, CW (PB), Bhubaneswar.

Signature of Parties :—

(1) (A. K. JENA), Regional Manager, Central Warehousing Corporation,

(2) (A. K. NAYAK), Regional Office, Suryalok Complex Block (A), Dakbanglow Road (IInd floor), PATNA-800001.

For workman

Secy. CWC. EV (PR)

Made part of the Award.

Sd/-

Presiding Officer, Industrial Tribunal.
5-10-1990.

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1990

का. भा. 2894.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी की टाटा सिजुधा कोलवरी के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके

कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं. 1 धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 16th October, 1990

S.O. 2894.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tata Sijua Colliery or M/s. Tata Iron and Steel Company and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-10-1990.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 9 of 1984

PARTIES :

Employers in relation to the management of Tata Sijua Colliery of M/s. TISCO

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the workmen : Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 24th September, 1990

AWARD

By Order No. I-20012 (362)/83-D. III (A), dated, the 20th January, 1984, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Tata Sijua Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Dhanbad in terminating the services of Shri Ram Vijoy Kumar, Miner, T. No. 215602 from 8-3-1983 is justified? If not, to what relief is the workmen entitled?”

2. The case of the management of Sijua Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Company Limited as appearing from the written statement submitted, details apart, is as follows :

Ram Vijoy Kumar was engaged as Miner in Sijua Colliery sometime in November, 1981 on temporary basis. He was engaged to work as temporary miner as and when so required due to exigencies of work or during leave/sick vacancies. He was not engaged further with effect from March, 1983. Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, the recognised union, raised a demand for permanent employment of all the temporary workers engaged in collieries/departments in the Jharia Group of Collieries of Tisco Ltd. In the course of conciliation proceeding a settlement dated 10-7-80 was arrived at wherein it was agreed amongst others that the representatives of both the union and the management would review the manpower required by the management. Accordingly there were discussion between the parties from time to time. But the management did not agree to creation of further permanent posts. The union, after a lapse of three years, sometime in 1983 served a strike notice demanding

amongst others confirmation of all temporary workmen employed in the colliery/Coal Washery/Central Workshop, Power House and other establishment including confirmation of the concerned workmen. Here also in the courses of conciliation proceeding a settlement dated 5-5-1983 was arrived at wherein it was agreed that criteria for making temporary workers permanent shall be 240 days of attendance and 190 days of attendance (and not the date of first employment) put in at the surface and underground respectively in the calendar year 1981 or calendar year 1982 or during the period of 12 months commencing from 17-2-1982 and ending on 10-2-1983. A list of temporary workmen conforming to the above criteria was drawn up after joint scrutiny made by the representative of the management and the union. The above settlement dated 5-5-1983 was implemented and since the concerned workman was not found eligible for regularisation as per terms of conciliation settlement dated 5-5-1983, his case was not considered. By letter dated 22-8-1983 the management explained the position to him. The conciliation settlement dated is still in force and it is legally bound on all the parties. Hence, the present reference is not legally maintainable. It is alleged that the present dispute is a speculative one. In the facts and circumstances, the management has prayed that its action be held to be justified.

3. The dispute, it appears, was raised by the concerned workman independently, presumably under section 2-A of the Industrial Disputes Act

The case of the concerned workman as spelt out in his written statement, is as follows.

M/s. Tata Iron & Steel Company Limited had under their ownership, management and control a number of coal mines, a Central Coal Washery Plant and Captive Power Generation Plant in the district of Dhanbad (Bihar) and Sijua Colliery is one of such coal mines. The Management has their own system of recruitment of personnel in various jobs and they are governed by a Continued Standing Order which envisages the qualifying period of service required by an individual workman to be regarded as permanent employee of the establishment. According to the requirement of Sijua Colliery and on the basis of vacancy existing there the concerned workman was recruited for employment in the job of a Miner sometime in the middle of the year 1981 and he was put on training for a miner's job at the Vocational Training Centre at Sijua. He underwent training from 15-10-1981 to 13-11-1981 and after compliance with other formalities, he was engaged in the job of a Miner with effect from 17-11-1981. He continued in his employment as Miner in the same colliery with satisfactory services upto and including 7-3-1983, but he was stopped from his normal duty with effect from 8-3-1983 without any notice in any manner whatsoever. He made coal representation to the officers of the colliery; he made also a representation in writing dated 14-6-1983 to the Manager (Opn.), Sijua Colliery. He did not receive any reply from the Manager (Opn.) Sijua Colliery but received a letter dated 29-6-1983 under the signature of Chief Personnel Manager (J), from the Jamadoba Central Office of the management rejecting his prayer to allow him job. Being aggrieved by the illegal termination of his service, he made a representation before the Asstt. Labour Commissioner (Central), Dhanbad by petition dated 11-7-1983. The Asstt. Labour Commissioner (C) held conciliation proceeding but that ended in a failure since the management refused to re-consider their illegal action. The Asstt. Labour Commissioner (C) submitted his report of failure of conciliation to the Central Government and the appropriate Government was pleased to make reference of the present dispute to this Tribunal. In the context of facts, the concerned workman has acquired the status of permanent workman of Sijua Colliery on 8-3-1983 when the management terminated his service without notice whatsoever. Several workmen who joined the service of the colliery much later than the concerned workman have been made permanent employees and so the management is also guilty of discrimination between workman and workmen. The concerned workman is a member of Coal Mines Provident Fund by virtue of his permanent nature of job in Sijua Colliery. At no material period of time he was informed by the management that his employment was purely seasonal or temporary

or that his service could be terminated on any particular date. The action of the management is illegal and hence the concerned workman has prayed that he be allowed to be re-instated in service with effect from 8-3-1983 and for further relief.

4. In rejoinder to the written statement of the concerned workman, the management has asserted that a workman, whenever appointed, either as Miner or in other job is required to undergo Vocational Training under Mines Vocational Rules. The concerned workman was appointed as miner purely on temporary basis sometime in November, 1981. He was employed intermittently in the job of miner as and when required due to exigencies of work or during leave/sick vacancy. He was not given any job from 8-3-1983 as the job of temporary miner was not available. His name still exists in the Pool of temporary workers in Sijua Colliery and his case along with others can be considered for temporary employment as and when required. The representation of the workman had no merit in view of the conciliation settlement dated 5-5-1983. The management has denied that there was illegal termination of service of the concerned workman. It has been asserted that by becoming the member of Coal Mines Provident Fund a workman cannot claim a permanent status. The membership of Coal Mines Provident Fund depends on fulfilling the conditions as laid down in the Scheme.

5. The management, in order to justify its action has examined only one witness, namely MW-1 Bidyut Ghosh and laid in evidence a sheaf of documents which have been marked Exts. M-1 to M-12.

On the other hand, the concerned workman has examined himself in support of his claim and adduced documentary evidence which have been marked Exts. W-1 to W-10.

6. It is the irrefragable position that the concerned workman, Ram Vijay Kumar, underwent vocational training at the Vocational Training Centre at Sijua Colliery belonging to M/s. TISCO from 15-10-81 to 13-11-81 for the job of a miner. Undeniably he got appointment as a miner with effect from 17-11-81 in Sijua Colliery after completion of his training at the Vocational Training Centre. These positions are also borne out from the documents filed by the concerned workman and admitted in evidence i.e. certificate of training marked Ext. W-1 and the letter of appointment issued by the management in favour of the concerned workman dated 20-11-81 (Ext. W-2).

It is the firm case of the management that the concerned workman was appointed on temporary basis. This position has not been disputed by the concerned workman. Even so, the letter of appointment (Ext. W-2) by itself indicates that the appointment of the concerned workman was on temporary basis. Thus, the inescapable position is this that the concerned workman was appointed as Miner in Sijua Colliery of M/s. TISCO with effect from 17-11-1981 as a temporary miner.

7. It is the firm case of the management that the concerned workman was engaged as temporary miner as and when his services were required under exigencies of circumstances or during leave or sick vacancies. In other words, the contention of the management is that the concerned workman was not employed continuously but intermittently. Both the management and the concerned workman have submitted wage-sheets which have been marked Ext. M-7 series and Ext. W-9 series respectively. In addition to this, the concerned workman has submitted an affidavit (Ext. W-10) showing his attendance for the months of November, 1981, December 1981 and January, 1982 as 11, 24 and 17 days respectively. Considering this documentary evidence in its entirety, I come to the escanable conclusion that the concerned workman was engaged not continuously but as intermittently as contended by the management. Hence, the position is reached that the concerned workman was engaged as a Miner in Sijua Colliery with effect from 17-11-81 and that he was engaged as a temporary workman who worked intermittently for the management.

8. There is no dispute that the management dispensed with the services of the concerned workman with effect from 8-3-1983. The management has taken the position that he was not engaged further with effect from that date.

Shri S. Bose, authorised representative of the concerned workman, has submitted before me that the concerned workman had acquired the status of permanent miner in Sijua Colliery by working as a miner for a long spell of time. In support of this contention he has taken me through the certified Standing Order of the colliery marked Ext. M-6.

9. Shri S. S. Mukherjee, Advocate for the management, has hotly disputed the contention of Shri Bose and submitted that the concerned workman never acquired the status of a permanent miner by reason of his having worked for the management intermittently from 17-11-81 till 7-3-1983.

10. The Certified Standing Order of the colliery marked Ext. M-6 envisages that the employees shall be classified as (1) Permanent, (2) Probationers, (3) Badli or Substitutes, (4) Temporary and (5) Apprentices. Clause 13 of the Certified Standing Order envisages that for terminating employment whether by the management or by an employee, notice shall be given in writing by the party concerned and in case of monthly paid staff and weekly paid staff one month's notice and one week's notice respectively will be required. Clause 15 of the Certified Standing Order envisages that no temporary employee whether monthly paid, weekly paid, piece-rated or probationer or substitute whether monthly or weekly-paid shall be entitled to any notice pay in lieu thereof if his services are terminated. Upon consideration of these provisions of the Certified Standing Order it is obvious that the concerned workman may not be given notice of termination of service or notice pay in lieu of such notice. Admittedly, the service of the concerned workman came to an abrupt end by termination of service by the management with effect from 8-3-1983. Since he did not acquire the status of a permanent workman he was not entitled to any notice pay in lieu of notice. In this view of the matter, I am constrained to hold that the management did not act illegally in terminating his service with effect from 8-3-83.

11. It appears from evidence of the concerned workman that after a long toil he has been regularised in service by the management with effect from 29-5-83. Shri S. Bose, authorised representative of the concerned workman has submitted before me that subsequent regularisation of the concerned workman by the management is not the main issue in the industrial dispute and that the main issue is his regularisation in service with effect from 17-11-81.

12. From the submission of Shri Bose, it appears that the present issue is for regularisation in service of the concerned workman with effect from 17-11-81. I have already held that the management dispensed with the services of the concerned workman with effect from 8-3-83 and the action of the management, in view of the specific provisions of the Certified Standing Order, is not considered to be illegal. This being my conclusion the main part of the terms of the reference in the present industrial dispute has been adjudicated upon. But the question that comes before me for consideration is whether the concerned workman is entitled to be regularised in service w.e.f. 17-11-81.

13. There is no dispute that Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh is operating in Sijua Colliery and it is the recognised union. This union raised an industrial dispute demanding permanent employment of casual mazdoors employed in the collieries of Jamadoba, Jamadoba 6 & 7 Pits, Digwadih Sijua and Nalkera of M/s. TISCO. It also appears that this dispute was resolved at the conciliation level and the management agreed that such colliery would prepare seniority list of all casual/substitute workman based on the date of first appointment and the manpower requirement would be reviewed in one year's time from the date of the agreement and if it was found that more number of permanent posts were required to be filled up, the substitute/casual workman would be considered for absorption in such posts from the remaining casual/substitute workman in accordance with the seniority list. This agreement was arrived at on 10-7-81 (Ext. M-1). Subsequent to this agreement the union gave a strike notice dated 15-7-83 (Ext. M-2). Consequently upon this strike notice there was neither settlement dated 5-5-83 between the management and the recognised union (Ext. W-3). The relevant portion of the terms of settlement regarding temporary employee is gleaned hereinbelow :

"A—Regarding Temporary employees :

- (1) That such temporary workers working for a long time would be made permanent with effect from

1-4-1983. The criteria for making those workers permanent shall be 240 days of attendance and 190 days of attendance (and not the date of first employment) put in at surface and underground respectively in the calendar year 1981 or calendar year 1982 or during the period of 12 months commencing from 17-2-82 and ending with 16-2-83. A list of the persons to be made permanent on this basis is appended after joint scrutiny by the management and the union representatives. It shall be final and binding on all the parties who are bound by this agreement."

The concerned workman in his testimony before this Tribunal has not disclaimed his loyalty to his union. He has emphatically stated that my union and the management jointly made a chart of the workman who had put in attendance for 190 days or more after joint scrutiny. Indeed, the management and the union made a joint survey of workings of the employees and prepared a list of casual/substitute employees who were required to be made permanent on the basis of attendance put in by them conforming to the criteria as laid down in the settlement quoted above. This list of workmen has been marked Ext. M-5. It does not contain the names of the concerned workman.

14. Upon consideration of the attendance put in by the concerned workman and considering the list and the criteria laid down in the settlement and quoted above, I also come to the conclusion that the concerned workman does not come within the purview of the criteria and so he was not entitled to permanent employment as the criteria laid down in the settlement.

That apart, he did not put in attendance for 190 days even if it is considered that he worked in underground mine during the period of twelve calendar months preceding to the date when his services were dispensed with i.e. 7-3-1983. In this view of the matter he is not entitled to compensation for enhancement and the statutory notice as envisaged in Section 25-F of the Industrial Disputes Act.

15. Thus, considering the question of termination of the service of the concerned workman from every considering view points, I am constrained to hold that the claim of the concerned workman for regularisation in service with effect from the date of his appointment i.e. 17-11-81 must founder on the ground. Accordingly, I am constrained to hold that the action of the management in terminating the service of the concerned workman with effect from 8-3-83 is not unjustified.

16. Hence, the following award is rendered the action of the management of Tata Sina Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Dhanbad, in terminating the services of the concerned workman, Ram Vijay Kumar (and not Ram Vijoy Kumar), Miner from 8-3-1983 is justified.

In the circumstances of the case, I award on cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer
[No. L-206(2)(302)/83-D.II(CA)IRCI]

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1990

का. अ. 2895.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार चीना बिक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बोर्ड के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 29th October, 1990

S.O. 2895.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the

Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Dena Bank and their workmen which was received by the Central Government on 16-10-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT :

Shri P. D. APSHANKAR, Presiding Officer.
Reference No. CGIT-251 of 1988

PARTIES :

Employers in Relation to the Management of
Dena Bank.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the employers.—1. Shri A.K. Mathey,
Personnel Officer 2. Miss Prabha Nambiar,
Law Officer

For the workmen.—No attendance

INDUSTRY : Banking STATE : Maharashtra
Bombay, the 10th October, 1990

AWARD

The Central Government by their order No. L-12011/50/88-D-2(A) dated 18-11-1988 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 :—

"Whether the action of the management of Dena Bank in relation to its Pune region in not including the names of S/Shri R. M. Joshi and S.S. Doshi Clerks working under Pune region in the seniority list of posting as Special Assistants as per settlement signed between the management of Dena Bank and All India Dena Bank Employees Co-ordination Committee on 27-2-1986 is justified? If not, to what relief the workmen are entitled?"

2. A settlement dated 30-4-1984 had taken place under Section 2(p) of the Industrial Disputes Act between Dena Bank and All India Dena Bank Employees' Co-ordination Committee for sanctioning of Special Assistant's allowance. As per clause 7(a) of that settlement, in case an employee refuses to accept the post of Special Assistant in the same Region/State/District, he will be debarred from being Special Assistant for a period of two years. A settlement dated 27-2-1986 took place between the same parties on the same point. Under clause 10 of that settlement, in case an employee refuses to accept the post of Special Assistant in the same region/state/district he was to be debarred from being a Special Assistant for a period of two years. The Treasurer of the Dena Bank Staff Union in his statement of claim (Ex2) challenged the action in question of the Bank

management. In the statement of claim it was rejected thus :—

The action of the Bank management in not including the names of S/Shri R.M. Joshi and S. S. Doshi, Clerks in the seniority list of posting as Special Assistants is contrary to the settlement dated 27-2-1986, and as such bad in law and malafide. Under clause 3 of that settlement, the Bank was entitled to fill up the vacancies arising due to promotion, relinquishment of Special Assistant's allowance, death and retirement only. As such the vacancy caused by refusal could not be filled in. The seniority of the two employees was wrongly ignored and the posts which they held, were offered to juniors. This action of the Bank management was bad in law. Before the action in question was taken, the Bank management had not give any opportunity to those workmen to explain their case, nor they were heard. As such the said action is in contravention of the terms of settlement dated 27-2-1986.

The Union, therefore, prayed that the said two employees be ordered to be restored to their seniority with retrospective benefits.

3. The management of Dena Bank by their written statement (Ext. 3) opposed the said claim of the Union, and in substance contended thus :—

The employee Shri S. S. Doshi was offered the Special Assistant allowance position the year 1984, but he himself did not accept the said post of Special Assistant, and as such he was debarred from being a Special Assistant for a period of two years. Similarly the other employees Shri R.M. Joshi was also offered the Special Assistant allowance post by Memo. dated 6-11-1985, and he also refused to accept the said post and hence he was also debarred from being posted as Special Assistant for a period of two years. A Copy of settlement is circulated to all concerned and the letter of posting of Special Assistant post sent to an employee clearly stipulates that if he did not accept the posting the Bank would be free to give the same to other employees, and he would be debarred for a period of two years. Therefore, the allegation of the Union that they were not given opportunity of being heard is not relevant and the Bank has acted in good faith as per the provisions of the settlement. The Bank management, therefore, prayed for the dismissal of the prayer of the Union.

4. After the necessary Issues were framed the case was adjourned for filing of documents on 10-1-1990. On that day the representative of the management was present, but nobody was present on behalf of the Union and hence the case was adjourned to 19-2-1990. On that day also, and on

four subsequent dates nobody on behalf of the workmen or the Union appeared. As such no oral or documents evidence has been led on behalf of the said two workmen in support of their case. According to the Bank management, the said two employees were offered the post of Special Assistant allowance, but they referred to accept the posting, and as such they were debarred from holding the post of Special Assistant for a period of two years as per the provisions of the settlement. I accept the contention of Bank management that in view of the clear provisions contained in the settlement, the said two employees were debarred from holding the post of Special Assistant for a period of two years. As such I find that the action of the Bank Management is just and proper. In the result, the following award is passed.

AWARD

The action of the management of Dena Bank in relation to its Pune region in not including the names of S/Shri R.M. Joshi and S. S. Doshi Clerks working under Pune region in the seniority list of posting as Special Assistant as per settlement between the management of Dena Bank and All India Dena Bank Employees Co-ordination Committee on 27-2-1986, is just and proper.

The parties to bear their own costs of this Reference.

[No. L-12011/50/88-D.II(A) 1R.(B-II)]

P. D. APSHANKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 1990

का. अ. 2896.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार न्यू इंडिया अश्योरन्स कम्पनी लिमिटेड के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट्टी को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 16-10-90 को, प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 31st October, 1990

S.O. 2896.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of New Delhi Assurance Company Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-10-90.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V.N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL - CUM - LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)/(71)/1986

PARTIES

Employers in relation to the management of New India Assurance Co. Limited 290.

Napier Town, Jabalpur (M.P.) and their workmen S/Shri Desmond Paul, Arun Kumar and Arvind Kumar Jain, 31/12 Miles, Mandla Road, P.O. Bilahari Jabalpur. 25, Jagannath Compound, South Civil Lines, Jabalpur and 24 Lordganj, Nirmal Chhya, Jabalpur respectively.

APPEARANCES :

For Workmen.—Workmen concerned themselves.

For Management.—Shri J. L. Suri.

INDUSTRY:—Insurance Co.

DISTRICT :—Jabalpur (M.P.)

AWARD

Dated, October. 4th 1990

This is a reference made by the Cental Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-17012/74-85-D. IV(A) Dated 22nd August, 1986 for adjudication of the following disputes :—

“Whether the action of the management of the New India Assurance Co. Ltd. in relation to its Divisional Office, Jabalpur in terminating the services of S/Shri Desmond Paul, Arun Kumar and Arvind Kumar Jain with effect from 4-7-85, 25-6-1985 and 4-7-1985 respectively is justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled ?”

2. At the outset it must pointed out that vide proceedings dated 27-11-1989 a settlement arrived at between the management and Shri Arun Kumar was verified before the Court and it being just and proper it is ordered to be recorded, the terms of which are as follows, and award be passed in these terms :—

Terms of Settlement

- I. The management of New India Assurance Co. Ltd. will give a totally fresh/new appointment to Shri Arun Kumar from 20-11-89 as an Assistant (Typist) in the Sagar Divisional Office in the scale of Rs. 1000-50-1050-60-1170-70-1450-80-1930-100-2130-120-2850.
- II. Shri Arun Kumar will accept the above appointment in full and final settlement of all claims whatsoever arising out of the order of reference dated 22-08-86 and also in complete settlement of all his claims whatsoever against New India Assurance Co. Ltd. regarding employment, wages or any other benefits whatsoever. He will not claim any back wages or any other benefits and accept the fresh appointment in full and final settlement of the claims.
- III. Shri Arun Kumar will not claim any lien or benefit in respect of his post in the company.
- IV. This settlement settles all the disputes between the management and workman Shri Arun Kumar.

3. So far as the case of the workman, Shi Arvind Kumar is concerned, he had stated vide proceedings dated 18-12-1989 that he got a better job and therefore he does not want to join the services and therefore he does not want to press his claim and withdraw it and no dispute award is passed so far as the workman, Shri Arvind Kumar, is concerned.

4. Now remains the case of Shri Desmond Paul alone. Undisputed facts of the case are that Shri Desmond Paul had some association with the management during the relevant time.

5. The case of the workman, Shi Desmond Paul, is the Divisional Office of the management was likely to be established at Jabalpur and therefore the Divisional Manager was in great need of employees and appointed the workman concerned as a Typist after taking due test and interview on 18-6-1982 and he was asked to join the service. He was, however, not given any appointment letter. The appointment was on daily wages and an assurance was given that because the Divisional Office was opening shortly the appointment will be regularised and on this assurance the workman joined the service. He performed his duties regularly, honestly and sincerely for more than three years, but all of a sudden his services were terminated with effect from 4-7-1985. When the workman joined his services he was 24 years old and the age bar with the management is 26 years. The conciliation was not effected and the matter was referred.

6. The workman was appointed on the post of Assistant Typist at Rs. 175-585 per month. He was paid wages during the tenure on vouchers. He was also to work on Sundays and Holidays. He has completed more than three years continuous service. Vacancies were filled up and obviously there were posts of the cadre of the workman concerned, but he was not absorbed.

7. No retrenchment notice was given to him. Compliance of Sec. 25F of the I.D. Act was not made. He having completed more than one year continuous service his termination from service is void ab initio and is liable to be quashed with reinstatement and full back wages.

8. According to the management, the alleged workman was not the 'workman' within the definition of the Industrial Disputes Act. He was only an agent of the management and worked in the said capacity. He is only matriculate and is not qualified for the job, the minimum qualification of which is B.A. He has not done the alleged job for the alleged period. He was thus a student as shown by him in his application. No question of applying the provisions of Sec. 25F of the I.D. Act arises. He was not called for interview because he was not qualified for the job, as also he was not sponsored by the Employment Exchange. Certain procedures have been laid down for appointment which has to be complied and that procedures having not been complied he could not be absorbed. This Court has no jurisdiction and the reference is liable to be rejected.

9. I have gone through the documents Ex. W/1 to Ex. W/8 and Ex. M/1 to Ex. M/82, as also the testimony of M.W.1 J. L. Suri and W.W.1, Desmond Paul.

10. M.W.1, J. L. Suri, has admitted during this

cross-examination that these three workmen were employed to clear the back log on casual basis within the knowledge of the department. Their regular employees cannot be given agency but the casual employees can be given. Thus the evidence regarding the fact that the workman concerned was agent of the management has no value in this case inasmuch as has not only this fact has been denied by the workman concerned, but also this fact has been admitted that the workman concerned worked as casual employees who is a workman within the definition of Sec. 2(s) of the I.D. Act, [See Chief Engineer (Irrigation) Chempauk, Madras v. N. Natesan 1973-II-LLJ 446(447) (Mad. DB); management of Crompton Engineering Co. (Madras) Private Ltd. Vs. Presiding Officer, Additional Labour Court 1974-I-LLJ 459 (Mad.); Elumalai V. Management of Simplex Concrete Piles (India) Ltd. 1970-II-LLJ 454 and Tapan Kumar Jana vs. General Manager, Calcutta Telephones 1981 Lab. I.C. NOC 68(Cal. DB)].

10. The workman stated that he was orally appointed on 18-6-1982 as a Typist. First he was given Rs. 12, then Rs. 15 and thereafter Rs. 18 per day. Later on he has been paid Rs. 20 per day. He worked upto 3-7-1985 and thereafter his services were terminated without any reason whatsoever.

11. This witness has admitted that for the employment as a Clerk or Assistant one should be Graduate and within 26 years of age. He was, however, matriculate. But he says that he was assured that he would be absorbed and therefore he worked in that capacity. Vouchers Ex. M/55 to Ex. M/82 prove beyond doubt that the workman concerned had worked for continuous period of one year within the last preceding year as required under the definition of Sec. 25B of the I.D. Act and he does not come within any exception of Sec. 2(oo) of the I.D. Act. Therefore it amounts to retrenchment in the eye of law. [See State Bank of India V. Shri N. Sundara Money (AIR 1976 SC p. 1111); Santosh Gupta Vs. State Bank of Patiala (AIR 1980 SC 1219); Mohan Lal Vs. The Management of M/s. Bharat Electronics, Ltd. (AIR 1981 SC p. 1253)].

12. It may be noted that the workman was employed prior to the coming into force of Act, 49 of 1984 by adding the provision (bb) in Sec. 2(oo) of the I.D. Act.

13. Thus the management's action in terminating the services of the workman in violation of Sec. 25F of the I.D. Act is liable to be set aside. The workman is entitled to reinstatement and fresh appointment was offered to him vide proceedings of this Court dated 18-12-1989 despite the fact that the workman concerned was not qualified for the job.

14. In this view of the matter, I would not award the workman, Shri Desmond Paul, back wages or any consequential relief. He would be deemed to be in service as Asstt. Tnrist of the management from the date he joins his duties afresh.

15. Reference is accordingly answered as follows :—

1. The action of the management of the New India Assurance Co. Ltd. in relation to its Divisional Office, Jabalpur in terminating the services of Shri Desmond Paul is not justified. He is entitled to be reappointed in

service from the date he joins his duties. He would not be entitled to back wages & consequential benefits.

2. So far as the case of Shri Arun Kumar is concerned, award is passed in terms of settlement.
3. Shri Arvind Kumar got the better job. He does not want to press his claim. A no dispute award is recorded in his case.
4. Parties will bear their own costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer.

[No. L-17012/74/85-D.IV(A)]

DYVE PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1990

का. आ. 2897.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डूमन हिल कोलरी आफ वेस्टर्न कोल फील्ड्स लि. पोस्ट सोनावानी (एम. पी.) के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (श्रम न्यायालय) जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-10-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 17th October, 1990

S.D. 2897.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Duman Hill-Colliery of Western Coalfields Ltd. P. O. Sonawani (M.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on 12-10-90.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(48)/1985

PARTIES

Employers in relation to the management of Duman Hill Colliery of Western Coalfields Limited, P. O. Sonawani, District Surguja (M.P.) and their workman Shri Murit Ram S/o Shri Dauram, Trammer Cat. III, represented through the Azad Koyla Shramik Sabha, UTUC, Chirmiri Colliery, P.O. Sonawani, Distt. Surguja (M.P.)

APPEARANCES :

For workman.—Shri S. K. Rao, Advocate.

For management.—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Surguja (M.P.)

AWARD

Dated : October 1st, 1990

[This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification

No. L-22012(4)/85-D. V Dated 21st June, 1985, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the dismissal of Shri Murit Ram S/o. Shri Dataram, Trammer Cat. III of Duman Hill Colliery with effect from 27-6-1984 by the Dy. Chief Mining Engineer, Duman Hill Group of Mines Post Sonawani Distt. Surguja (M.P.), vide letter No. WCL/DCME/DH-NCC/DISP/10057-66 dated 27-6-1984 is justified? If not, what relief he is entitled to?"

2. Undisputed facts of the case are that Shri Murit Ram S/o Shri Dataram, Trammer, Cat. III was in employment of the management since the year 1976. He was dismissed by the management vide letter No. WCL/DCME/DH-NCC/DISP/10057-66 dated 27-6-1984 on the ground of misconduct.

3. My learned predecessor has already held vide his order dated 5-1-1987 that the domestic enquiry is vitiated and accordingly he gave a finding on Issue No. 1 leaving the other issues for adjudication and further directing the parties to lead evidence in support of the misconduct of the workman concerned hence I shall not deal with the averments relating to departmental enquiry.

4. The case of the workman in brief is that he was on leave with effect from 2-2-1983 for a period of 12 days. After the return from leave on 15th night he was admitted in the colliery hospital due to sudden illness and remained in the hospital from 16-2-1983 to 22-2-1983. After obtaining a certificate of fitness from the colliery hospital the workman approached the Shift Engineer, Shri S. B. Subramaniam on 22-3-1983 in the morning and requested him to allow to join duties. After receiving the fitness certificate Shri Subramaniam refused to take him on duty despite his repeated requests. He returned home and on 24-4-1983 he again approached the management, but the same treatment was again given to him. He was thus mentally tortured and he had to come back home. On 25-2-1983 he again approached Shri Subramaniam, Shift Incharge and requested him to allow him on duty but instead he abused him and told him that if he comes again and again he will be dismissed from services. Shri Subramaniam called the security personnel to oust him from the mine premises. The applicant returned home and to his surprise he received a charge-sheet on 25th February, 1983. Departmental enquiry was held against him and he was ultimately dismissed. The enquiry is bad in law for various reasons as given in the statement of claim of the workman, the charges are false and frivolous and in order to victimise the applicant he was dismissed from service without any evidence on false grounds. Even otherwise also the punishment is severe. He is, therefore, entitled to reinstatement with back wages and consequential benefits.

5. The case of the management in brief is that not only the applicant had misconducted but was rightly charge-sheeted and after a valid domestic enquiry, he was dismissed from service. According to the management, the alleged facts are untrue. On 25-2-1983 while he was on duty at about 8.30 a.m. he misbehaved, abused and assaulted Shri Subramaniam,

Senior-Under Manager, Duman Hill Colliery and also threatened him. The said charges were proved against him and accordingly he was dismissed. The dismissal is proper.

6. The following issues were framed by my predecessor and my findings are recorded against each of them.

ISSUES.	FINDINGS
1. Whether the enquiry is proper and legal?	Enquiry is vitiated as held by my predecessor vide order dated 5.1.1987.
2. If not, whether the termination of the workman is justified on facts of the case.	Termination/dismissal of the workman is justified on facts of the case.
3. Whether the punishment awarded is proper and legal?	Yes.
4. Relief and costs.	No relief no costs.

7. Issues No. 1.—I have held above that my learned predecessor gave finding to the effect that the domestic enquiry is vitiated for the reasons given in the order. Hence a finding has been recorded accordingly.

8. Issue Nos. 2 to 4.—So far the question of remaining issues is concerned, parties have led their respective evidence on the matter of misconduct of the workman concerned.

9. Management has examined as many as four witnesses viz. S. Balasubramaniam (M.W. 1), P. C. Thakur (M.W. 2), R. S. Sharma (M.W. 3) & B. P. Dixit (M.W. 4). Management has also produced three documents Ex. P/1 to Ex. P/3. Workman has, however, examined himself in support of his case. Two documents are not worthy in this case. Ex. P/1 is the report of the manager, relevant part of which is as follows :—

"On 25-2-83 during the first Shift at about 8.45 A.M. while the undersigned was on duty one Shri Murith Ram S/o Dau Ram Trammer had assaulted the undersigned abused and threatened of dire consequence without any provocation."

This is the basis of the charge-sheet and the departmental enquiry against the workman concerned which has ultimately resulted in the dismissal of the workman concerned.

10. Ex. P/2 is the certificate of fitness which throw light on the respective cases of the parties. The certificate of fitness is unambiguous points out that the workman concerned was found fit for duty on 24-2-1983 only and not prior to that and therefore the question of his going for duty on 22nd and 23rd February 1983 does not arise. Thus on one part while the workman's case is initially false to his knowledge, on the other part the detailed facts of the case have not been given in the complaint made by Shri Subramaniam. According to him, the word "assault" covered all the points and as per dictionary meaning also the word "assault" means attack, unlawful personal attack etc."

11. Keeping both these facts in mind, we proceed to examine the evidence on record.

12. According to M. W. 1, S. Balasubramaniam, while he was working as Senior Under Manager in Duman Hill Colliery, on 25-2-1983 at about 8.30 a.m. and while he was standing in front of the room of Shift Incharge the workman came to him and asked him to change his shift. According to this witness when the workman had come in the morning at 7 a.m., he had sent him to attend his shift and at that time also Murit Ram had asked to change shift and at that time he had told him that Section Incharge is not here and he will inform him after consulting the Section Incharge.

13. According to this witness, when he again came at 8.30 a.m. he again insisted that his section should be changed, he gave the same answer to the workman concerned. The workman, Murit Ram, got annoyed, abused him with filthy language and bad names and gave a blow on his back. B. P. Dixit and Indra Bhushan Pande caught hold of him and took him away. He accordingly lodged the report Ex. P/1.

14. M.W. 2, P. C. Thakur, was also then working as under Manager in the Duman Hill Colliery. This witness has stated that on 24-2-83 the workman Murit Ram had come late on duty and therefore he was not given duty. This fact has been averred by M.W. 1, S. Balasubramaniam, during his cross-examination.

15. M.W. 2, P. C. Thakur, further states that on 25-2-1983 Murit Ram came in time and he was allowed to join the duty. At that time i.e. 8.30 a.m. Murit Ram came to Shri S. Balasubramaniam and told him that he will not work in Sec. No. 16, Shri Subramaniam tried to explain him that this can only be done in consultation with the Section Incharge, Overman, but Shri Murit Ram insisted on changing his duty and Shri Subramaniam refused to agree to the request. Shri Murit Ram got annoyed, started abusing him calling bad names and gave a blow on his back. According to him, he was present in duty at that time. After the blow was given to him Shri B. P. Dixit and Shri Indra Bhushan Pande had also reached the spot, they caught hold of Murit Ram and took him away but during this time also Murit Ram and tried to assault him by a brick.

15. M.W. 3, R. S. Sharma, was working as Deputy Manager in the said Colliery. According to him, on the alleged date of incident at about 8.30 a.m. when he was talking with Shri Sengupta, Assistant Manager, in front of his room he heard certain shouts. He along with others went there and saw that Murit Ram is giving bad names to Shri Subramaniam. He also tried to assault him by picking up stone but one Shri Dixit and another caught hold of him and separated him and took him away. This witness, however, does not say that the workman concerned had given a blow to Shri Subramaniam on his back.

16. M.W. 4, B. P. Dixit, was the distributing bonus slip near the Attendance Office. He heard shouts from the side of the Shift Incharge Room. He rushed there and found that Murit Ram was annoyed and was giving bad names to Shri Subramaniam. He

also tried to assault him by picking up stone, but he and Indra Bhushan Pande caught hold of him and took him towards Canteen.

17. The workman has examined himself in support of his case. According to him, when he returned on duty on 22-2-1983 at about 7 a.m. he asked Shri S. Balasubramaniam to give him duty Shri Balasubramaniam looked at the fitness certificate, threw it and refused him to take on duty. He repeatedly requested but he was not given duty. The same thing happened on 23rd and 24th February, 1983. On 25th February, 1983 when he again went to duty Shri Subramaniam got annoyed and used harsh words against him. He also started abusing him calling him bad names. He was mentally disturbed and therefore he came back. All of a sudden he got a charge-sheet on 28-2-1983 which is certainly false and mischievous.

18. He has admitted in cross-examination in para 6 that he did not make complaint to the superior that he is not being given duty by Shri Subramaniam. He admits that he had no animosity with the witnesses for the management. He does not say a word about the cause of annoyance of Shri Subramaniam as to why he was not giving duty for continuous four days. This fact is, however, falsified by the fitness certificate and the case of the management must be believed that on 24-2-1983 he had come late and therefore he was not given duty. It is true that no attendance certificate of 25th February, 1983 has been placed before this Court and Subramaniam in his cross-examination has however, stated that on 25-2-1983 Murit Ram was given duty and his presence was marked. Whatever the case may be, the fact is that there was a meeting on the 25th February between the workman and Subramaniam and there was some hot exchanges from the one side or the other. The question remains is as to who is to be believed. There is certain contradiction in relation to giving fist blow by the workman to Subramaniam but the remaining part of the evidence is almost the same. It may be noted that some discrepancies here or some discrepancies there are bound to happen even in criminal cases as laid down in various judgments of the Supreme Court [Shri Krishna Pillai, Shree Kumar & another Vs. State of Kerala (AIR 1981 SC 1237 and State of Rajasthan Vs. Kalki and Ors. AIR 1981 SC 1390)]. Here the circumstances are, however, different because this is not a criminal case where evidence has to be proved beyond reasonable doubt and it does not require such a strict proof. There is obviously no animus between the party and there is no reason why all these witnesses shall tell lie against the workman because they are employees of the management.

19. That being so, I hold that the workman had abused by using filthy languages his superior officer, Shri S. Balasubramaniam and has also tried to assault him. Otherwise also there is evidence of actual assault of giving fist blow on the back of Shri Subramaniam. If such type of misconduct is permitted to happen the management would not be able to function. There is nothing substantial in the cross-examination of witnesses of the management to disbelieve the evidence adduced by the management.

20. I, therefore, believe the evidence adduced by the management. I also hold that the alleged misconduct has been proved. As I have already pointed out above that such types of misconduct should not be permitted for smooth working. Hence it cannot be said that the punishment given to the workman, Shri Murit Ram, is disproportionate. I accordingly give my findings as follows :—

1. The termination/dismissal of the workman is justified on facts of the case.
2. Punishment awarded is proper and reasonable.
3. Workman is not entitled to any relief and costs.

The reference is accordingly answered as follows :—

That the dismissal of Shri Murit Ram S/o Shri Dauaram, Trammer Cat. III of Duman Hill Colliery with effect from 27-6-1984 by the Dy. Chief Mining Engineer, Duman Hill Group of Mines Post Sonawani Distt. Surguja (M.P.), vide letter No. WCL/DCME/DH-NCC/Disp-10057-66 dated 27-6-1984 is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012(4)/85-DV]

का. प्रा. 2898—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-10-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2898.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the following award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India (Port Operations) Visakhapatnam and their workmen, which was received by the Central Government on 20-10-1990.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

Dated the 10th day of September, Nineteen hundred and Ninety.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 81 OF 1988 BETWEEN

The Workmen of Food Corporation of India,
(Port Operations) Visakhapatnam, (A.P.)

AND

The Management of Food Corporation of India,
(Port Operations) Visakhapatnam, (A.P.)

APPEARANCES:

1. None—for the Workmen.
2. Sri K. Satyanarayana Rao, Counsel for the Management (not present).

AWARD

Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. L-42011/786-D.II(B), dt. 8-9-1988, referred to this Industrial Tribunal at Hyderabad, an Industrial Dispute existing between Employers in the relation to the Management of Food Corporation of India (Port Operations) Visakhapatnam, and their workmen in respect of the matters specified in the following schedule for adjudication; under Clause (d) of Sub-section (1) and Sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), with a direction to give its award within a period of three months.

THE SCHEDULE

“Whether the action of the management of Food Corporation of India (Port Operations) in Visakhapatnam Port in denying (1) poisonous allowance and periodical medical check up and (2) night weightage allowance to its workmen on par with the other employees employed in Visakhapatnam Port is justified? If not, to what relief the employees are entitled?”

Soon after the receipt of the reference, it was registered as Industrial Dispute No. 81 of 1988 in this Tribunal and notice dt. 17-8-88 was issued to both the parties with a direction to the Regional Secretary, Food Corporation of India Executive Employees Union, New Additional Godowns, Port Area, Visakhapatnam 530035, to file his claim statement on or before 14-9-1988 while serving a copy of it on the management. Before the dispute was called on the bench on 14-9-1988, adjournment letter dated Nil was received in this office on 30-8-1988. So the dispute was adjourned from 14-9-1988 to 12-10-1988 for claim statement of the workmen and vakalat of management :

The Claims Statement was received by post on 16-9-1988 after service of its copy on the management. No one represented the management on 12-10-1988. Sri K. Satyanarayana Rao Standing Counsel was absent. The dispute was adjourned from 12-10-1988 to 11-11-1988, 29-11-1988, 20-12-1988, 2-2-1989, 9-3-1989, 1-4-1989, 21-4-1989, 8-5-1989, 10-5-1989, 6-6-1989, 29-6-1989 and 12-7-1989.

On 12-7-1989 the management filed its counter and the dispute was adjourned to 5-8-1989 for enquiry. From 5-8-1989 it was adjourned to 26-9-1989, 12-10-1989, 15-11-1989, 12-12-1989, 26-12-1989, 9-1-1990, 24-1-1990, 14-2-1990, 28-2-1990, 16-3-1990, 24-3-1990, 17-4-1990, 9-5-1990, 5-6-1990, 12-6-1990, 19-7-1990 and 10-9-1990.

On 10-9-1990 the workmen and the management were called absent. On a number of occasions, the management was called absent and there was no

representation on its behalf. Today i.e. 10-9-1990 also the management was called absent and the dispute is reserved for award.

I have perused the claim statement of the workmen and the counter of management. This dispute is a collective one and it is espoused by the Union of Food Corporation of India Executive Employees' Union, New Additional Godowns (Port Area), Visakhapatnam. The workmen made various demands, but the management denied them. This dispute was referred by the Government of India at the request of the workmen. It is the duty of workmen to prove their claims and the management by oral and documentary evidence. But they did not do so. In the absence of the prosecution of case by the concerned parties, this Tribunal cannot wait for years together. No party evinced any interest. Hence the reference is terminated and the workmen are not entitled to any relief.

Dictated to the Steno-typist, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 10th day of September, 1990.

SRI K. TARANADH, Presiding Officer
[No. L-42011/7/86-DII(B)]

Appendix of Evidence
NIL

क. प्र. 2899.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरेनी कॉलरी कं. लिमिटेड रामाकृष्णापुर ऐरिया (ए. पी.) के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचपद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-10-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2899.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Ltd. Ramakrishnapur area (AP) and their workmen, which was received by the Central Government on 16-10-1990.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

Dated : 22nd September, 1990.

Industrial Dispute No. 18 of 1987.

BETWEEN

The Workmen of S.C. Co. Ltd., Ramakrishnapur Area, P.O. Ramakrishnapur, Distt. Adilabad (AP).

AND

The Management of SC Co. Ltd., Ramakrishnapur Area, P.O. Ramakrishnapur, Dist. Adilabad, (AP).

APPEARANCES :

Sarvasri G. Bikshapathi, G. Vidyasagar, V. Vishwanatham and N. Vinesh Raj, Advocates for the workmen.

Sarvasri K. Srinivasan Murthy, P. Dharanjay, Kumari G. Sudha and Kumari V. Usha Rani, Advocates for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-21012/57/86-D.III(B) dated 28th April, 1987 referred the following dispute under Section 10(1)(d) & (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Ltd. Ramakrishnapur Area, P.O. Ramakrishnapur, District Adilabad (A.P.) and their workman to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Singareni Collieries Co. Ltd., in relation to their Ramakrishnapur Area in terminating the services of Sri K. Mallaiah, General Mazdoor, RKP Workshop w.e.f. 23-1-86 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

The reference was registered as Industrial Dispute No. 18 of 1987 and notices were issued to the parties.

2. In the claim statement filed, it was alleged that the workman K. Mallaiah was a permanent employee since 1972, on account of polluted atmosphere and contaminated water at the workshop, he fell sick. He took treatment locally but did not get any relief and hence left for Hyderabad for specialised treatment on 8-7-1985. He took treatment under Dr. Mohd. Waliuddin, Additional Superintendent, Osmania General Hospital, Hyderabad and sent letters to the Senior D.E. to sanction sick leave for a period of three months. He sent another letter of extension. he was found fit for duty on 23-2-1986 and hence he reported for duty with the fitness certificate on 24-2-1986 but on the other hand he was informed that his services were terminated. The workman was supplied with no charge sheet nor any enquiry was conducted. The action of the Management is nothing but victimisation and unfair labour practice. The enquiry alleged to have been conducted exparte is nothing but a farce and no reasonable opportunity was given to the workman. He was illegally and unlawfully dismissed from service. He is unemployed ever since and requested that an Award may be passed ordering reinstatement.

3. A counter was filed contending that the workman was absent without any intimation to the Respondent Management for more than two months and hence an enquiry was ordered and finally basing on the findings of the Enquiry Officer, he was removed from service on 23-1-1986. All other allegations are not at all correct. The allegation that he undertook treatment and he sent letters etc. and none of them were received by the Management. The Workman has not chosen to communicate to the Management either his sickness or his treatment or his change of address and requested that the action taken by the Management may be upheld.

4. A perusal of the records indicate that my learned predecessor heard about the validity of the domestic enquiry and by virtue of his order dated 17-2-1990, the domestic enquiry was held to be validly conducted. Later on the matter was heard finally.

5. It is evident now that on behalf of the Management, one witness was examined namely the Senior Personnel Officer who was appointed as Enquiry Officer was alone examined as M.W. 1. The workman did not get into the witness box and deny any allegations nor gave out his version. On the other hand M.W1 described how a charge sheet was issued. Ex. M2 about the absenteeism and how the paper publication was made about the charge sheet in "Eenadu". Ex. M4 dt. 30-11-1985 and how the enquiry was carried on exparte. He submitted his report Ex. M6.

6. Apart from all these things, many allegations were made in the claim statement stating that the workman proceeded to Hyderabad for some treatment and he undertook treatment and he was treated by no less than Dr. Mohd. Waliuddin, Additional Superintendent, Osmania General Hospital, Hyderabad and he was found fit only on 23-2-1986. Thus it is evident that he was absent from 8-7-1985 to 23rd February 1986 for full 7 months. But unfortunately not even copy of that medical fitness certificate nor a certificate to the effect that the workman took treatment under that Doctor was filed. Even he did not choose to get into the witness box.

7. Hence in view of all these things that the documents filed on behalf of the Management must be believed and there is no truth in the version of the claimant at all.

8. Thus the action of the Management of Singareni Collieries Company Limite in relation to their Ramakrishnapur Area in terminating the service of Shri K. Mallaiiah, General Mazdoor, RKP Workshop w.e.f. 23-1-1986 is justified. Hence the workman is not entitled to any relief.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 22nd day of September, 1990.

SRI K. TARANADH, Presiding Officer
[No. L-21012/57/86-D.III(B)]

RAJA LAL, Desk Officer

Appendix of Evidence.

Witnesses Examined
for the Management :

Witness Examined
for the Workmen :

M.W1 M. L. Sadanandham.

NIL

Documents marked for the Management :

Ex. M1 Order dt. 18-9-1985 issued by Agent, RKP. II, S.C. Co. Ltd., Ramakrishnapur Division, Ramakrishnapur to M. L. Sadanandham, advised him to conduct the enqui-

ries pertaining to workshop, Stores and CPS, RKP, I of Ramakrishnapur.

Ex. M2 Charge Sheet dt. 28-9-1985 issued to K. Mallaiiah by the Senior Divisional Engineer (W/S) R.K.P., S.C. Co. Ltd.,

Ex. M3 Unserved cover.

Ex. M4 Paper publication of Eenadu dt. 30th November 1985.

Ex. M5 Enquiry Proceedings.

Ex. M6 Enquiry Report.

Ex. M7 Dismissal Order dt. 21-1-1986 issued to K. Mallaiiah by the General Manager, Ramakrishnapur Area, S.C. Co. Ltd.,

Documents marked for the Workmen :

NIL

का. आ. 3000.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी. पी. डब्ल्यू. डी. नई दिल्ली, के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-10-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3000.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of C.P.W.D. New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on 16-10-90.

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I. D. No. 36/89

In the matter of dispute between .

Shri Heera Lal, workman represented by CPWD Mazdoor Union, E/26, Raja Nagar (Old Quarter), DIZ Area, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi-110001.

Versus

The Director General of Works, CPWD Nirman Bhawan, New Delhi through Executive Engineer, Electrical Division No. IV, CPWD I. P. Bhawan, New Delhi.

APPEARANCES :

Shri H. S. Vats for the workman.

Shri S. P. Bagga for the management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-42012/57/88-D-II(B)

dated 17-3-89 has referred the following industrial dispute to this tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Management of CPWD in terminating the services of Shri Hira Lal S/o Shri Ganga Ram from 21-3-83 and then from 31-10-83 is justified ? If not to what relief and from which date the concerned workman is entitled to ?"

2. I have heard the representative for the parties. It has been brought to my notice by the Management that the workman is already working with the management at present and there is no dispute left between the parties. The representative for the workman, however, states that a gap of six months has been made in the services of the workman for which period he has not been paid. The workman's representative however, has admitted that the workman at present is working with the management and no dispute at this stage exist between the parties as referred by the Ministry of Labour vide its reference No. L-42012/51/88-D-II(B) dated 17th March, 1989. Since no dispute exist between the parties, I, therefore make a No Dispute Award in this case leaving the workman to claim his dues if any for the alleged period of six months as stated by his representative. Parties are left to bear their own costs.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

[No. L-42012/51/88-D-II(B)(Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1990

का. प्रा. 3001.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 15 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय दूतावास, अबुधाबी में अताशे श्री. के. एल. खेतारपाल को सक्षम प्राधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने तथा उन नियोजकों, जो उस देश में रोजगार के लिए किसी भारतीय नागरिक की भर्ती के प्रयोजनार्थ भारतीय नागरिक नहीं है, को परमिट जारी करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[संख्या ए - 22020 (1)/86 - उत्प्रवास-II]

New Delhi, the 23rd October, 1990

S.O. 3001.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 15 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorises Shri K. L. Khetarpal, Attache in the Embassy of India, Abu Dhabi to exercise the powers of competent authority and to issue permits to employers who are not citizens of India for the purpose of recruiting any citizen of India for employment in that country.

[No. A-22020/1/86-Emig. II]

का. प्रा. 3002.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 15 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय दूतावास, दोहा में द्वितीय सचिव श्री ओ. पी. अग्रवाल को सक्षम प्राधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने तथा उन नियोजकों, जो उस देश में रोजगार के लिए किसी भारतीय नागरिक की भर्ती के प्रयोजनार्थ भारतीय नागरिक नहीं है, को परमिट जारी करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[संख्या ए - 22020 (1)/86 - उत्प्रवास-II]

S.O. 3002.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 15 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorises Shri O. P. Aggarwal, Second Secretary in the Embassy of India, Doha to exercise the powers of competent authority and to issue permits to employers who are not citizens of India for the purpose of recruiting any citizen of India for employment in that country.

[No. A-22020/1/86-Emig. II]

का. प्रा. 3003.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 15 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार कान्सुलेट जनरल आफ इंडिया, दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) में सर्वश्री जे. एन. महाजन, कान्सुल जनरल, प्रवीन वर्मा, कान्सुल तथा जे. एस. कोचर कान्सुल को सक्षम प्राधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने तथा उन नियोजकों, जो उस देश में रोजगार के लिए किसी भारतीय नागरिक की भर्ती के प्रयोजनार्थ भारतीय नागरिक नहीं है को परमिट जारी करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[संख्या ए - 22020(1)/86 - उत्प्रवास-II]

जी. के. भट्टाचार्य, उत्प्रवास महासंरक्षी तथा संयुक्त सचिव

S.O. 3003.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 15 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorises S/Shri J. N. Mahajan, Consul General, Praveen Verma and J. S. Kochar, consuls in Consulate General of India, Dubai (U.A.E.) to exercise the powers of competent authority and to sign the work permits to the employers, who are not citizens of India, for the purpose of recruiting any citizen of India for employment in that country.

[No. A-22020/1/86-Emig. II]

G. K. BHATTACHARAYA, Protector General of Emigrants and Jt. Secy.

